



हेमंत सोरेन मंत्रिपरिषद का विस्तार, 11 मंत्रियों ने ली शपथ

बिभा संवाददाता

रांची। झारखंड में हेमंत सोरेन के मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने के छह दिन बाद गुरुवार को राजभवन के अशोक उद्यान में 11 मंत्रियों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलायी गयी। राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने शपथ दिलायी। झामुमो से छह, कांग्रेस से चार और राजद से एक विधायक को मंत्री बनाया गया है। इस दौरान प्रोटेम स्पीकर पद की भी शपथ दिलायी गयी।

राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने सबसे पहले प्रो. स्टीफन मरांडी को प्रोटेम स्पीकर पद की शपथ दिलाई। वहीं मंत्री के रूप में राधाकृष्ण किशोर ने सबसे पहले मंत्री पद की शपथ ली। इसके बाद दीपक बिरुआ, चमरा लिंगा, संजय प्रसाद यादव, रामदास सोरेन, इरफान अंसारी, हफीजुल हसन, दीपिका पांडेय सिंह, योगेंद्र प्रसाद, सुदिव्य कुमार और शिल्पी नेहा तिकी ने मंत्री पद की शपथ ली।

मंत्रिपरिषद में छह नए चेहरों को जगह दी गई है। नए चेहरों में झामुमो के चमरा लिंगा, सुदिव्य सोनू और योगेंद्र प्रसाद, कांग्रेस की शिल्पी नेहा तिकी एवं राधा कृष्ण किशोर और राजद के संजय प्रसाद यादव को हेमंत कैबिनेट में जगह मिली है। मंत्रिपरिषद में झामुमो के छह, कांग्रेस के चार और राजद के एक विधायक को जगह मिली है। मधुपुर से विधायक हफीजुल हसन ने उर्दू और अन्य ने हिंदी में शपथ ली।

झामुमो कोटे से ये बने मंत्री



रामदास सोरेन (घाटशिला)

दीपक बिरुआ (चाईबासा)

हफीजुल हसन अंसारी (मधुपुर)

चमरा लिंगा (विशुनपुर)

सुदिव्य सोनू (गिरिडीह)

योगेंद्र प्रताप (गोमिया)

कांग्रेस कोटे से ये बने मंत्री



डॉ. इरफान अंसारी (जामताड़ा)

दीपिका पांडेय सिंह (महगामा)

शिल्पी नेहा तिकी (मांडर)

राधाकृष्ण किशोर (छतरपुर)

मुख्यमंत्री ने सभी मंत्रियों को दी बधाई

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने मंत्रिपरिषद की शपथ लेने वाले सभी मंत्रियों को बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। सोशल मीडिया एक्स पर गुरुवार को पोस्ट में मुख्यमंत्री ने लिखा कि अबुआ सरकार के मंत्रिपरिषद की शपथ लेने के लिए सभी मंत्रियों को बहुत-बहुत बधाई, शुभकामनाएं और जोहार। झारखंड के वीर पुरुषों के सपनों



और राज्यवासियों के आशाओं एवं आकांक्षाओं को पूरा कर सोना

झारखंड का निर्माण हमें मिलकर करना है।

कांग्रेस कोटे से दो महिलाओं को मंत्री बनाया गया है, जबकि झामुमो की ओर से एक भी महिला को मंत्री नहीं बनाया गया है। राज्य गठन के बाद पहली बार सवर्ण जाति से एक भी मंत्री नहीं बनाया गया है। पिछली बार गढ़वा से

चुनाव जीते मिथलेश ठाकुर ब्राह्मण चेहरे के तौर पर मंत्री बने थे। इस बार वह चुनाव हार गये। उल्लेखनीय है कि हेमंत सोरेन ने राज्य के 14 वें मुख्यमंत्री के रूप में मोरहाबादी मैदान में 28 नवंबर को पद एवं गोपनीयता की शपथ

ली थी। विधानसभा चुनाव में इंडी गठबंधन को 56 सीटें मिलीं। इनमें झामुमो की 34, कांग्रेस की 16, राजद की चार, भाकपा माले की दो सीटें शामिल हैं। भाजपा-नीत राजग को 24 सीटें मिलीं। राज्य की विधानसभा 81 सदस्यीय है।

राज्यपाल ने स्टीफन मरांडी को प्रोटेम स्पीकर पद की शपथ दिलायी

रांची। झारखंड के राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने गुरुवार को स्टीफन मरांडी को विधानसभा के प्रोटेम स्पीकर पद की शपथ दिलाई। राज्यपाल गंगवार ने राज भवन में आयोजित एक समारोह में मरांडी को झारखंड विधानसभा के प्रोटेम स्पीकर के पद की शपथ दिलाई। इससे पहले भी वे यह जिम्मेदारी संभाल चुके हैं।



झारखंड विधानसभा में स्टीफन मरांडी सबसे वरिष्ठ सदस्य हैं।

वह पहली बार 1980 में विधायक चुने गये थे।

राजद कोटे से ये बने मंत्री



संजय प्रसाद यादव (गोड्डा)

पांचों प्रमंडल को साधने की कोशिश

हेमंत मंत्रिपरिषद में स्थान परगना से चार विधायकों को जगह दी गई है। इसमें मधुपुर से हफीजुल अंसारी, जामताड़ा से इरफान अंसारी, महगामा से दीपिका पांडेय सिंह और गोड्डा से संजय प्रसाद यादव हैं। पलामू प्रमंडल से कांग्रेस विधायक राधाकृष्ण किशोर को शामिल किया गया है। कोल्हान से रामदास सोरेन और दीपक बिरुआ, दक्षिणी छोटानागपुर से दो और कोयलांचल से दो विधायकों को मंत्रिमंडल में शामिल किया गया है।

महाराष्ट्र : फड़नवीस बने मुख्यमंत्री एकनाथ शिन्दे, पवार बने उपमुख्यमंत्री

एजेंसी

मुंबई : महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों में प्रचंड बहुमत से विजयी भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाली महायुक्ति के नेता देवेंद्र फड़नवीस ने राज्य के 19वें मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली जबकि पिछली बार मुख्यमंत्री रहे शिवसेना के नेता एकनाथ शिन्दे और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के नेता अजीत पवार ने उप मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ग्रहण की।

मुंबई के आजाद मैदान में आयोजित इस शपथ ग्रहण समारोह में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, गृह मंत्री अमित शाह, केन्द्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी, कृषि एवं ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान और भाजपा एवं राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों की उपस्थिति में राज्यपाल सी पी राधाकृष्णन ने श्री फड़नवीस, श्री शिन्दे और श्री पवार



को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलायी। फिल्म एवं मनोरंजन जगत, उद्योग जगत, सार्वजनिक जीवन की तमाम हस्तियां इस मौके पर उपस्थित थीं। शपथ ग्रहण समारोह करीब 20 मिनट के अंदर ही संपन्न हो गया। मंच पर प्रधानमंत्री श्री मोदी के पहुंचते ही सबसे पहले राष्ट्रगान का गायन हुआ और राज्यपाल ने श्री फड़नवीस को शपथ दिलायी। श्री फड़नवीस के शपथ लेने के बाद राज्यपाल ने पुष्पगुच्छ देकर नये

मुख्यमंत्री का अभिनंदन किया। इसके बाद श्री फड़नवीस ने श्री मोदी के पूरे छू कर आशीर्वाद लिया। इसके उपरांत श्री शिन्दे को शपथ दिलायी गयी। श्री शिन्दे से शपथ लेने से पूर्व शिवसेना के संस्थापक बालासाहेब ठाकरे और उनके राजनीतिक गुरु रहे पार्टी के नेता अनंत दिघे को याद किया। श्री शिन्दे ने मुख्यमंत्री पद का भार संभाल लिया। श्री शिन्दे ने गुलदस्ते देकर अभिनंदन किया और प्रधानमंत्री ने

भी दोनों से गर्मजोशी से हाथ मिला कर शुभकामनाएं दीं। तीनों नेताओं के शपथ लेने के बाद राष्ट्रगान के साथ शपथग्रहण समारोह संपन्न हो गया। बाद में मंच पर उपस्थित अतिथियों ने तीनों नेताओं से मिल कर शुभकामनाएं दीं। समारोह में उपस्थित अन्य अतिथियों में फिलिम जगत से सलमान खान, शाहरुख खान, माधुरी दीक्षित, संजय दत्त, रणवीर सिंह उपस्थित रहे।

मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया, केन्द्रीय मंत्री एवं लोकजनशक्ति पार्टी (रामविलास) के नेता चिराग पासवान, केन्द्रीय मंत्री निर्मला सीतारमण, केन्द्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान, पूर्व राज्यसभा सांसद विजय रुपानी, गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल, उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, बिहार के मुख्यमंत्री एवं जनता दल यूनाइटेड के अध्यक्ष नीतीश कुमार, आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एवं तेलुगु देशम पार्टी के नेता एन चंद्रबाबू नायडू, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, हरियाणा के मुख्यमंत्री नायाब सिंह सैनी, राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव, खेल जगत से सचिन तेंडुलकर और फिल्म जगत से सलमान खान, शाहरुख खान, माधुरी दीक्षित, संजय दत्त, रणवीर सिंह उपस्थित रहे।

गोमिया के लिए गर्व और गौरव करने का क्षण

हर कसौटी पर खरा उतरुंगा: मंत्री योगेंद्र

बोकारो : गुरुवार गोमिया के लिए गर्व और गौरव करने का ऐतिहासिक दिन साबित हुआ। विधायक योगेंद्र प्रसाद ने राजभवन के अशोक वाटिका में आयोजित हेमंत सरकार 2.0 के राज्य मंत्रिपरिषद के शपथ ग्रहण समारोह में बतौर सदस्य (कैबिनेट मंत्री) के रूप में पद एवं गोपनीयता की शपथ ली। महाहिम राज्यपाल संतोष गंगवार ने उन्हें शपथ दिलाई। शपथ ग्रहण करने के बाद महाहिम ने मंत्री श्री प्रसाद को बुके भेटकर बधाई दी। मंत्री ने मुख्य मंत्री हेमंत सोरेन से भेटकर सौंपी गई जिम्मेदारी के प्रति आभार और धन्यवाद प्रकट किया। मंत्रिपरिषद के साथी सदस्यों और प्रोटेम स्पीकर से भेटकर भी बधाई दी। साथी सदस्यों ने भी उन्हें बधाई दी। झारखंड का मंत्री नियुक्त होने के बाद मीडिया से बातचीत में श्री प्रसाद ने कहा कि केन्द्रीय अध्यक्ष दिशम गुरु शिखर सोरेन मुख्यमंत्री ने जिस उम्मीद और विश्वास के साथ उन्हें मंत्री पद की जिम्मेदारी सौंपी है, इस पर अपनी पूरी क्षमता के साथ खरा उतरुंगा। विकास पथ में मुख्यमंत्री के सहयोगी के तौर पर एक नया आयाम स्थापित करने पर बल रहेगा। गोमिया सहित राज्य की सम्मानित जनता का ऋणी हूं। मुख्यमंत्री ने गोमिया को सम्मान और बहुत बड़ी जिम्मेदारी सौंपी है। गोमिया और राज्य की जनता को प्रचंड बहुमत देने के लिए उन्होंने आभार भी प्रकट किया।

झारखंड आंदोलनकारियों को बड़ा तोहफा

मुख्यमंत्री ने 30वीं संपुष्ट सूची को दी मंजूरी

बिभा संवाददाता संपुष्ट सूची को मंजूरी प्रदान कर दी है। इनमें 144 चिह्नित आंदोलनकारी या उनके आश्रित को 3500 रूपए, जबकि एक आंदोलनकारी को 7 हजार रूपए मासिक पेंशन मिलेगी। वहीं, 154 आंदोलनकारियों को प्रतीक चिह्न व प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया जाएगा। इन सभी को 20 अप्रैल 2021 की तिथि से सरकार द्वारा अनुमान्य सभी सुविधाएं दी जाएंगी।

हेमंत कैबिनेट की बैठक आज

रांची(बिभा)। झारखंड में गुरुवार को कैबिनेट के विस्तार के बाद शुक्रवार को कैबिनेट की बैठक रखी गई है। बैठक में कई जनकल्याणकारी योजनाओं पर फैसले लिए जा सकते हैं। बैठक दोपहर तीन बजे से प्रोजेक्ट भवन में होगी। मंत्रिमंडल सचिवालय और निगरानी विभाग (समन्वय) की ओर से गुरुवार को यह जानकारी दी गयी है। उल्लेखनीय है कि झारखंड में हेमंत सोरेन के मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने के छह दिन बाद गुरुवार को राजभवन के अशोक उद्यान में 11 मंत्रियों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलायी गयी। राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने शपथ दिलायी। झामुमो से छह, कांग्रेस से चार और राजद से एक विधायक को मंत्री बनाया गया है। इस दौरान प्रोटेम स्पीकर पद की भी शपथ दिलायी गयी।

संक्षिप्त खबरें

रांची चोपन एक्सप्रेस के समय में परिवर्तन कर प्रतिदिन परिचालन जरूरी : अरुण जोशी

रांची/बिभा संवाददाता। यात्रियों की ओर से लगातार मिल रहे सुझाव को देखते हुए दक्षिण पूर्व रेलवे के पूर्व जेडआरयूसीसी सदस्य अरुण जोशी ने स्थानीय सांसद बीडी राम को पत्राचार कर ट्रेन सं 18631/18632 रांची चोपन एक्सप्रेस के समय में परिवर्तन कर प्रतिदिन परिचालित कराने के लिए हस्तक्षेप का आग्रह किया। यह कहा कि अब चोपन में कोचिंग लाइन और पीट लाइन का निर्माण भी करेडों रु. की लागत से हो चुका है जिसका उपयोग इस ट्रेन के प्रतिदिन परिचालन से हो सकेगा। ट्रेन का प्रतिदिन परिचालन होने से उत्तर प्रदेश के साथ ही झारखंड के यात्री भी लाभान्वित होंगे। पत्र की प्रति केंद्रीय मंत्री हरदीप पुरी के प्रतिनिधि एसके गौतम, राज्यसभा सांसद प्रदीप वर्मा और पूर्व मध्य रेलवे के जीएम को भी प्रेषित किया गया है।



रांची/बिभा संवाददाता। रांची मंडल में आरपीएफ के मंडल सुरक्षा आयुक्त, पवन कुमार द्वारा आरपीएफ को महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों की सहायता के लिए उचित दिशा निर्देश मिले हुए है उसी क्रम में गुरुवार को ट्रेन 13352 (एल एमपी-धन बदा एक्सप्रेस) के मुरी रेलवे स्टेशन पर पहुंचने पर आरपीएफ मुरी और मेरी सहली टीम ने ऑपरेशन मातृ शक्ति के तहत एक गर्भवती महिला को देखा। फिर मुरी के सहायक मुख्य चिकित्सा अधीक्षक को इसके लिए प्रेषित भेजा गया। मोंके पर मौजूद मेरी सहली टीम ने उक्त महिला को प्राथमिक सहायता प्रदान की। बाद में मुरी रेलवे के स्वास्थ्य अधिकारी ने उस महिला को प्राथमिक चिकित्सा के बाद आरपीएफ एस्कॉर्ट के साथ सदर अस्पताल, सिल्ली में स्थानांतरित करवा दिया। बाद में उक्त महिला ने एम्बुलेंस के अंदर एक स्वस्थ बच्चे को जन्म दिया। पूछताछ करने पर पता चला कि महिला आंचल देवी (उम्र 21 वर्ष), पत्नी अजुन भगत, निवासी चयनगर, पोस्ट-उरलाहा, थाना-उरलाहा, जिला-पूर्वीछा (बिहार) अपने पति के साथ कोयंबटूर से धनबाद तक ट्रेन संख्या 13352 (एल एमपी-धनबाद एक्सप्रेस) में जनरल टिकट लेकर यात्रा कर रही थी। प्रसव पीड़ा शुरू होने के कारण दंपति मुरी में उतर गए थे। आंचल देवी और उनके पति ने समय पर त्वरित कारवाई तथा जीवन रक्षक के लिए आरपीएफ और स्वास्थ्य इकाई, मुरी का हार्दिक आभार व्यक्त किया।

आरपीएफ ने मुरी स्टेशन पर एक गर्भवती महिला की सहायता की

रांची/बिभा संवाददाता। रांची मंडल में आरपीएफ के मंडल सुरक्षा आयुक्त, पवन कुमार द्वारा आरपीएफ को महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों की सहायता के लिए उचित दिशा निर्देश मिले हुए है उसी क्रम में गुरुवार को ट्रेन 13352 (एल एमपी-धन बदा एक्सप्रेस) के मुरी रेलवे स्टेशन पर पहुंचने पर आरपीएफ मुरी और मेरी सहली टीम ने ऑपरेशन मातृ शक्ति के तहत एक गर्भवती महिला को देखा। फिर मुरी के सहायक मुख्य चिकित्सा अधीक्षक को इसके लिए प्रेषित भेजा गया। मोंके पर मौजूद मेरी सहली टीम ने उक्त महिला को प्राथमिक सहायता प्रदान की। बाद में मुरी रेलवे के स्वास्थ्य अधिकारी ने उस महिला को प्राथमिक चिकित्सा के बाद आरपीएफ एस्कॉर्ट के साथ सदर अस्पताल, सिल्ली में स्थानांतरित करवा दिया। बाद में उक्त महिला ने एम्बुलेंस के अंदर एक स्वस्थ बच्चे को जन्म दिया। पूछताछ करने पर पता चला कि महिला आंचल देवी (उम्र 21 वर्ष), पत्नी अजुन भगत, निवासी चयनगर, पोस्ट-उरलाहा, थाना-उरलाहा, जिला-पूर्वीछा (बिहार) अपने पति के साथ कोयंबटूर से धनबाद तक ट्रेन संख्या 13352 (एल एमपी-धनबाद एक्सप्रेस) में जनरल टिकट लेकर यात्रा कर रही थी। प्रसव पीड़ा शुरू होने के कारण दंपति मुरी में उतर गए थे। आंचल देवी और उनके पति ने समय पर त्वरित कारवाई तथा जीवन रक्षक के लिए आरपीएफ और स्वास्थ्य इकाई, मुरी का हार्दिक आभार व्यक्त किया।

अनुभाजन क्षेत्र के सभी दाल-भात केंद्र के संचालकों के साथ बैठक

रांची/बिभा संवाददाता। गुरुवार को विशिष्ट अनुभाजन पदाधिकारी रांची, मोनी कुमारी द्वारा समाहरणालय ब्लॉक ए स्थित अपने कार्यालय में अनुभाजन क्षेत्र के सभी दाल-भात केंद्र के संचालकों के साथ बैठक का आयोजित की गई। बैठक में सभी दाल-भात केंद्र के संचालक एवं संबन्धित पदाधिकारी उपस्थित थे। समय पर दाल-भात केंद्र खुलने एवं सभी को तय दर पर भोजन देने का निर्देश विशिष्ट अनुभाजन पदाधिकारी रांची, मोनी कुमारी द्वारा सभी दाल-भात योजना के संचालक को निर्देश देते हुए कहा कि समय पर दाल-भात केंद्र खुले, सभी को तय दर पर भोजन देने का निर्देश दिया गया। विशिष्ट अनुभाजन पदाधिकारी द्वारा सभी संचालकों निर्देश देते कहा कि इन केंद्रों में कोई गड़बड़ी नहीं मिलनी चाहिए। इसके लिए उनके द्वारा सभी दाल-भात केंद्रों का औचक निरीक्षण करेगी। उनके द्वारा विशेष रूप से कहा गया कि दाल-भात केंद्र की नैतिक जिम्मेदारी है, कि केंद्र में आने वाले को भोजन मिले। विशिष्ट अनुभाजन पदाधिकारी द्वारा पंजी को भी अवलोकन किया गया। जिसमें उन्होंने पत्थे की पंजी का संधारण ठीक से किया गया है।

एसबीयू में जलवायु परिवर्तन पर कार्यक्रम आयोजित

रांची/बिभा संवाददाता। सरला बिरला विश्वविद्यालय में गुरुवार को यूनिसेफ के सहयोग से जलवायु परिवर्तन और पर्यावरणीय स्थिरता पर युवाओं की भागीदारी विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। यूनिसेफ की ओर से डब्ल्यूएसएच ऑफिसर सुष्मी लक्ष्मी ने मेट्रोमीटर प्लेटफॉर्म पर विषय कार्यक्रम का आयोजन किया। इस अवसर पर आधुनिक जीवनशैली में लगातार दूषित हो रहे पर्यावरण को वीडियो प्रस्तुति के माध्यम से प्रदर्शित किया गया। कार्यक्रम में अपने विचार व्यक्त करते हुए यूनिसेफ की स्टेट चीफ डॉ. कर्नलिका मित्रा ने जलवायु परिवर्तन पर यूनिसेफ की पहल और वननबहुता पर अपने विचार रखे। डब्ल्यूएसएच विशेषज्ञ प्रेमचंद ने जलवायु में हो रहे परिवर्तन पर युवाओं को भागीदारी को आवश्यक कारक दिया। कार्यक्रम में एसबीयू के माननीय महानिदेशक गोपाल पाठक ने जलवायु परिवर्तन पर उपस्थित श्रोताओं के समक्ष अपने विचार रखे। इस अवसर पर विवि के प्रभारी कुलपति श्रीधर डांडीन, कुलसचिव डॉ. बीके सिंह, डॉ. अरविंद भंडारी, डॉ. अशोक अस्थाना, डॉ. संदीप, डॉ. पंकज गोस्वामी, डॉ. आरोही समेत विवि के अन्यान्य शिक्षकगण एवं शिक्षकत्वर कर्मचारी उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय के प्रतिकुलाधिपति विजय कुमार दलान और माननीय सांसद डॉ प्रदीप कुमार वर्मा ने इस कार्यक्रम के आयोजन पर अपनी शुभकामनाएं प्रेषित की।

मिट्टी में लाभदायक सूक्ष्म जीवों की आबादी बढ़ने पर काम हो: डॉ एससी दुबे

बिभा संवाददाता। रांची

दुनिया के जीवों को 95% से अधिक खाद्य पदार्थ मिट्टी से प्राप्त होता है इसलिए मिट्टी के स्वास्थ्य संरक्षण एवं संवर्धन के लिए वैज्ञानिकों, नीति नियामकों, शोधार्थियों, नौकरशाहों, विद्यार्थियों, किसानों और आम समाज सबको मिलकर काम करना होगा। मिट्टी में लाभदायक सूक्ष्मजीवों की आबादी बढ़ाने पर काम होना चाहिए। मिट्टी स्वस्थ रहेगी तभी मानव, पशु, पक्षी, कीड़े किसी को भी पोषक आहार मिल पाएगा। उपरोक्त विचार बिरसा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ एससी दुबे ने बृहस्पतिवार को इंडिया से रॉसाइटी ऑफ सॉल साइंस के सीसी चेंटर द्वारा वीडियो में आयोजित विश्व मृदा दिवस को संबोधित करते हुए व्यक्त किया।



उन्होंने कहा कि पोषक तत्व और पानी जमीन से मिलते हैं तथा वातावरण को शुद्ध करने में भी मिट्टी का योगदान है। ऊपरी सतह की दो-तीन इंच मिट्टी बनने में 1000 साल से अधिक लगते हैं, इसलिए मानव हरकतों से यदि यह मिट्टी बर्बाद हो गई तो सदियों



पछताना पड़ेगा, आनेवाली पीढ़ियों के लिए हम अपराधी साबित होंगे। कुलपति संख्या में रहने वाले लाभकारी सूक्ष्मजीवों को बचाने, बढ़ाने पर पूरी दुनिया अपना शोध केंद्रित कर रही है। मिट्टी का सूरतहाल जानने के लिए सरकार द्वारा मिट्टी जांच अनिवार्य किया

रांची में सुपर स्पेशलिटी अस्पताल के लिए सीसीएल ने किया समझौता जापन

त्रिपक्षीय समझौते से स्वास्थ्य सेवाओं में आया बड़ा बदलाव

बिभा संवाददाता। रांची

झारखंड की जनता को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान करने की दिशा में सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड (सीसीएल) ने एक ऐतिहासिक कदम उठाया है। कोके, रांची में 200 बिस्तरो वाले सुपर स्पेशलिटी (कार्डियोलॉजी, पल्मोनोलॉजी और न्यूरोलॉजी) अस्पताल की स्थापना के लिए सीसीएल, बाबासाहेब अंबेडकर वैद्यकीय प्रतिष्ठान (बीएवीपी) और धन्वंतरी आरोग्य सेवा संस्थान (डीएसएस) के बीच त्रिपक्षीय समझौता किया। यह समझौता सीसीएल मुख्यालय, दरभंगा हाउस, रांची में आयोजित एक समारोह में संपन्न हुआ। सीसीएल के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक निलेन्दु कुमार सिंह की गरिमामयी उपस्थिति में यह महत्वपूर्ण समझौता हुआ। यह पहल सीसीएल के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक (सीएमडी) निलेन्दु कुमार सिंह के दूरदर्शी और प्रेरक नेतृत्व का परिणाम है। सिंह के मार्गदर्शन में सीसीएल ने न केवल कोयला खनन क्षेत्र में उकृष्टता हासिल की है, बल्कि समाज के समग्र विकास और कल्याण में भी अपनी अमिट छाप छोड़ी है। श्री सिंह ने इस अवसर पर कहा, सीसीएल का उद्देश्य सिर्फ कोयला उत्पादन नहीं है, बल्कि लोगों के जीवन स्तर को ऊंचा उठाना भी हमारी प्राथमिकता है। यह सुपर स्पेशलिटी अस्पताल इस दिशा में एक मौलिक पाथर साबित होगा।

अस्पताल की प्रमुख विशेषताएं

- 200 बिस्तरो की क्षमता वाली आधुनिक सुपर स्पेशलिटी अस्पताल
- कार्डियोलॉजी, पल्मोनोलॉजी और न्यूरोलॉजी में विशेषज्ञ सेवाएं
- किफायती दरों पर जनता के लिए सुलभ चिकित्सा सुविधाएं
- नवीनतम तकनीक और उपकरणों से सुसज्जित स्वास्थ्य सेवा केंद्र



समाज कल्याण में सीसीएल की अग्रणी भूमिका

सीसीएल ने हमेशा समाज के विकास और कल्याण की प्राथमिकता दी है। कंपनी ने शिक्षा, स्वास्थ्य, बुनियादी ढांचे और रोजगार सृजन के क्षेत्र में कई पहलों के जरिए समाज में सकारात्मक बदलाव लाए हैं। इस अस्पताल की स्थापना न केवल क्षेत्रीय स्वास्थ्य सेवाओं को सुधारने का काम करेगी, बल्कि इसे लोगों के लिए एक नई उम्मीद और जीवन रेखा के रूप में देखा जा रहा है। इस अवसर पर सीसीएल के निदेशक (वित्त) पवन कुमार मिश्रा, निदेशक (कार्मिक) हर्ष नाथ मिश्र, बीएवीपी और डीएसएस के वरिष्ठ प्रतिनिधि, और सेवकों भारत की टीम के डीवर्टर उपस्थित रहे। अवसर विशेष पर ए. सी. मोहन, डॉ. रत्नेश जैन, आर. आर. सिंह, पी. के. साहू और अमित प्रकाश एवं अन्य उपस्थित थे।

ज्ञात हो कि सीएलडी सीसीएल निलेन्दु कुमार सिंह के नेतृत्व में कंपनी निर्यात गए कीर्तिमान गढ़ रही है और समावेशी विकास के पहलों से लोगों चेहरे पर मुस्कान फैला रही है।

बीएवीपी और डीएसएस का सहयोग

बाबासाहेब अंबेडकर वैद्यकीय प्रतिष्ठान (बीएवीपी) और धन्वंतरी आरोग्य सेवा संस्थान (डीएसएस) के सहयोग से यह अस्पताल स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में एक नई मिसाल कायम करेगा। बीएवीपी, महाराष्ट्र के संभाजीनगर में स्थित एक गैर-लाभकारी संगठन है, जो अपनी सामाजिक और चिकित्सा सेवा पहलों के लिए प्रसिद्ध है।

स्वास्थ्य सेवा में नया युग

यह अस्पताल स्वास्थ्य क्षेत्र में क्रांति लाने के साथ-साथ आम लोगों के लिए सुलभ, सस्ती और उच्च गुणवत्ता वाली सेवाएं उपस्थित करेगा। यह पहल सीसीएल की समाज के प्रति प्रतिबद्धता को परिलक्षित करता है। लोगों के लिए यह अस्पताल न केवल स्वास्थ्य सुविधाओं की दिशा में एक नई शुरुआत है, बल्कि समाज के कल्याण और क्षेत्रीय विकास की ओर एक मजबूत कदम भी है।

रोड साइकिलिंग चैंपियनशिप में भाग लेने 33 सदस्य टीम उड़ीसा रवाना

बिभा संवाददाता। रांची



उड़ीसा साइकिलिंग एसोसिएशन एवं साइकिलिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया के तत्वाधान में आयोजित 29 वें नेशनल सीनियर, जूनियर, सब जूनियर रोड साइकिलिंग चैंपियनशिप का आयोजन 07 से 10 दिसंबर तक उड़ीसा के पुरी शहर में आयोजित की जा रही है। उक्त प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए झारखंड राज्य से झारखंड साइकिलिंग संघ के तत्वाधान में 33 सदस्य टीम देर रात रांची से पुरी रवाना हुई। उक्त प्रतियोगिता में भाग लेने वाले एथलीट (राइडर) सुधा कुमारी पासवान, बबली हंसदा, सुवल् रिजनु, महाकाल नारायण सीजियो, समीर अंसारी, राजकुमार, निकिता सोरंग, मिनि हेब्रम,

अनीता कुमारी, अंजलि एक्का, पवन उरांव, शुभम कुमार, आयुष राज गुप्ता, निखिल लोहरा, श्वेता कुमारी, नैसी उरांव, दीपराज उरांव, मुकेश केवट, पृथ्वीराज सिंह, पुष्पा कुमारी, लक्ष्मी कुमारी, दीपक कुमार, नवनीत सिंह, कौशल कुमार महतो, अनंत राणा, रोहित कुमार, विवेक कुमार, पुरुष टीम मैनेजर जितेंद्र महतो, बालिका टीम मैनेजर पायल कुमारी, प्रशिक्षक प्रथम कुमार शर्मा, प्रशिक्षक दिलीप गुप्ता, प्रशिक्षक शिवकुमार यादव को अगुवाई में भाग लेने के लिए रवाना हुए।

बंगलादेश के खिलाफ भारत के अल्पसंख्यकों को भी आवाज उठानी चाहिये

रांची। हमारे पड़ोसी देश बंगलादेश में अल्पसंख्यकों पर होने वाले अत्याचार, मानवता को शर्मसार कर रहे हैं। मानवता के दानव दरिंदगी पर उतर आये हैं, ऐसे मुस्क के दानव आकाओं को भारत सरकार द्वारा मुंह तोड़ करारा जवाब देना चाहिये एवं राह से भटकते हुए बांग्लादेशी मानवता के दानवों को पुरी शहर में भारत द्वारा प्रदान अभुतपूर्व सहयोग को याद दिलाना चाहिये। बांग्लादेशी अल्पसंख्यक उसी देश के नागरिक एवं विकास में इनका योगदान भी है। इस दिशा में हमारे भारत देश की सरकार तो अपने स्तर पर कूटनीतिक तरीके से प्रयास करेगी। हमारे देश के बुद्धिजीवी वर्ग भी अपना प्रदर्शन कर रहे हैं पर भारत के अल्पसंख्यक समाज को भी मानवता के दानवों के खिलाफ आवाज बुलंद उठानी चाहिए।

अर्चा साहित्य कला अकादमी संगीत कार्यक्रम 8 को आर्यभट्ट सभागार में

बिभा संवाददाता। रांची



अर्चा साहित्य कला अकादमी के तत्वाधान में 8 दिसंबर सुबह 11:00 बजे से आर्यभट्ट ऑडिटोरियम, रांची विश्वविद्यालय बेसिक साइंस कंपस मोराबादी रांची झारखंड में होगा। यह कार्यक्रम झारखंड स्तर का है। इसमें झारखंड के विभिन्न राज्य से 108 कलाकार भाग लेंगे। 108 कलाकार एक साथ मिलकर एक मंच पर एक ही समय में 15 रविदसंगीत प्रस्तुत करेंगे। इसमें महिला और पुरुष कलाकार दोनों रहेंगे। इस कार्यक्रम में संगीत का म्यूजिक शान्तिनिकेतन से बनकर आया है। इन 15 मानों को 7 मेसटरो ने मिलकर लिखा है। मेटर जो रहेगे सिखायेंगी है। अंतराजिता भट्टाचार्य, कुमकुम बनजी, डॉ. पंपा सेन विद्यास,

परोमिता चौधरी, अप्सरा चौधरी, रुमकी दास इन मेट्रो के साथ हमारे झारखंड की प्रसिद्ध रवीदसंगीत गुरु प्रणति लाहिड़ी अभिभावक के रूप में साथ में हैं। संगीत प्रस्तुति के समय सभी कलाकारों का परिधान साड़ी और पजामा कुर्ता एक ही कलर का होगा। अंग वस्त्र सर्टिफिकेट और मोमेंटों से कलाकारों को सम्मानित किया जाएगा इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में हमारे बीच रहेंगे केंद्रीय मंत्री संजय सेठ, रांची

विश्वविद्यालय की कुलपति डॉ अजीत कुमार सिन्हा, प्रोफेसर डॉ अमिताभ मुखर्जी, पूर्व सीएमडी एच ई सी अभिजीत घोष, पूर्व अध्यक्ष एफ जे सी सी आई कुणाल आजमानी, बांगाली युवा मंच चैरिटेबल ट्रस्ट के अध्यक्ष सिद्धार्थ घोष प्रदीर लाहिड़ी उपस्थित रहेंगे। इस कार्यक्रम की जानकारी अर्चा साहित्य कला अकादमी के चेयरमैन डॉ पम्पा सेन विश्वास ने दिया। इस मौके पर सरोज प्रसाद, दीपनी शिखा गुहा और अखिलेश कुमार मौजूद थे।

कांके रोड स्थित जज कॉलोनी से हरमू सहजानंद चौक तक बनेगा फ्लाईओवर

बिभा संवाददाता। रांची

झारखण्ड सरकार ने हरमू फ्लाईओवर निर्माण की क्वायद शुरू कर दी है। अगले दो से तीन महीने के अंदर टेंडर की प्रक्रिया पूरी कर ली जाएगी। हरमू फ्लाई ओवर के निर्माण में लगभग 300 करोड़ रुपए से अधिक खर्च किए जाएंगे, इस फ्लाईओवर की लंबाई 3.5 किलोमीटर होगी। फिलहाल हरमू से कडरू रेंडिशन ब्लू तक फ्लाईओवर के निर्माण के लिए परामर्शों की तलाश जारी है। इसके लिए टेंडर जारी कर दिया गया है। फिलहाल इस प्रोजेक्ट के लिए एक कंपनी ने 34 फीसदी कम रेट पर टेंडर भरा है। पथ विभाग इसकी समीक्षा कर रहा है। हरमू फ्लाईओवर के निर्माण कार्य के लिए वैकल्पिक मार्ग तैयार किया जाएगा। इसकी वजह यह है



कि इस सड़क से वीवीआईपी मूवमेंट अधिक होता है। यह फ्लाईओवर कांके रोड स्थित जज कॉलोनी से हरमू सहजानंद चौक तक बनेगा। सूचना भवन चौराहा रातू रोड चौक, शनि मंदिर, गाड़ीखाना चौक, किशोरराज चौक, भारत माता चौक होते हुए

सहजानंद चौक जाकर उतरेगा। सहजानंद चौक के पास एक रैप बनाया जाएगा, ताकि कडरू मार्ग से आने वाले वाहन फ्लाईओवर पर चढ़ सकें। दूसरा रैप गौशाला चौक के निकट बनाया जाएगा, ताकि रातू रोड और पहाड़ी मंदिर से आने वाले वाहन फ्लाईओवर में चढ़ सकें।

सौ दिवसीय टीबी मुक्त भारत अभियान 7 दिसम्बर से 18 मार्च तक

बिभा संवाददाता। रांची



राष्ट्रीय यक्ष्मा उन्मूलन कार्यक्रम, झारखण्ड के अन्तर्गत सौ दिवसीय टीबी मुक्त भारत अभियान 7 दिसम्बर से 18 मार्च तक का सफलता पूर्वक आयोजन हेतु अन्तर विभागीय समन्वय बैठक 5 दिसम्बर को अजय कुमार सिंह, प्रधान सचिव, स्वचिंश एवं पक विभाग, झारखण्ड सरकार की अध्यक्षता में रांची के नेपाल हाउस, के सभागार में आयोजित की गई। बैठक को संबोधित करते हुए अजय कुमार सिंह ने कहा कि अन्तर विभागीय बैठक का उद्देश्य राष्ट्रीय यक्ष्मा उन्मूलन हेतु तक राज्य के चार जिलों हजारीबाग, रामगढ़, सिमडेगा एवं गुमला जिला में अभियान को सफल बनाने में विभिन्न विभागों एवं गैर सरकारी संस्थाओं के साथ

समन्वय स्थापित कर कार्य करने का निर्देश दिया है। उन्होंने कार्यक्रम अंतर्गत मुफ्त जांच, उपचार एवं निक्षेप पोषण योजना, टीबी मुक्त पंचायत इत्यादि के अलावा अन्य सरकारी कल्याणकारी योजनाओं से सभी टीबी रोगियों को जोड़ने तथा लोगों में जागरूकता लाने को कहा। कार्यक्रम अन्तर्गत टीबी बीमारी के प्रति जोखिम वाले समूह/क्षेत्रों में नि-क्षेप वाहन के माध्यम से संभावित टीबी मरीजों की खोज योजनाबद्ध तरीके से करने एवं अभियान में जन सह भागिता सुनिश्चित कर इस अभियान के लक्ष्य को प्राप्त करने का निर्देश दिया।

14वीं हॉकी इंडिया सब जूनियर महिला राष्ट्रीय चैंपियनशिप 2024 झारखण्ड की टीम फाइनल में

बिभा संवाददाता। रांची



26 नवम्बर से 06 दिसम्बर तक सिकंदराबाद, तेलंगाना में आयोजित 14वीं हॉकी इंडिया सब जूनियर महिला राष्ट्रीय चैंपियनशिप 2024 में गुरुवार को ओडिशा और झारखंड के बीच सेमीफाइनल मैच खेला गया। इसमें झारखंड ने संघर्षपूर्ण मुकाबले में 04-03 गोल से इस मैच में शानदार जीत हासिल कर फाइनल मैच के लिए अपनी प्रकाश डाला और कहा कि मिट्टी इतनी महत्वपूर्ण है कि इसके संरक्षण, संवर्धन पर आईआईटी और एनआईटी में भी काफी अनुसंधान हो रहे हैं। सोसाइटी के कोषाध्यक्ष डॉ अरविन्द कुमार ने धन्यवाद ज्ञापन किया। आयोजन में संत जोसेफ उच्च विद्यालय, कांके विद्यार्थियों और शिक्षकों ने भी भाग लिया।

झारखण्ड ने 03-02 गोल से जीत हासिल की और फाइनल में जगह बनाई। इस मैच में झारखंड की अनुप्राया सोरंग को मैच का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का पुरस्कार मिला। आज सुबह 11:00 बजे झारखण्ड का फाइनल मुकाबला मध्यप्रदेश के साथ होगा। टीम के फाइनल में जगह बनाने पर हॉकी झारखण्ड के समस्त अधिकारियों ने टीम को बधाई एवं फाइनल मैच के लिए शुभकामनाएं दी।

संक्षिप्त खबरें

52वां नौसेना दिवस पूर्व सैनिक परिषद ने धूमधाम से मनाया



बोकारो(बिभा) : पूर्व सैनिक सेवा परिषद बोकारो इकाई द्वारा सेक्टर 4 स्थित भारत सेवाश्रम संघ कार्यालय में 52 वा भारतीय नौसेना दिवस मनाया गया। कार्यक्रम राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के विभाग प्रचारक श्रीमान प्रदीप बाग जी, विभाग कार्यवाह श्रीमान धीरेन्द्र गोप जी एवं नौसैनिकों द्वारा सामूहिक रूप से केक काटकर और नौसेना के यादों को साझा किया गया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से उपस्थित रहे राकेश मिश्रा, शत्रुघ्न सिंह, संजीव कुमार, राजहंस, मनोज झा, अमित कुमार सिंहा, विनय कुमार, परमहंस, रजनीश कुमार, दीपक कुमार, मुकेश कुमार, निरंजन कुमार सिंहा थे।

बीएसएलके एसएमएस -2 एंड सीसीएस विभाग में ईएसजी सिद्धांतों पर धृति नामक कार्यशाला का आयोजन



बोकारो(बिभा) : बी एस एल के एस एम एस -2 एंड सी सी एस विभाग में ईएसजी (पर्यावरण, सामाजिक और शासन) सिद्धांतों पर जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से मानव संसाधन के ज्ञानार्जन एवं विकास विभाग के द्वारा धृति नामक कार्यशाला का आयोजन मुख्य महाप्रबंधक (एस एम एस -2 एंड सी सी एस) अरविन्द कुमार की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। महाप्रबंधक (ज्ञानार्जन एवं विकास) सुनीता बा ने सभी प्रतिभागियों तथा मुख्य अतिथि का कार्यक्रम में स्वागत किया तथा आधुनिक व्यवसायिक परिदृश्य में इसकी प्रसंगिकता के बारे में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने कहा कि ईएसजी (पर्यावरण, सामाजिक और शासन) सिद्धांतों पर जागरूकता के लिए कार्यशालाओं की एक श्रृंखला शुरू की गई है। कार्यशाला का उद्देश्य टिकाऊ और जिम्मेदार व्यवसाय प्रथाओं को प्रोत्साहित करना है, जो पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक जिम्मेदारी के प्रति बोकारो इस्पात संयंत्र की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। कार्यशाला में एस एम एस -2 एंड सी सी एस विभाग के 21 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। अमित आनंद, सहायक महाप्रबंधक (ज्ञानार्जन एवं विकास) ने ईएसजी सिद्धांतों पर एक प्रस्तुति के माध्यम से विस्तृत जानकारी दी तथा एक इंटरैक्टिव प्रश्नोत्तरी का आयोजन किया जिसमें प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यशाला के आयोजन में एस एम एस -2 एंड सी सी एस विभाग के महा प्रबंधक अशोक तिवारी तथा राहुल तिवारी का महत्वपूर्ण योगदान था।

आईपीएस श्रुति पहुंची चिन्मय विद्यालय



बोकारो(बिभा) : चिन्मय विद्यालय की पूर्व छात्रा श्रुति, भारतीय पुलिस सेवा आज अपने पुराने विद्यालय पहुंचीं। वह अभी तत्काल हजारीबाग में सहायक पुलिस अधीक्षक पद पर तैनात है। विद्यालय आकर अपने पुराने गुरुजनों का आशीर्वाद प्राप्त किया। श्रुति की अपार सफलता पर चिन्मय मिशन की स्वामिनी आचार्या स्वामिनी संयुक्तानंद सरस्वती, विद्यालय प्रबंधन के सचिव महेश त्रिपाठी, प्राचार्य सूरज शर्मा उप प्राचार्य नरमिन्द्र कुमार सहित अन्य गणमान्य शिक्षकों से मुलाकात कर आशीर्वाद प्राप्त किया। वे विद्यालय में भी अनुशासन प्रिय, बहुमुखी प्रतिभा की धनी रही हैं। इस दौरान उन्होंने अपने पुराने कक्षा में भी जाकर भावनात्मक लगाव बनाए रखा। आचार्या स्वामिनी संयुक्तानंद सरस्वती ने भारतीय पुलिस सेवा श्रुति की सफलता पर खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि यह सफलता उन्होंने अपने मेहनत, लगन और एकाग्रता से प्राप्त किया है। स्वामिनी संयुक्तानंद सरस्वती, विद्यालय प्रबंधन के सचिव महेश त्रिपाठी, प्राचार्य सूरज शर्मा उनके उच्चल भविष्य के लिए ढेरों शुभकामनाएं दीं। उन्होंने संजीव सिंह, एस एन झा, डॉ नमिता शर्मा, निशा सिंहा, पंकज कुमार मिश्रा एवं अन्य शिक्षकों से मुलाकात की।

डीसी ने डीसीओ को दिया जांच का निर्देश

बोकारो(बिभा) : प्लांटधारियों द्वारा बारी कार्पोरेट एवं नेताजी सुभाष कार्पोरेट भरा चास के सोसाइटी सचिव एवं भू-माफियाओं के सहयोग से प्लांटधारियों के जमीन पर अवैध कब्जा करने का जनता दरबार में शिकायत प्राप्त हुआ है। उपायुक्त श्रीमती विजया जाधव ने मामले में संज्ञान लेते हुए मामले की जांच के लिए जिला सहकारिता पदाधिकारी श्रीमती श्वेता गुड्डिया को जांच का निर्देश दिया है। उन्हें मामले की जांच करते हुए प्रतिवेदन समर्पित करने को कहा है।

बांग्लादेश में कट्टरपंथियों द्वारा हो रहे हिंदुओं पे अत्याचार को लेकर विश्व हिन्दू परिषद ने किया विशेष प्रदर्शन



बोकारो(बिभा) : बांग्लादेश में पिछले कई महीनों से कट्टरपंथियों द्वारा वहीं के हिंदुओं पर अत्याचार के विरोध में आज विश्व हिन्दू परिषद ने विशेष प्रदर्शन किया। यह प्रदर्शन चास के पटेल चौक से शुरू हुआ जो डीसी कार्यालय पहुंचा जहाँ नेताओं ने ज्ञापन सौंपा। नेताओं ने कहा कि वहाँ की सरकार का इस पर मूकदर्शन बन कर इस नरसंहार का समर्थन और सुरक्षा एजेंसियों द्वारा अपनी सुरक्षा की मांग कर रहे हिंदुओं पर ही लाठीचार्ज, उन पर देशद्रोह का चार्ज लगा कर उनकी गिरफ्तारी, वहाँ के दुर्जनों मन्दिरों पर हमला कर उन्हें क्षतिग्रस्त करना,संतो की गिरफ्तारी से जुनिया भर के हिंदुओं में रोष है, देश भर में इसे लेकर जगह जगह प्रदर्शन हो रहे है, नेताओं ने कहा कि जुनिया भर के हिन्दू आक्रोशित है.नेताओं ने केंद्र सरकार से तत्काल करवाई की मांग की है, कहा की बांग्लादेश सब का इतिहास न लें, नहीं तो इसका खामियाजा भुगतना होगा।

नया मोड़ बस स्टैंड पर यात्री सुविधाओं को करें सुदृढ़: डीसी

बिभा संवाददाता

बोकारो : समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में गुरुवार को उपायुक्त (डीसी) श्रीमती विजया जाधव ने चास नगर निगम क्षेत्र एवं बीएस सिटी क्षेत्र में शहरवासियों को उपलब्ध सुविधाओं पर चर्चा की। मौके पर अपर समाहर्त मो. मुमताज अंसारी, जिला परिवहन पदाधिकारी श्रीमती वंदना शेजवलकर, अपर नगर आयुक्त चास श्री संजीव कुमार, मुख्य महाप्रबंधक नगर सेवाएं, बीएस सिटी श्री कुंदन कुमार, सहायक



नगर अयुक्त सुश्री प्रियंका कुमारी, सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी अविनाश कुमार सिंह व अन्य उपस्थित थे।

उपायुक्त ने चास नगर निगम एवं बीएस सिटी को सुंदर एवं व्यवस्थित करने को लेकर क्रमवार विभिन्न बिंदुओं पर चर्चा की और

जरूरी दिशा निर्देश दिया। इस दौरान शहरवासियों से नयामोड़ स्थित बस स्टैंड की अव्यवस्था को लेकर मिल रही शिकायतों पर बीएसएल प्रबंधन पर गहरी नाराजगी जताई। उन्होंने बस स्टैंड पर मूलभूत सुविधाओं (पेयजल, शौचालय, पार्किंग, फुटपाथ आदि) को अविलंब सुदृढ़ करने का निर्देश दिया।

मौके पर उपस्थित जिला परिवहन पदाधिकारी श्रीमती वंदना शेजवलकर ने कहा कि जिला मुख्यालय स्थित एकमात्र बस स्टैंड

है, राष्ट्रीय झ अंतरराज्यीय बसों का आवागमन प्रतिदिन होता है, लेकिन यात्री सुविधाएं नदारद हैं। इस पर उपायुक्त ने बैठक में उपस्थित मुख्य महाप्रबंधक नगर सेवाएं श्री कुंदन कुमार को बस स्टैंड का निरीक्षण करते हुए यात्री सुविधाओं/व्यवस्थाओं को सुदृढ़ करने के दिशा में त्वरित कार्रवाई करने को कहा। वहीं, सड़कों की नियमित साफ सफाई, घरों से निकलने वाले कचरों का सही से निस्तारण आदि को लेकर भी जरूरी दिशा निर्देश दिया।

आगे, बैठक में भारत सरकार द्वारा चास नगर निगम क्षेत्र एवं बीएस सिटी का चयन के हाउस होल्ड मैपिंग डिजिटलाइजेशन को लेकर चिन्हित किया गया है। इसके लेकर दोनों (नगर निगम प्रशासन/बीएसएल नगर) प्रबंधनों को सायनोप्लस (सार/विवरण) जिसमें क्षेत्रफल, जनसंख्या, कुल वार्ड/सेक्टर आदि की जानकारी उल्लेखित करते हुए प्रतिवेदन समर्पित करने को कहा। इसके अलावा कई अन्य बिंदुओं पर भी जरूरी दिशा निर्देश दिया।

एनजेसीएस में सुधार पर तीन माह में निर्णय ले इस्पात मंत्रालय : उच्च न्यायालय

बिभा संवाददाता

बोकारो : बीएसएल अनाधिशासी कर्मचारी संघ द्वारा एनजेसीएस में सुधार करने पर लगातार पत्र देने के बावजूद इस्पात मंत्रालय द्वारा कोई सकारात्मक कदम नहीं उठाने पर, बीएसएल अनाधिशासी कर्मचारी संघ द्वारा दिल्ली उच्च न्यायालय में मुकदमा दर्ज कराया गया था। जिस पर माननीय न्यायमूर्ती श्री संजीव नरला ने फैसला दिया कि यूनियन द्वारा किए गए माँग तथा सुझाव पर इस्पात मंत्रालय तीन माह में कदम उठाए।

अगर यूनियन की माँगो पर कोई सकारात्मक कदम नहीं उठाया जाता है तो यूनियन न्यायालय में पुनः आपत्ती दर्ज करा सकती है। एनजेसीएस में पारदर्शिता रखने के लिए एनजेसीएस को सूचना का अधिकार के दायरे में लाया जाय। एनजेसीएस को बैरि निर्वीचत नेताओं के समूहों में कब्जा कर लिया है। जो मैनेजमेंट के इशारे पर लगातार कर्मचारी विरोधी समझौते कर रहे है।सेल प्रबंधन भी लगातार एनजेसीएस संचिधान का उल्लंघन कर फैसलों को लागू करते जा रही है। कार्यपालिका (इस्पात मंत्रालय) की असफलता ने हमें न्यायालय की शरण में जानें हेतु मजबूर किया।



यूनियन द्वारा की गई माँग

एनजेसीएस में सिर्फ सेक्रेट बिलेट इलेक्शन के माध्यम से रिक्तानाईवट ट्रेड यूनियनो के प्रतिनिधि ही भाग ले। एनजेसीएस में ट्रेड यूनियनो के नामिनेटेड प्रतिनिधियों के मनोयन की प्रथा बंद की जाय। एनजेसीएस मीटिंग का वार्षिक कैलेण्डर जारी किया जाय। एनजेसीएस मीटिंग का एजेंडा पहले ही सार्वजनिक किया जाय। एनजेसीएस में सेल की सभी यूनियो से सेक्रेट बिलेट इलेक्शन के माध्यम से निर्वीचत यूनियनो को प्रतिनिधित्व दिया जाय, जिसमें माईस, एसआरयू, सीएमओ, आदि छोटी यूनित भी हो। एनजेसीएस मीटिंग होटलो की जगह सेल की यूनियो के गेस्ट हाउस /अतिथि गृह, निवासो में आयोजित किया जाय।

समग्र विकास के लिए कलात्मक गुणों का विकास आवश्यक : डॉ. गंगवार

बिभा संवाददाता

बोकारो : विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मुहैया कराने के साथ-साथ उनमें कलात्मक व रचनात्मक गुणों के विकास को लेकर दिल्ली पब्लिक स्कूल (डीपीएस) बोकारो में फेन्सी ड्रेस प्रतियोगिता आयोजित की गई। विद्यालय के प्राइमरी विंग में आयोजित तीन-दिवसीय इस प्रतियोगिता का समापन गुरुवार को उत्साहपूर्ण वातावरण में हुआ। प्रतियोगिता में शामिल नन्हे छात्र-छात्राओं की मनोहारी वेशभूषा, उनकी सुंदर रूप-सज्जा, मासूम अदाकारी और तोतली जुबान में उनके संवाद-प्रेषण ने खूब लुभाया। तीन दिनों की अवधि में 400 से अधिक बच्चों ने अलग-अलग समूहों में विभिन्न श्रेणियों के तहत अपनी प्रस्तुतियाँ देकर सबकी भरपूर सरनाह बटोरी। अलग-अलग रूपों में सज-संवरकर अपनी प्रस्तुतियों के जरिए नन्हे विद्यार्थियों ने देश की समृद्ध संस्कृति, पर्यावरण और समस्त प्राणियों की रक्षा का सुंदर संदेश दिया। प्रतियोगिता के पहले दिन प्रथम कक्षा



के कई विद्यार्थी शेर, हाथी, अजगर, उल्लू दरियाई घोड़ा, बाघ, पांडा, मछली सहित भाति-भाति के पशु-पक्षी, जलीय जीव व पेड़-पौधे का रूप धर आए और लुप्तप्राय प्राणियों की अस्तित्व-रक्षा तथा प्रकृति बचाने का संदेश दिया। कई बच्चे नेताजी सुभाषचंद्र बोस, झांसी की रानी, स्वामी विवेकानंद, राष्ट्रपिता महात्मा गांधी, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, मद्र टेरेंसा, आईस्टीन एवं विव्श को अन्य प्रसिद्ध हस्तियों के वेश में आए। इसके अलावा, जूट, पेपर क्राफ्ट, अखबार, बोरा आदि वस्तुओं से बने परिधानों में बच्चों की अप्रतिम साज-सज्जा, उनकी और उनके अभिभावकों की मेहनत बयां कर रही थी। इसके जरिए उन्होंने अनुपयोगी वस्तुओं को

उपयोग के लायक बनाने की कला समझाई। दूसरे दिन कक्षा प्रेप के कुछ प्रतिभागी झारखंडी, राजस्थानी, आदिम जनजाति, पंजाबी आदि वेशभूषा में सजकर आए, जिन्होंने भारत की सांस्कृतिक विविधता का जीवंत प्रतिभा विकसित होती है, बल्कि वे अपने आसपास के वातावरण, समाज आदि से अलग भी हो पाते हैं। उन्होंने कहा कि हरेक बच्चे में कुछ न कुछ प्रतिभा छिपी होती है, जिसे उभारकर निखारने की जरूरत है। ऐसे आयोजन बच्चों के समग्र विकास में सहायक हैं और डीपीएस बोकारो इस दिशा में सतत प्रयासरत है। उन्होंने भी कहा कि प्रतियोगिता में हार-जीत मायने नहीं रखती, प्रतिभागिता महत्वपूर्ण है।

अवैध बालू की ढुलाई, ग्रामीण पथ हो रही जर्जर, लोग परेशान

बिभा संवाददाता

बोकारो : चंदनकियारी प्रखंड के पंचायत बाटबिनोर तथा नयावन के अंतर्गत दामोदर नदी दलगतधिया घाट व शमशान घाट पर अवैध रूप से बालू की ढुलाई हो रही है जिससे ग्रामीण पथ जर्जर हो रही है। लोगों को आवागमन में काफी कठिनाई हो रही है। लोगों में आक्रोश है। इस संबंध में झारखण्ड शौण मुक्ति उलगुलान मंच केन्द्रीय अध्यक्ष सह भाजपा के वरिष्ठ राजेश कुमार महतो ने बनगछिया ओपी को आवेदन देकर अवैध बालू ढुलाई पर रोक लगाने की मांग किया है। श्री महतो ने इस संबंध में प्रखण्ड

व जिला के संबंधित अधिकारी को भी आवेदन दिया है। उन्होंने बताया कि प्रतिदिन दर्जन ट्रेक्टरों के द्वारा अवैध बालू की ढुलाई होती है जिसके कारण ग्रामीण पर अति जर्जर हो गया है लोगों को आवागमन में काफी कठिनाई हो रही है ट्रेक्टर गांव में घुसकर बालू घाट जाता है जिससे दुर्घटना का भी संभावना बनी रहती है। अध्यक्ष श्री महतो व ग्रामीणों ने जिला उपायुक्त से भी अवैध जुलाई पर रोक लगाने की मांग किया है। यदि अवैध बालू ढुलाई पर रोक नहीं लगती है तो मंच आंदोलन करने के लिए बाध्य होगी।

अच्छे स्वास्थ्य के लिए स्वस्थ दांत आवश्यक : डॉ संजीव

बिभा संवाददाता

बोकारो : रोटी क्लब चास द्वारा गुरु गोविंद सिंह पब्लिक स्कूल कक्षा के बच्चों के लिए मुफ्त दंत जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में लगभग 1200 बच्चों के दांतों की जांच की गई। इसमें 70% बच्चों के दांतों में सड़न सहित अन्य दोषों से ग्रस्त पाए गए। रोटी क्लब चास के अध्यक्ष बिनोद चौपड़ा ने कहा की सामाजिक एवं आर्थिक विकास के लिए बच्चों का स्वस्थ रहना आवश्यक है। कार्यक्रम के संयोजक डॉ संजीव कुमार चंदन ने बच्चों को दांतों की नियमित सफाई एवं देखभाल के लिए प्रेरित किया। डॉ



संजीव ने दांत सुरक्षा के उपायों की जानकारी बच्चों को देते हुए कहा की चेहरे की खूबसूरती और अच्छी सेहत का संबंध सुंदर एवं स्वस्थ दांतों से है। डॉ प्रशांत कुमार ने कहा की शरीर के अन्य अंगों के साथ दांत की हिफाजत किया जाना अति आवश्यक है। गुरु गोविंद सिंह विद्यालय के

प्रधानाध्यापक संजीव कुमार ने रोटी क्लब चास की प्रशंसा करते हुए कहा की ऐसे जागरूकता कार्यक्रम के निरंतरता की जरूरत है। दंत जांच शिविर को लेकर बच्चों में काफी उत्साह दिखाई दिया। संस्थान के अध्यक्ष तरसेम सिंह ने भी शिविर का जायजा लिया। शिक्षिका उषा कुमार ने कार्यक्रम का संचालन किया।

वेदांता इएसएल स्टील लिमिटेड ने 33 युवाओं को सम्मानित किया

बिभा संवाददाता

बोकारो : वेदांता ई एस एल स्टील लिमिटेड ने सामाजिक और सामुदायिक विकास के लिए अपनी अटूट प्रतिबद्धता को जारी रखते हुए, विशेष रूप से अपने आस-पास के क्षेत्रों में, बोकारो जिले के चास और चंदनकियारी ब्लॉक के ग्रामीण युवाओं को सराहना और पुरस्कृत करने के लिए भव्य सम्मान समारोह का आयोजन किया। उत्कृष्टता के इस उत्सव में शिक्षा, कौशल और खेल पर केंद्रित अपने विभिन्न सीएसआर अंतर्गत कार्यक्रमों के तहत 33 उत्कृष्ट प्रतिभाओं को सम्मानित करना शामिल था। सियालजोरी में प्लांट परिसर के अंदर स्थित वेदांता ई एस एल तीरंदाजी अकादमी में भव्य सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें लगभग 200 लोग शामिल हुए, जिनमें सुसेन राजवार (जिला परिषद प्रतिनिधि), रोहित रजक (मुखिया, अलकुशा) और वेदांता ई एस एल के वरिष्ठ प्रबंधन के सदस्य शामिल थे। इनमें रवीश शर्मा (मुख्य परिचालन अधिकारी, ई एस एल स्टील लिमिटेड), अमल घोष



(निदेशक, इंफ्रस्ट्रक्चर मैनेजमेंट) और डॉ. सरोज कुमार सिंह (निदेशक, स्टील) शामिल थे। गणमान्य व्यक्तियों के अलावा, दर्शक दीर्घा में छात्र, उनके माता-पिता, उनके शिक्षक और कोच, ई एस एल कार्यक्रमों, इन गांवों के आम नागरिक और 24 से अधिक पीआरआई सदस्य शामिल थे। दर्शकों ने अपने बच्चों के उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए तालियाँ बजा कर उनका उत्साह वर्धन किया।

दूसरों को भी उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए प्रेरणा मिली

बोकारो के इन ग्रामीण युवाओं को, सम्मानित करने वाला भव्य सम्मान समारोह व्यक्तियों को प्रेरित करने, प्रभावशाली कहानियों को प्रदर्शित करने और वेदांता ई एस एल की प्रतिबद्धता को सुदृढ़ करने के लिए एक

अलावा, आस विद्यालय के छात्रों को भी सम्मानित किया गया। जिसमें कक्षा दसवी की परीक्षा में शीर्ष तीन प्रदर्शन करने वाले छात्र शामिल हैं, जिन्हें आस विद्यालय में नामांकन से लाभ मिला है और वे छात्र जो बिजुलिया, चंदनकियारी और योगीडीह में स्थित तीन एएसए विद्यालय कैम्प में नियमित अंतरिक मूल्यांकन प्रतियोगिताओं में अच्छे अंकों से उतीर्ण हुए हैं।

कौशल हस्तक्षेप कार्यक्रम में प्रतिभागियों को तैयार किया गया

वेदांता ई एस एल स्किल विद्यालय के तहत हाल ही में सॉफ्ट सॉलर पीवी इस्टारल कोर्स में उनके शानदार प्रदर्शन के लिए दो उत्कृष्ट प्रतिभागियों की भी सराहना की गई, जो सौर और पश्चिम उद्योग के लिए उद्योग-तैयार युवाओं का निर्माण कर रहा है। इस कौशल केंद्र ने अपने 80अतिरिक्त से अधिक पूर्व छात्रों को उद्योग जगत के अग्रणी संगठनों में सर्वश्रेष्ठ स्थान दिलाया है।

सामुदायिक विकास के प्रति प्रबंधन का दृष्टिकोण की

वेदांता ई एस एल स्टील लिमिटेड के मुख्य परिचालन अधिकारी रवीश शर्मा ने इस अवसर पर कहा, रवेदांता ई एस एल स्टील लिमिटेड में हमने हमेशा अपने आस-पास के लोगों को, चाहे वे हमारा कर्मचारी ही, हमारे व्यापारिक साझेदार हो या हमारे आस-पास मौजूद समुदाय हों, स्वस्थ विविध प्रतियोगिताओं और प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए, प्रेरित किया है। वास्तविक जीवन में यह टीम वर्क ही है जो उत्कृष्ट सफलता का निर्माण करेगा और सभी प्रकार की प्रतिभाओं को तैयार किया जाना चाहिए और उन्हें पनपने का अवसर दिया जाना चाहिए। वेदांता ई एस एल का ध्येय ये है और

इस दिशा में कार्य कर रही है कि हम एक साथ मिलकर अपने समुदाय पर एक सार्थक प्रभाव डाल रहे हैं, हम अपने समर्थन, उत्साहवर्धन, प्रेरणा और अपने कर्मचारियों, अपने साझेदारों और हमारे आस-पास के समुदाय के जीवन में उत्कृष्टता प्राप्त करने की उनकी उल्लेखनीय प्रशंसा के रूप में कार्य करने के लिए सही वातावरण बनाने के लिए जाने जाना चाहते हैं।

वेदांता ई एस एल स्टील लिमिटेड के बारे में

झारखंड के बोकारो जिले के सियालजोरी गांव में स्थित, वेदांता ई एस एल स्टील लिमिटेड स्टील उत्पादों का एक प्रमुख निमाता है। कंपनी 2.5 मिलियन टन प्रति वर्ष की क्षमता वाला एक ग्रीनफील्ड एकीकृत स्टील प्लांट संचालित करती है, जिसमें पिग आयरन, बिलेट्स, टीएमटी बार, वायर रॉड और डबटाइल आयरन पाइप सहित कई तरह के उत्पाद बनाए जाते हैं। यह प्लांट कई पर्यावरण मानकों का पालन करता है और विश्व स्तरीय उत्पाद और सेवाएं देने के लिए अंतर्राष्ट्रीय विशेषज्ञता और समाधानों का लाभ उठाता है।

संक्षिप्त खबरें

नेशनल हॉकर फेडरेशन ने विधायक सरयू राय को मानगो में वेडिंग मार्केट के लिया सौपा ज्ञापन



जमशेदपुर(बिभा)। नेशनल हॉकर फेडरेशन के तत्वाधान में मानगो के पथ विक्रेताओं ने पश्चिमी विधानसभा के विधायक सरयू राय को वेडिंग मार्केट एवं वेडिंग जेन के लिए ज्ञापन सौपा। नेशनल हॉकर फेडरेशन के सचिव उत्तम चक्रवर्ती ने कहा कि फेडरेशन के प्रतिनिधि मंडल, टाऊन वेडिंग कमिटी सदस्य एवं फुटपाथ दुकानदारों ने विधायक श्री राय से मुलाकात कर जीत की बधाई दी तथा उजाड़े गए दुकानदारों को व्यवस्थित करने का आग्रह किया। फेडरेशन के सचिव उत्तम चक्रवर्ती ने बताया मानगो के पथ विक्रेताओं को उजाड़े हुए लगभग दो साल होने को है पर ना तो एक भी वेडिंग जेन चिन्हित किया गया और ना ही कोई वेडिंग मार्केट बन पाया। लगातार पथ विक्रेताओं को हटाने की कोशिश जारी है। जबकि पथ विक्रेता आजीविका संरक्षण एवं विनियमन 2014 कानून के तहत सरकार द्वारा पथ विक्रेता प्रमाण पत्र प्राप्त सभी फुटपाथ दुकानदारों की जीविका को सुरक्षित करने एवं सम्मान के साथ अपनी जीविका चलाने के लिए वेडिंग जेन एवं वेडिंग मार्केट का अधिकार है। वहीं मौके पर सरयू राय ने कहा कि पथ विक्रेताओं के प्रतिनिधि मंडल एवं मानगो नगर निगम के साथ बैठक कर सकारात्मक पहल की जाएगी। इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से नेशनल हॉकर फेडरेशन के सचिव उत्तम चक्रवर्ती, सुनीता पोयडा, नागेन्द्र कुमार, सत्येंद्र कुमार, कृष्णा साहू, बिरेन पोद्दार, जितेन्द्र कुमार, कृष्णा प्रमाणिक, जितेन्द्र गुप्ता, बरिंद्र प्रसाद, मिथिलेश कुमार, दिलीप साव, कृष्णा गौराई, पूर्णचंद्र गौड़, जगन्नाथ गौराई, अर्जुन, दिलीप गौराई आदि लोग उपस्थित रहे।

आगामी राष्ट्रीय लोक अदालत की तैयारियों के लिए न्यायिक अधिकारियों की बैठक आयोजित



जमशेदपुर(बिभा)। आगामी राष्ट्रीय लोक अदालत, जो 14 दिसम्बर 2024 को आयोजित की जाएगी, के महेनजर व्यवहार न्यायालय कैम्पस में एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक की अध्यक्षता मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, जमशेदपुर द्वारा की गई। बैठक में सभी न्यायिक अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि वे आगामी राष्ट्रीय लोक अदालत के लिए अधिकतम संकलनीय मामलों की पहचान करें, ताकि इनका समाधान जल्द से जल्द किया जा सके। अधिकारियों से कहा गया कि वे ऐसे मामलों की पहचान करें जिनमें समझौते के माध्यम से निपटारा किया जा सकता है और इनका निवारण लोक अदालत के मंच पर किया जा सके। राष्ट्रीय लोक अदालत का उद्देश्य विवादों का समाधान त्वरित और सुलभ तरीके से करना है, ताकि आम लोगों को न्याय प्राप्त करने में किसी प्रकार की कठिनाई का सामना न करना पड़े। मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट ने सभी न्यायिक अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे इस पहल में सक्रिय रूप से भाग लें और राष्ट्रीय लोक अदालत की सफलता में अपना योगदान सुनिश्चित करें। यह लोक अदालत जनता के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर है, जिसमें न्यायिक प्रक्रिया को सरल और प्रभावी बनाने की कोशिश की जा रही है।

बीपीएससी में सफल होने पर रिया वर्मा को उपायुक्त ने दी बधाई

पलामू(बिभा)। मेदिनीनगर निवासी रिया वर्मा को 69वीं बीपीएससी में 22 वां स्थान प्राप्त होने पर जिले के उपायुक्त शशि रंजन ने गुरुवार को अपने कार्यालय कक्ष में शुभकामनाएं प्रेषित किया। उन्होंने रिया वर्मा को भविष्य में लोकसेवक के रूप में सरकार की योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने की बात कही। इस अवसर पर मेदिनीनगर नगर आयुक्त जावेद हुसैन ने रिया वर्मा को पुस्तक प्रदान किया। मौके पर उपायुक्त आयुक्त शशीर अहमद व जिला जनसंपर्क पदाधिकारी डॉ. असीम कुमार भी मौजूद रहे।

गौर मजसूवा जमीन पर अवैध कब्जा को लेकर ग्रामीण गोलबंद



खूँटी(बिभा)। जिले के कर्रा प्रखण्ड अंतर्गत रोलागुट्टा ग्राम सभा के लोग अवैध तरीके से गैर मजसूवा जमीन पर कब्जा करने के विरोध में वृहत्समितवार को गोलबंद होकर अंचल कार्यालय कर्रा पहुंचे और अवैध कब्जा को लेकर ज्ञापन सौपा। वहीं ग्रामीणों ने अंचल अधिकारी वंदना भारती एवं अंचल सीआई सुकेश रंजन से मुलाकात करके रोलागुट्टा मौजा के गैर मजसूवा जमीन पर अवैध कब्जा के मामले से अवगत कराया। ग्रामीणों ने बताया कि कर्रा अंचल के रोलागुट्टा मौजा अंतर्गत खाता नम्बर 56 प्लॉट नंबर 1523 का कुल रकबा 6.11 एकड़ भूमि पर अवैध तरीके से गड़के गांव निवासी शंकर साहू जेसीबी मोशीन चलाकर कब्जा कर रहा है जिसे लेकर ग्राम सभा रोलागुट्टा द्वारा पूर्व में बैठक करके उक्त जमीन झंडागड़ी करके रोक लगाया गया था लेकिन उसे शंकर साहू अपने सहयोगी साथियों के साथ मिलकर उखाड़ कर फेंक दिया और जेसीबी से जमीन का समतलीकरण करके कब्जा करने का कार्य कर रहे हैं। जिसे लेकर ग्रामीणों काफी आक्रोश है। इस मौके पर मेहा पंचायत मुखिया अजय खलखो, ग्राम प्रधान जयराज मुंडा, फ्रेकलीन धान, बैजनाथ सिंह, जदू मुंडा, विजय सिंह, मच्छिंद्र सिंह, भदवा महतो, सूरज गोप, श्रवण लोहार, विरेन्द्र सिंह, विजय सिंह के अलावे अन्य दर्जनों लोग मौजूद रहे।

योजनाओं को धरातल पर लागू करने में टीम वर्क आवश्यक : शशि रंजन

बिभा संवाददाता

पलामू : उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी शशि रंजन ने गुरुवार को जिला समन्वय समिति की बैठक की। समाहरणालय के सभागार में आयोजित इस बैठक में डीसी श्री रंजन ने जिला समन्वय समिति की अध्यक्षता करते हुए केंद्र व राज्य सरकार की ओर से संचालित योजनाओं की समीक्षा की। बैठक में डीसी श्री रंजन विभागवार पदाधिकारियों से विभागों के अंदर से संचालित योजनाओं की अद्यतन स्थिति से अवगत हुए साथ ही पदाधिकारियों को आपसी समन्वय स्थापित करते हुए अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ



पहुंचाने के निर्देश दिये। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि सिस्टम में एक दूसरे के साथ बेहतर समन्वय के साथ ही कार्यों को संपादित करना चाहिये ताकि तेज गति में कोई भी कार्य संपन्न हो जाये। उन्होंने योजनाओं को धरातल पर उतरने के

लिए टीम वर्क को आवश्यक बताया। बैठक में डीसी ने सभी बीडीओ को पीएम आवास, अंबेडकर आवास व अबुआ आवास निर्माण के प्रगति को जानकारी ली। इस पर उन्होंने सभी बीडीओ को बचे हुए आवासों

लघु वनोपज केन्द्र पती का बेहतर तरीके से कराएं संग्रहण: आयुक्त

बिभा संवाददाता

पलामू : प्रमंडलीय आयुक्त-सह-केन्द्र पती सलाहकार समिति के अध्यक्ष बाल किशुन मुंडा की अध्यक्षता में आज आयुक्त कार्यालय में वन विभाग के पदाधिकारियों एवं केन्द्र पती संग्रहणकर्ता सदस्यों के साथ बैठक हुई। इसमें

पलामू प्रमंडल क्षेत्र अंतर्गत वर्ष 2025 मौसम के लिए प्राथमिक संग्रहणकर्ताओं से केन्द्र पती के क्रय दर प्रति मानक बोरा के निर्धारण हेतु सरकार को परामर्श देने के लिए संग्रहणकर्ता सदस्यों के साथ विचार-विमर्श हुआ। बैठक में सरकार द्वारा वर्ष 2024 में निर्धारित संग्रहण मूल्य 1750 रुपए के आलोचकों में वर्ष 2025 के लिए दर निर्धारण हेतु सभी सदस्यों से

सुझाव/ प्रस्ताव मांगे गये। सदस्यों द्वारा दिये गये भिन्न-भिन्न दर के प्रस्ताव पर विचारोपरत सरकारी एवं रैती भूमि पर उगने वाले केन्द्र पती का 1900 रुपए प्रति मानक बोरा संग्रहण मूल्य के निर्धारण का परामर्श सरकार को देने का निर्णय लिया गया।

आयुक्त ने लघु वन उपज केन्द्र पती के संग्रहण कार्य को बेहतर तरीके से करने एवं पती तोड़ने वाले मजदूरों की सुविधा का हर संभव ध्यान रखने की बातें कहीं। हजारीबाग की मुख्य वन संरक्षक-सह-लघु वन पदार्थ परियोजना अंचल हजारीबाग के संयोजक-सह-सचिव, महाप्रबंधक ममता प्रियदर्शी ने बैठक में विषय प्रवेश कराया। साथ ही बैठक की संचालन करते हुए वर्ष 2024 के लिए

निर्धारित दर से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि सरकार द्वारा सरकारी भूमि एवं रैती भूमि से प्राप्त होने वाले केन्द्र पती का संग्रहण दर 1750 रुपए प्रति मानक बोरा निर्धारित किया गया था। इसके उपरांत केन्द्र पती संग्रहण समिति के प्रतिनिधि एवं केन्द्र पती के प्रतिनिधियों से सरकार द्वारा निर्धारित संग्रहण मूल्य 1750 रुपए में वृद्धि करने का सुझाव मांगा गया। प्रतिनिधियों/सदस्यों ने अपने-अपने विचार देते हुए भिन्न-भिन्न दर संबंधी प्रस्ताव दिये, जिसपर अंतिम रूप से सर्वसम्मति से वर्ष 2025 संग्रहण मौसम के लिए सरकारी एवं रैती भूमि पर उगने वाले केन्द्र पती के लिए 1900 रुपए प्रति मानक बोरा क्रय दर के निर्धारण का परामर्श सरकार को देने का निर्णय लिया गया।

राष्ट्रीय ताइक्वांडो प्रतियोगिता में भाग लेकर लौटे खिलाड़ियों को किया गया सम्मानित

बिभा संवाददाता

लोहरदगा। कुडू के चंदलासो स्थित डिवाइन पब्लिक स्कूल में सम्मान समारोह का आयोजन कर राष्ट्रीय ताइक्वांडो प्रतियोगिता में शामिल होकर लौटे खिलाड़ियों को सम्मानित किया गया। आपको बता दें कि 38 वां सब जूनियर तीन दिवसीय राष्ट्रीय ताइक्वांडो प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था। जो कि बीते 29 नवंबर से 1 दिसंबर तक, ताऊ देवी लाल स्टेडियम पंचकुला चंडीगढ़ हरियाणा में आयोजित किया गया था। प्रतियोगिता में झारखंड राज्य से कुल 4 खिलाड़ियों ने भाग लिया, जिसमें से 3 खिलाड़ी डिवाइन पब्लिक स्कूल से सम्मिलित हुए। खिलाड़ियों ने 38



वां सब जूनियर राष्ट्रीय ताइक्वांडो चैंपियनशिप प्रतियोगिता में झारखंड के लिए प्रतिनिधित्व किया। 38 वां सब जूनियर राष्ट्रीय ताइक्वांडो चैंपियनशिप प्रतियोगिता में शामिल होकर लौटे खिलाड़ी आयुष्मान कुमार, साक्षी कुमारी और आर्यमान प्रताप सिंह को डिवाइन पब्लिक स्कूल परिवार की ओर से सम्मान समारोह का आयोजन कर सम्मानित किया गया। साथ ही ताइक्वांडो प्रशिक्षक अरविंद कुमार यादव को भी डिवाइन

पब्लिक स्कूल परिवार की ओर से शुभकामनाएं एवं बधाई दिया गया। इधर डिवाइन पब्लिक स्कूल के डायरेक्टर ज्ञान गंगा सिंह ने कहा कि हमारे स्कूल का छत्र राष्ट्रीय स्तर के प्रतियोगिता में झारखंड के लिए प्रतिनिधित्व किया है यह हमारे लिए गौरव की बात है। सम्मान समारोह में विद्यालय की सभी शिक्षक शिक्षिकाएं उपस्थित होकर सभी खिलाड़ियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दिए।

सुरेंद्रनाथ सेंटेनरी स्कूल में डालसा का कार्यक्रम मादक पेय व नशीली दवाओं के सेवन से होती है शारीरिक व मानसिक हानि : राजेश कुमार सिन्हा

बिभा संवाददाता

रांची : झालसा के निर्देश पर माननीय न्यायायुक्त-सह-अध्यक्ष के मार्गदर्शन में गुरुवार को सुरेंद्रनाथ सेंटेनरी स्कूल में नशा मुक्ति पर एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर एलएडीसीएस अधिवक्ता, राजेश कुमार सिन्हा, लाईफ सेवर्स एनजीओ प्रमुख, अतुल गेरा, एन.सी.बी - राकेश कुमार गोस्वामी, सी.आई.डी., नवीन राय, शैलेन्द्र सिंह, एलरोमेन टेटे, एस. आई. रिजवान अंसारी तथा शैल अम्बरसा, एफिसिस्ट डायरेक्टर, ड्रग्स डिपार्टमेंट एवं सुरेंद्रनाथ सेंटेनरी स्कूल के प्रधानाध्यापिका, शिक्षक - शिक्षिकाएं एवं राजा वर्मा समेत अन्य लोग उपस्थित थे। एलएडीसीएस अधिवक्ता राजेश कुमार सिन्हा ने भारतीय संविधान का अनुच्छेद 47 राज्य को निर्देशित करता है कि वह स्वास्थ्य के लिए हानिकारक मादक पेय और नशीली दवाओं के सेवन को औषधीय उद्देश्यों को छोड़कर, समाप्त करने का प्रयास

करेगा। अफीम या पोस्ता के उत्पादन या कच्चे पर एनडीपीएस अधिनियम 1985 के तहत मात्रा के आधार पर 20 साल तक के कठोर कारावास की सजा हो सकती है। बार-बार अपराध करने पर मृत्युदंड तक दिया जा सकता है। कैंक के पुनर्वास केंद्रों के साथ-साथ एनजीओ भी नशा करने वालों को ठीक करने में मदद करते हैं। उन्होंने आगे कहा कि सीआईडी और रिनापास में जिला विधिक सेवा प्राधिकार का लिगल एड क्लिनिक है, वहां पर वैसे नशा करनेवाले व्यक्तियों को इलाज किया जाता है। इसमें जिला विधिक सेवा प्राधिकार, रांची सहायता प्रदान करती है। नशा से संबंधित पदार्थों के बारे में सिन्हा ने विस्तार से बताया। उन्होंने सजा के प्रावधान के बारे में भी बताया और उन पदार्थों के बारे में बतलाया जिसका तस्करी करने से रखने से एक जगह से दूसरे जगह ले जाने पर एक किसी व्यक्ति के पास पाये जाने पर वह एनडीपीएस कानून के तहत सजा के भागी होंगे। लाईफ सेवर्स एनजीओ के अतुल गेरा के द्वारा भी नशा उन्मूलन पर प्रकाश

डाला गया, उन्होंने कहा कि जिनको ड्रग्स या दूसरा नशा का लत लग जाता है उसका शरीर धीरे-धीरे खोखला हो जाता है। बच्चे भारत देश का भविष्य है, इसलिए हर हाल में ड्रग्स से दूर रहना है और दूसरों को भी नशामुक्त करना है। एनसीबी के राकेश कुमार गोस्वामी ने बताया कि कैसे साधारण खॉसी की सिरप जैसी चीजों का नशे के लिए उपयोग किया जाता है। झारखंड राज्य न केवल नशीली दवाओं का उपभोग करता है, बल्कि भारी कार्बाईड के बावजूद इनका उत्पादन भी करता है। नशा करने से व्यक्ति और परिवार, शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। कुछ लोगों के लिए नशे की यात्रा 16 वर्षों या इससे कम उम्र से ही शुरू हो जाती है। पुनर्वास केंद्रों की अधिक जनसंख्या उनके लिए एक बड़ी समस्या बन गई है। यदि रांची में नशे की समस्या पर निंत्रण पाया जाए तो अपराध दर में लगभग 70 प्रतिशत की कमी आ सकती है। रांची में नशीली दवाओं से संबंधित किसी भी सदिय गतिविधि

रांची-टाटा हाईवे में खड़ी ट्रक को ट्रेलर ने पीछे से मारी टक्कर, चालक खलासी की मौत

बिभा संवाददाता

खूँटी । रांची-टाटा राजमार्ग पर तमाड़ थाना क्षेत्र के टिकर मोड़ में एक दर्दनाक दुर्घटना हुई। एक ट्रेलर ने ट्रक को पीछे से टक्कर मारी, जिसमें ट्रेलर के चालक और खलासी की घटनास्थल पर ही दर्दनाक मौत हो गई। चालक और खलासी राजस्थान के निवासी बताए जा रहे दुर्घटना के कारण रांची-टाटा फोरलेन को वन-वे कर आवागमन सुचारु रूप से जारी रहा। आसपास के लोगों ने बताया कि टिकर मोड़ में हाईवे में बीच सड़क पर एक ट्रक खड़ी थी। इसी बिच टाटा से रांची की ओर जा रही ट्रेलर ने बिच सड़क पर खड़ी ट्रक को पीछे से टक्कर मार दिया।



टक्कर इतनी जोरदार थी कि ट्रेलर के आगे का हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। टक्कर से ट्रेलर के चालक और खलासी की घटनास्थल पर ही दर्दनाक मौत हो गयी। टक्कर काफी तेज गति से होने के कारण चालक और

खलासी का शव ट्रेलर में ही फंस गया। काफी मशक्कत के बाद क्रैन के मदद से ट्रेलर को हटाकर दोनों शव को निकाला गया। तमाड़ पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिये रिम्स भेजा।

सुदिव्य कुमार सोनू को मंत्री बनाये जाने पर लौहवंशी समाज मे हर्ष

लोहरदगा(बिभा) : झारखंड सरकार में गिरिडीह से झुमो के विधायक सुदिव्य कुमार सोनू को मंत्री बनाये जाने पर लौहवंशी समाज में हर्ष का माहौल है। समाज के जिताध्यक्ष दीपक कर्माकर ने कहा है कि झारखण्ड की हेमन्त सरकार ने हमारे समाज का मान बढ़ाया है। सुदिव्य कुमार सोनू झारखण्ड के विकास में अपना महत्वपूर्ण योगदान देंगे। मंत्री बनाये जाने पर समाज के अमरेश विश्वकर्मा, वरुण विश्वकर्मा, जगदीश विश्वकर्मा, उषा विश्वकर्मा, सृष्टि, हृदि, रुचिर मृदर आदि ने बधाई दी है।

अनुबंध कर्मी ने घेरा सिविल सर्जन कार्यालय

बिभा संवाददाता

बोकारो : बोकारो में राइडर सिक्वैरिटी के अंदर काम करने वाले अनुबंध कर्मियों ने आज सिविल सर्जन के कार्यालय का घेराव करते हुए मुख्य गेट को जाम कर दिया अनुबंध कर्मियों ने अपनी मांग को लेकर सिविल सर्जन से बात करने को लेकर बर्खास्त इकट्ठा हुए थे लेकिन सिविल सर्जन ने किसी काम को लेकर चलते बने। आपको बताते चलें कि अनुबंध कर्मी को दो माह से वेतन नहीं दिया जा रहा है और जब भी वेतन मिलता है तो उसका समय निर्धारण नहीं रहता है पिछले महीने का वेतन अगले महीने के 28 तारीख तक दिया जाता है जिससे अनुबंध



कर्मियों को काफी दिक्कत का सामना करना पड़ता है साथ ही इन्हें ना तो पीएफ और ना ईएसआई दिया जाता है ऐसे में इन अनुबंध कर्मियों के भविष्य के साथ खिलवाड़ भी किया जाता है जिससे आज सभी अनुबंध कर्मियों ने आक्रोशित हो सिविल सर्जन कार्यालय के समक्ष अपनी मांग को लेकर मुख्य गेट में जाम कर दिया। अनुबंध कर्मियों का कहना है कि जब भी अपनी हक की बात करते हैं तो हमें धमकी दी जाती है कि नौकरी से निकाल देंगे।

50 हजार रुपए पूरा लेते सामेकैतिक जनजाति विकास अभिकरण का बड़ा बाबू गिरपतार



लोहरदगा(बिभा) : 50 हजार रुपए पूरा लेते सामेकैतिक जनजाति विकास अभिकरण के बड़ा बाबू को एसीबी की टीम ने रंगे हाथों गिरपतार कर लिया है। गुरुवार को कारवाई करते हुए 50 हजार रुपये के साथ एसीबी की टीम ने बड़ा बाबू को गिरपतार किया है। जानकारी अनुसार? सामेकैतिक जनजाति विकास अभिकरण (कल्याण विभाग) द्वारा किसी प्रखण्ड के चरहु गांव में 24 लाख से करीबतान की घेराबंदी का कार्य कराया जा रहा था, विभाग के बड़ा बाबू राजेन्द्र उराव पर दबाव बनाते हुए 08 प्रतिशत रिश्वत की मांग की गई थी, इसकी जानकारी निर्माणकारी एजेंसी द्वारा एटी करपशन ब्यूरो को दी गई। इसी सूचना पर कारवाई करते हुए टीम द्वारा 50,000 रुपये पूरा लेते हुए बड़ा बाबू को रंगे हाथ गिरपतार कर अपने साथ ले गई है।

लोहरदगा मजपा की समीक्षा बैठक आयोजित विधानसभा चुनाव में हार से कार्यकर्ता निराश है हताश नही: सुनीता सिंह



बिभा संवाददाता

लोहरदगा: भारतीय जनता पार्टी जिला कार्यालय में जिला अध्यक्ष मनीर उराँव की अध्यक्षता में गुरुवार को विधानसभा चुनाव में एनडीए प्रत्याशी को मिली हार को लेकर समीक्षा बैठक की गई। बैठक में मुख्य रूप से उपस्थित प्रदेश मंत्री सह जिला प्रभारी सुनीता सिंह ने कहा कि इस विधानसभा चुनाव में हमें उम्मीद के अनुरूप रिजल्ट नहीं मिले। जनता ने हमें जो अपना मत दिया है हम उनका शुक्रिया अदा करते हैं। भाजपा एवम अन्य सहयोगी कार्यकर्ता चुनाव में कड़ी मेहनत किये, परन्तु हमें हार मिली। इससे कार्यकर्ता निराश जरूर है पर

हताश नहीं। उन्होंने कहा कि हम अगले पांच साल दुगुनी उत्साह के साथ छेत्र में लोगों की समस्याओं को समाधान करने की दिशा में कार्य करते रहेंगे और जनता का दिल जीवेंगे। जिला अध्यक्ष मनीर उराँव ने कहा कि जीत हार सिक्के के दो पहलू हैं। इससे घबड़ाने के बजाय हम अपनी कमियों को दूर कर दुगुनी शक्ति से संगठन को मजबूत करने एवम लोगों के बीच सेवा कार्य करने की प्रेरणा से कार्य करते रहेंगे। उन्होंने कहा कि भाजपा जो कहती है वह करती है। हम जनता से किये वादों को लेकर पुनः उनके बीच जाएंगे। ओम सिंह ने कहा कि हम विधान सभा के एक-एक बूढ़ को समीक्षा कर रहे हैं। कार्यकर्ताओं में उत्साह की कमी नहीं है। चुनाव में हार जीत लगी रहती है। आगामी विधानसभा चुनाव में जीत के लिए हम सभी कार्यकर्ता अभी से तैयारी में जुटे रहेंगे।

संपादकीय

जीवेम शरदः शतम !

आमतौर पर बुढ़ापा को अशक्तता, रोग, व्याधि और दुर्बलता आदि के कारण जीवन का सबसे भयावह दौर माना जाता है। परिवार की संरचना में बदलाव और भागदौड़ भरी जिंदगी में बुढ़ापा की मुश्किलें और बढ़ जाती हैं। परंतु जीवन शैली में सुधार, दृष्टिकोण में सकारात्मकता, सावधानी बरतने और सहयोग लेने से इस दुखदायी अवधि को बहुत हद तक एक भाग्यशाली उम्र के रूप में बदला जा सकता है। जीवन के नियम आपके अपने हाथ में हैं इसलिए अच्छी तरह जिएँ और सब कुछ शांति से स्वीकार करें। यह भी उल्लेखनीय है कि स्वास्थ्य सुविधाओं और खानपान में जरूरी पोषक तत्वों पर ध्यान देने के साथ जीवन की प्रत्याशा (लाइफ एक्सपेक्टेसी) निश्चित रूप से बढ़ी है। बुढ़ापा के उर और उसे दूर रखने के उपाय की ओर अब लोग बहुत ध्यान देने लगे हैं। कुछ दिनों पहले जापान के एक मनोचिकित्सक हिडेकी वाडा ने २८०-ईयर-ओल्ड वॉलर नामक की एक रोचक पुस्तक प्रकाशित की जो बड़ी लोकप्रिय हुई है और पाठकों के बीच तहलका मचा दिया है। अपने तीन दशकों से कुछ ज्यादा लंबे चिकित्सकीय जीवन में उन्होंने कई हजार रोगियों का सफल उपचार किया। यह पुस्तक अच्छे स्वास्थ्य के साथ शतायु होने के गुर बताती है। गौरतलब है कि जापान में 'औसत स्वस्थ जीवन प्रत्याशा' पुरुषों के लिए 72.68 वर्ष और महिलाओं के लिए 75.38 वर्ष आंकी गई है। २औसत जीवन प्रत्याशा की बात करें तो यह जापानी पुरुष के लिए 81.64 वर्ष और महिलाओं के लिए 87.74 वर्ष है। यदि २औसत जीवन प्रत्याशा में से २औसत स्वस्थ जीवन प्रत्याशा का मूल्या घटा दें तो पुरुषों के पास लगभग 9 वर्ष और महिलाओं के पास लगभग 12 वर्ष का समय बचता है। यही वह खास अवधि है जब एक बुजुर्ग को दूसरों द्वारा देखभाल की ज़रूरत ज़रूरत होती है। इस अवधि को कैसे कम किया जाए, इस प्रश्न का हल ढूँढ़ते हुए डॉ. वाडा ने कुछ मार्गदर्शक नियम और अभ्यास खोजे हैं। उनके सुझाव ऐसे हैं जिनसे बुढ़ापा को एक संतोषजनक और तृप्तिदायी अवधि में रूपांतरित किया जा सकता है। डॉ. वाडा कहते हैं कि बुजुर्गों को बार-बार नींद की गोलियाँ नहीं लेनी चाहिए क्योंकि बढ़ती उम्र के साथ नींद में कमी आना स्वाभाविक घटना है। जब सोना हो तब सो जाओ, जब उठना हो तब उठो, यह बुजुर्गों का विशेषाधिकार है। ऐसे ही कोलेस्ट्रॉल का स्तर भी कोई ज्यादा चिंता की बात नहीं है, क्योंकि कोलेस्ट्रॉल शरीर के लिए प्रतिरक्षा कोशिकाओं के लिए जरूरी कच्चा माल होता है।

देवेन्द्र फडणवीस भाजपा के लिए चाणक्य



लेखक
ललित गर्ग

(लेखक, पत्रकार, स्तंभकार हैं)

तीसरी बार मुख्यमंत्री का ताज पहनने वाले देवेन्द्र फडणवीस ने प्रखर राजनेता, अजातशत्रु, दूरदर्शी नायक एवं महाराष्ट्र-निर्माता के रूप में न केवल देश के लोगों का दिल जीता है, बल्कि विरोधियों के दिल में भी जगह बनाकर, अमित दादों को जन-जन के हृदय में स्थापित कर अनेक राजनीतिक कीर्तिमान स्थापित किये हैं। फडणवीस यह नाम महाराष्ट्र राजनीतिक इतिहास का एक ऐसा स्वर्णिम पृष्ठ है, जिससे एक सशक्त जननायक, स्वयंदर्शी राजनायक, आदर्श चिंतक, नये महाराष्ट्र के निर्माता, कुशल प्रशासक के साथ-साथ राजनीति को एक खास रंग देने की महक उठती है।

महाराष्ट्र में सरकार गठन की राजनीति में दस दिन की सघन वार्ताओं और खासी नाटकीयता के बाद आखिर अंधेरा छंट गया और देवेन्द्र फडणवीस तीसरी बार महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री बने जा रहे हैं। फडणवीस का मुख्यमंत्री बनना न केवल महाराष्ट्र बल्कि देश की राजनीति को एक नई दिशा एवं दृष्टि देगा। क्योंकि फडणवीस ने अपने राजनीतिक कौशल से न केवल नये मानक गढ़े हैं बल्कि सकारात्मक राजनीति को नये आयाम दिये हैं। हार का कारण स्वयं को मानने एवं जीत का श्रेय पाटी एवं सहयोगी दलों को देने की विराट सोच रखने वाले फडणवीस को अब भाजपा के शीर्ष नेताओं में शुमार किया जाने लगा है। फडणवीस ने राजनीति के चाणक्यों के चक्रव्यूहों को कुछ ऐसा भेदा कि लोग उन्हें आधुनिक अभिमन्यू भी कहने लगे। बात सही भी है फडणवीस अब किसी चक्रव्यूह में फंसते नहीं बल्कि उसे भेदकर बाहर निकलते हैं। सामने कोई भी हो शह और मात के खेल में उनकी जीत अब गारंटी बन चुकी है। वे भाजपा के लिए चाणक्य हैं तो विपक्ष के लिए अबूझ पहली। पिछले एक दशक से महाराष्ट्र की राजनीति उनके ही ईर्द-गिर्द घूम रही है। ऐसे कद्दावर राजनेता के नेतृत्व में निश्चित ही अगली पारी सफल होने वाली है। बावजूद इसके विशाल बहुमत वाली इस सरकार के मुखिया के तौर पर फडणवीस की यह पारी किसी भी रूप में कम चुनौतीपूर्ण नहीं है। फिर भी महाराष्ट्र को राजनीतिक स्थिरता और विकास के नए दौर में ले जाने की जिम्मेदारी निभाते हुए वह हर चुनौती के पार जायेंगे, लोगों ने उनकी पाटी और सहयोगी दलों पर जो भरोसा



जताया है, महायुति सरकार उनकी उम्मीदें पूरी करके एक नये इतिहास का सृजन करेगी, इसमें कोई शंका दूर तक नजर नहीं आती। तीसरी बार मुख्यमंत्री का ताज पहनने वाले देवेन्द्र फडणवीस ने प्रखर राजनेता, अजातशत्रु, दूरदर्शी नायक एवं महाराष्ट्र-निर्माता के रूप में न केवल देश के लोगों का दिल जीता है, बल्कि विरोधियों के दिल में भी जगह बनाकर, अमित दादों को जन-जन के हृदय में स्थापित कर अनेक राजनीतिक कीर्तिमान स्थापित किये हैं। फडणवीस यह नाम महाराष्ट्र राजनीतिक इतिहास का एक ऐसा स्वर्णिम पृष्ठ है, जिससे एक सशक्त जननायक, स्वयंदर्शी राजनायक, आदर्श चिंतक, नये महाराष्ट्र के निर्माता, कुशल प्रशासक के साथ-साथ राजनीति को एक खास रंग देने की महक उठती है। उनके व्यक्तित्व के इतने रूप हैं, इतने आयाम हैं, इतने रंग हैं, इतने दृष्टिकोण हैं, जिनमें वे व्यक्ति और नायक हैं, प्रशासक और राजनेता हैं, प्रबुद्ध और लोकतंत्र उन्नायक हैं। महाराष्ट्र राजनीति की एक खास स्थिति जहां सहयोगी दलों की आकांक्षाओं का ध्यान रखने और उन्हें

यथासंभव संतुष्ट रखने की जरूरत से जुड़ी चुनौती है वहां आगामी स्थानीय निकाय चुनावों में महायुति से जुड़े दलों पर बेहतर प्रदर्शन की बड़ी जिम्मेदारी है। हालांकि पहली चुनौती मंत्रिमंडल में विभागों के बंटवारे को संतोषजनक ढंग से निपटने की है। एक बड़ी चुनौती महाराष्ट्र में भाजपा की ताकत को बलशाली बनाने की भी है। इन सब चुनौतियों एवं परिस्थितियों के बीच संतुलन बनाने एवं उनसे पार पाने की क्षमता फडणवीस में दिखती है। जो व्यक्ति 2022 में एकनाथ शिंदे मंत्रिमंडल में मुख्यमंत्री की बनाय उपमुख्यमंत्री की भूमिका मंत्री लेता है, पद से ज्यादा पार्टी हित को सामने रखता है, विशिष्ट परिस्थितियों में पार्टी के आग्रह पर न केवल सरकार का सुचारु संचालन सुनिश्चित करता है बल्कि चुनाव में पार्टी की अगुआई करते हुए उसे शानदार जीत भी दिलाता है, तो उन्हें मुख्यमंत्री की भूमिका सौंपी जा रही है तो अपनी पात्रता तो वह पहले ही अच्छी तरह सिद्ध कर चुके हैं, अब तो शासन के नये मानक गढ़ने हैं। यह स्पष्ट है कि देवेन्द्र फडणवीस के राजनीतिक जीवन के नए दौर की शुरुआत

संभावनाभरी है। भाजपा विधायक दल का नेता चुने जाने के बाद उन्होंने अपने भाषण में हिंदवी स्वराज से लेकर अहिल्याबाई होलकर का नाम लेकर अपनी राजनीतिक धारा को बिल्कुल स्पष्ट किया। चुनाव प्रचार के दौरान भी उनकी छवि आत्मविश्वास से भरे हिंदुत्ववादी शुद्ध स्वयंसेवक भाजपा नेता की बनी। उन्होंने कट्टरपंथी मुस्लिम नेताओं और उनको समर्थन देने वाले महाविकास आघाड़ी के विरुद्ध लगातार प्रखर प्रहार से अपनी छवि वर्तमान राजनीतिक धारा के अनुरूप बनाई। चुनाव के समय लगा था कि एक हैं तो सेफ हैं और बंटेंगे तो कटेंगे नारे को लेकर महायुति में मतभेद के बावजूद उन्होंने गजब का संतुलन बनाते हुए इन नारों के बल पर महायुति की जीत को उच्च शिखर देकर सबको आश्चर्यचकित किया। महायुति सरकार की नई पारी पिछली पारी जैसी सहजता और स्थिरता दिखा पाएगी या नहीं यह सवाल तो खड़ा ही है, लेकिन इस सवाल को नकारते हुए नयी सरकार अपना पूरा कार्यक्रमाल उतार-चढ़ाव के बावजूद निष्कटंक पार करेगी। दो पुरानी और सुगठित राजनीतिक पार्टियों में हुई असाधारण तोड़फोड़ के परिणामस्वरूप बनी महायुति ने हालांकि 2024 विधानसभा चुनावों में अपनी सार्थकता सिद्ध कर दी है और इसलिए अब इसे किसी भी रूप में कुत्रिम गठबंधन नहीं कहा जा सकता। फिर भी नए मुख्यमंत्री और भाजपा नेतृत्व को सहयोगी दलों को साथ लेकर चलने और किसी भी असंतोष से बचने पर खास ध्यान देना होगा। फडणवीस का राजनीतिक जीवन अनेक विशेषताओं एवं उपलब्धियों से भरा रहा है।

ओजोन रिक्तीकरण के कारण हो रहा त्वचा कैंसर



लेखक

संजय गार्गवाणी



ओजोन रिक्तीकरण के कारण पराबैंगनी विकिरण की बड़ी हुई मात्रा पृथ्वी तक पहुंच सकती है जिससे त्वचा कैंसर, मोतियाबिंद और कमजोर प्रतिरक्षा प्रणाली के अधिक मामले हो सकते हैं। ऐसा माना जाता है कि यूवी के बहुत अधिक संपर्क से मेलेनोमा में वृद्धि हो रही है, जो सभी त्वचा कैंसरों में सबसे घातक है। ओजोन परत की खोज सबसे पहले 1913 में फ्रांसीसी भौतिकविदों चार्ल्स फैब्री और हेनरी बुइसन ने की थी। पृथ्वी का वायुमंडल विभिन्न परतों या क्षेत्रों में विभाजित है। उदाहरण के लिए, क्षोभमंडल (0-12 किमी), समताप मंडल (12-50 किमी), मध्यमंडल (50-80 किमी) आदि। लगभग 90% ओजोन समताप मंडल में पाया जाता है। इसलिए, समताप मंडल को ओजोन क्षेत्र या ओजोन परत भी कहा जाता है। ओजोन परत वास्तव में ओजोन गैस की 20 किमी लंबी परत है। एक मोटी परत होती है, यह परत भूमध्य रेखा पर पतली तथा ध्रुवों पर मोटी होती है। यह परत पृथ्वी के चारों ओर मौजूद है जो सूर्य के लिए फिल्टर का काम करती है। यह सूर्य की अधिकारी पराबैंगनी विकिरणों (यूवी) को अवशोषित करता है। समताप मंडल में ओजोन की सांद्रता उसी परत में मौजूद अन्य गैसों की तुलना में बहुत कम है। ओजोन परत में ओजोन की मात्रा 10 पी.पी.एम. है। (प्रति मिलियन भाग)

से थोड़ा कम लेकिन कुल मिलाकर पृथ्वी के वायुमंडल में ओजोन की औसत सांद्रता लगभग 0.3 पीपीएम है। ओजोन परत पृथ्वी से लगभग 15 किमी ऊपर है। से 35 कि.मी. यह मुख्यतः समताप मंडल के निचले हिस्से में पाया जाता है, हालांकि इसकी मोटाई मौसम और भौगोलिक दृष्टि से बदलती रहती है। ओजोन परत की मोटाई दुनिया भर में एक समान नहीं है और आमतौर पर भूमध्य रेखा के पास पतली और ध्रुवों के पास मोटी होती है। ओजोन छिद्र क्या है और इसकी खोज कब हुई थी? परिभाषा के अनुसार ओजोन छिद्र ऐसा कोई छिद्र नहीं है जहां ओजोन मौजूद न हो। यह वास्तव में अंतर्कटिक महासागर के ऊपर समताप मंडल में असामान्य रूप से क्षीण ओजोन का एक क्षेत्र है, जहां यह दक्षिणी गोलार्ध वसंत (अगस्त-अक्टूबर) की शुरुआत में होता है। ओजोन छिद्र वास्तव में समताप मंडल में पृथ्वी के ऊपर ओजोन की सांद्रता में कमी है। इसे भौगोलिक रूप से उस क्षेत्र के रूप में परिभाषित किया गया है जिसमें ओजोन की कुल मात्रा 220 डॉल्बन इकाइयों से कम है। एक डीयू 0.01 मिमी शुद्ध ओजोन है। एक मोटी परत बनाने के लिए आवश्यक ओजोन अणुओं की

मात्रा का प्रतिनिधित्व करता है। ओजोन छिद्र एक बार तस्मानिया के दक्षिण में और ऑस्ट्रेलियाई मुख्य भूमि पर देखा गया है। मध्य अक्षांश क्षेत्र यानी ऑस्ट्रेलिया पर ओजोन परत के पतले होने के कारण अधिक पराबैंगनी विकिरण पृथ्वी पर पहुंचने लगा। 1970 में पॉल कर्जन ने खाद और सुपरसॉनिक विमानों में मौजूद नाइट्रोजन ऑक्साइड से ओजोन परत को नुकसान पहुंचाने की आशंका जताई थी। इसके बाद ब्रिटिश अंतर्कटिक सर्वे के वैज्ञानिक जो फ्रामन, ब्रायन गार्डिनर और जोनाथन शैंकलिन ने मई 1985 में नेचर पत्रिका में अपना शोध पत्र प्रकाशित किया। इस शोध पत्र में बताया गया कि समताप मंडल में पाई जाने वाली ओजोन गैस लगातार कम हो रही है जिसके कारण पृथ्वी की ओजोन परत में एक छेद हो गया है। इस छेद ने वैज्ञानिक समुदाय को तब चौंका दिया जब उन्हें पता चला कि ध्रुवीय ओजोन में देखी गई कमी अनुमानित आंकड़ों से कहीं अधिक बड़ी थी और यह छेद लगभग पूरे यूरोप के क्षेत्रफल के बराबर था। ओजोन परत के नष्ट होने के कारण: वायुमंडलीय डेटा दर्शाता है कि ओजोन क्षयकारी पदार्थ समताप मंडल में ओजोन को नष्ट कर रहे हैं और इस प्रकार ओजोन

परत की मोटाई कम कर रहे हैं। ओजोन क्षयकारी पदार्थ ऐसे रसायन हैं जिनमें क्लोरोफ्लोरो कार्बन (सीएफसी), हैलोन, कार्बन टेट्राक्लोराइड (सीसीएल4), मिथाइल क्लोरोफॉर्म (सीएच3सीसीएल3), हाइड्रो ब्रोमोफ्लोरो कार्बन (एचबीएफसी), हाइड्रोक्लोरोफ्लोरो कार्बन (एचसीएफसी), मिथाइल ब्रोमाइड (सीएच3बीआर) और ब्रोमो-क्लोरो मीथेन शामिल हैं। (CH2BrCl) शामिल हैं। इन्हें रेफ्रिजरेटर, एयरसोल प्रणोदक, एयर कंडीशनिंग संयंत्र, इलेक्ट्रॉनिक उद्योग, ऑप्टिकल उद्योग, प्लास्टिक और फार्मेसी उद्योगों में रेफ्रिजरेट के रूप में व्यापक रूप से उपयोग किया जाता है। आधुनिकता की दौड़ में कई विकसित और विकासशील देश बिना सोचे-समझे औद्योगिक क्रांति में लगे हुए हैं। कई कारखाने, उद्योग और रसायनिक संयंत्र गैसों और प्रदूषित हवा का उत्सर्जन करते हैं जिनमें क्लोरीन, फ्लोरीन, ब्रोमीन और कार्बन तत्व प्रचुर मात्रा में होते हैं। ओजोन परत में ओजोन क्षरण के ज्ञात कारणों में सबसे अधिक जिम्मेदार क्लोरोफ्लोरोकार्बन (सीएफसी) वर्ग के मानव निर्मित रसायनों का उत्पादन है। सी.एफ.सी. इसमें कार्बन

- भेष** मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश सफल होगी। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे।
- वृष** आत्मविश्वास बढ़ेगा। कारोबारी काम में बाधा उभरने से मानसिक अशांति बनी रहेगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी।
- मिथुन** विरोधी नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेगा। स्वास्थ्य लाभ में समय और धन व्यय होगा। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होगा।
- कर्क** पर-प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। आलस्य का त्याग करें। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा।
- सिंह** कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है।
- कन्या** पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा।
- तुला** शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। खान-पान में सावधानी रखें। व्यापार में प्रगति होगी। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। श्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है।
- वृश्चिक** जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अ'छी रहेगी। पुरुषार्थ का सहारा लें। कार्यसिद्धि होने में देर नहीं लगेगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में किसी मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी।
- धनु** धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होगा। पुराने मित्र से मिलन होगा।
- मकर** समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेगे। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा।
- कुंभ** हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। साथ ही आगे के लिए रास्ता भी बन जाएगा। यात्रा का योग। जीवन साथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा।
- मीन** कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। शत्रुहानि की आशंका रहेगी।

डॉ. भीमराव आम्बेडकर पुण्यतिथि: आम्बेडकर, समरसता और संघ



लेखक

डॉ. भीमराव मालवीय

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

डॉक्टर भीमराव आम्बेडकर ने सामाजिक समरसता का जो स्वप्न देखा था, उसे साकार करने के लिए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ अभियान चला रहा है। वास्तव में संघ अपने स्थापना काल से ही सामाजिक समरसता के लिए कार्य कर रहा है। डॉक्टर केशव बलिराम हेडगवार ने सामाजिक समरसता, एकता, अखंडता एवं सशक्त समाज के निर्माण के उद्देश्य से राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना की थी। उनका कहना था कि हमारा निश्चय एवं स्पष्ट दिशा ही हमारी प्रगति का मूल कारण है।

देश में सामाजिक समता एवं सामाजिक न्याय के लिए प्रमुखता से स्वर मुखर करने वालों में डॉक्टर भीमराव आम्बेडकर का नाम अग्रणी है। उन्होंने बाल्यकाल से ही अस्पृश्यता का सामना किया था। विद्यालय से लेकर नौकरी तक उन्होंने भेदभाव का दंश झेला। इससे उनकी आत्मा चीत्कार उठी। उन्होंने अस्पृश्यता के उन्मूलन के लिए कार्य करने का संकल्प लिया। उन्होंने देशभर की यात्रा की तथा दलितों के अधिकारों के लिए स्वर मुखर किया। उन्होंने अपना संपूर्ण जीवन अस्पृश्यता के उन्मूलन के कार्यों के लिए समर्पित कर दिया। उनका मानना था कि सेवक बनकर ही कोई बड़ा कार्य किया जा सकता है। इसलिए वह कहते थे - "एक महान आदमी एक आम आदमी से इस तरह से अलग है कि वह समाज का सेवक बनने को तैयार रहता है।"



चाहिए कि जिस कार्य को करने का हमने प्रण किया है, और जो उद्देश्य हमारे सामने है, उसे प्राप्त करने के लिए हम कितना कार्य कर रहे हैं। प्रत्येक अधिकारी एवं शिक्षक को प्रत्येक के मन में यह विचार भर देना चाहिए कि मैं स्वयं ही संघ हूँ। प्रत्येक व्यक्ति को अपने चरित्र पर विचार करना चाहिए। अपने चरित्र को कभी भी कमजोर व क्षीण न होने दें। आप इस भ्रम समरसता के लिए कार्य कर रहा है। डॉक्टर केशव बलिराम हेडगवार ने सामाजिक समरसता, एकता, अखंडता एवं सशक्त समाज के निर्माण के उद्देश्य से राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना की थी। उनका कहना था कि हमारा निश्चय एवं स्पष्ट ध्येय ही हमारी प्रगति का मूल कारण है। हम लोगों को हमेशा सोचना

वह कहते थे कि बिना कष्ट उठाए और बिना स्वार्थ त्याग किए, हमें कुछ भी फल मिलना असंभव है। अपने समाज में संगठन निर्माण कर उसे बलवान तथा अजेय बनाने के अतिरिक्त हमें और कुछ नहीं करना है। इतना कर देने पर सारा कार्य स्वयं ही हो जाएगा। हमें आज सताने वाली सारी राजनीतिक, सामाजिक और आर्थिक समस्याएं आसानी से हल हो जाएंगी। अनुशासन अपने संगठन की नींव है, इसी पर हमें विशाल इमारत को खड़ा करना है। किसी भी भूल से यदि नींव जरा सी भी कच्ची रह गई, तो इमारत का उस पड़ का भाग ढल जाएगा। इमारत को दृढ़ और जोर का आधार पाप है। वह संपूर्ण इमारत ढह जाएगी। जीवन में निस्वार्थ भावना आए बिना खरा

अनुशासन निर्माण नहीं होता। सामाजिक समरसता के बारे में उनका कहना था कि संघ का लक्ष्य भारत राष्ट्र को पुनः परम वैभव तक ले जाना है। समरसता के बिना, समता स्थायी नहीं हो सकती, और दोनों के अभाव में राष्ट्रीयता की कल्पना भी नहीं की जा सकती। हमारा कार्य अखिल हिंदू समाज के लिए होने के कारण, उसके किसी भी अंग की उपेक्षा करने से काम नहीं चलेगा। सभी हिंदू भाइयों के साथ फिर वह किसी भी उच्च या नीच श्रेणी के समझे जाते हैं, हमारा व्यवहार हर एक से प्रेम का होना चाहिए। किसी भी हिंदू भाई को नीच समझकर उसे दुत्कारना पाप है। वह कहते थे कि संघ का कार्य सुचारु रूप से चलाने के लिए हमें लोक संग्रह के तत्वों

को भली भांति समझ लेना होगा। संघ केवल स्वयंसेवकों के लिए नहीं, अपितु संघ के बाहर जो लोग हैं, उनके लिए भी है। हमारा यह कर्तव्य हो जाता है कि उन लोगों को हम राष्ट्र के उद्धार का सच्चा मार्ग बताएं। वयोवृद्ध लोगों का संघ कार्य में काफी महत्वपूर्ण स्थान है। वे संघ के महत्वपूर्ण कार्य का दायित्व उठा सकते हैं। हमारा कार्य अखिल हिंदू समाज के लिए होने के कारण, उसके किसी भी अंग की उपेक्षा करने से काम नहीं चलेगा। सभी हिंदू भाइयों के साथ फिर वह किसी भी उच्च या नीच श्रेणी के समझे जाते हैं, हमारा व्यवहार हर एक से प्रेम का होना चाहिए। किसी भी हिंदू भाई को नीच समझकर उसे दुत्कारना पाप है। वह कहते थे कि संघ का कार्य सुचारु रूप से चलाने के लिए हमें लोक संग्रह के तत्वों

निर्माण करना पड़ेगा। सभी भेदों को भुलाकर एकात्मकता का भाव जागृत करना पड़ेगा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ में किसी प्रकार का भेदभाव नहीं किया जाता। महात्मा गांधी भी संघ के कार्य से प्रभावित हुए थे। उन्होंने वर्ष 1934 में वर्षों में आयोजित राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का शिविर देखा था, जिसमें सभी जातियों के लोग सम्मिलित हुए थे। इसमें दलित समाज के लोग भी थे। उस समय राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए महात्मा गांधी ने कहा था कि आपके संगठन में अस्पृश्यता का अभाव देखकर मैं बहुत संतुष्ट हूँ। इसी प्रकार डॉक्टर भीमराव आम्बेडकर भी राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कार्य से प्रभावित हुए थे। उन्हें वर्ष 1939 में पुणे में आयोजित राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रशिक्षण शिविर को देखने का अवसर प्राप्त हुआ। उन्होंने अनुभव किया कि शिविर में सभी जातियों के लोग प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। इसमें दलित समाज के लोग भी सम्मिलित थे। शिविर में सबके साथ समान व्यवहार किया जा रहा था। उल्लेखनीय है कि हमारे पवित्र धार्मिक ग्रंथों में समरसता का प्रमुखता से उल्लेख किया गया है। भगवद्गीता में भगवान् श्रीकृष्ण ने कहा है - "पंडिताः समादर्शिनः" अर्थात् विद्वान् सबको समान दृष्टि से देखते हैं। कहने का अभिप्राय है कि विद्वान् सबको समान मानते हैं तथा वे किसी के साथ किसी भी प्रकार का भेदभाव नहीं करते।





शलजम में पाया जाता है ये सबसे जरूरी विटामिन

शलजम में विटामिन सी अच्छी मात्रा में पाया जाता है। ये सब्जी फोलेट यानि विटामिन बी9, आयरन और कैल्शियम का अच्छा सोर्स मानी जाती है। आपको सलाद के रूप में शलजम का इस्तेमाल जरूर करना चाहिए। शलजम में फाइबर सबसे ज्यादा होता है। इसे खाने से कब्ज की बीमारी को दूर किया जा सकता है। शलजम कौन सी बीमारियों में फायदा करती है?

खांसी दूर करे- सर्दियों में ज्यादातर लोग खांसी से परेशान रहते हैं। ऐसे में शलजम को डाइट में जरूर शामिल करें। ठंड में खांसी होने पर शलजम को काटकर, भुनकर, नमक डालकर खाएं। इससे खांसी में राहत मिलेगी।

बवासीर में आराम- जिन लोगों को मसालेदार और तीखा खाने की आदत है उन्हें पाइल्स होने का खतरा रहता है। ऐसे लोगों को शलजम का इस्तेमाल जरूर करना चाहिए। फाइबर से भरपूर शलजम खाने से कब्ज की समस्या को दूर किया जा सकता है। आप शलजम के पत्तों का साग बनाकर भी खा सकते हैं।

बोपी के मरीज के लिए फायदेमंद- शलजम को ब्लड प्रेशर के मरीज भी खा सकते हैं। इसमें नाइट्रेट पाया जाता है, जो शरीर में ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने में मदद करता है। शलजम खाने से आंखें भी स्वस्थ रहती हैं। क्योंकि इसमें ल्यूटिन होता है जो आंखों के लिए फायदेमंद है।

कोलेस्ट्रॉल कम करने में कारगर है किचन में रखा ये मसाला

अगर आपने समय रहते हाई कोलेस्ट्रॉल लेवल को कंट्रोल नहीं किया तो आपको लेने के देने भी पड़ सकते हैं। क्या आप जानते हैं कि हाई कोलेस्ट्रॉल की समस्या से छुटकारा पाने के लिए आप किचन में रखे एक मसाले का इस्तेमाल भी कर सकते हैं? औषधीय गुणों से भरपूर ये मसाला आपकी ओवरऑल हेल्थ को काफी हद तक इम्प्रूव कर सकता है। आइए दालचीनी के कुछ कमाल के हेल्थ बेनिफिट्स के बारे में जानकारी हासिल करते हैं।

हाई कोलेस्ट्रॉल की समस्या को दूर करने के अलावा दालचीनी आपकी ओवरऑल हेल्थ के लिए वरदान साबित हो सकती है। सर्दी-जुकाम की समस्या से छुटकारा पाने के लिए भी दालचीनी का सेवन करने की सलाह दी जाती है। इसके अलावा दालचीनी आपकी गट हेल्थ को भी काफी हद तक इम्प्रूव कर सकती है।

अगर आप गटिया के दर्द से परेशान हैं तो रोजाना किसी न किसी तरह से थोड़ी सी दालचीनी को अपनी डाइट में शामिल कर लीजिए। टीबी के इलाज के लिए भी दालचीनी को कंज्यूम करने की सलाह दी जाती है। हालांकि, अगर दालचीनी को सही मात्रा में और सही तरीके से कंज्यूम न किया जाए, तो आपकी सेहत पर नेगेटिव असर भी पड़ सकता है।



डायबिटीज

मीठे अमरूद का सीजन होता है। आपको रोजाना 1 अमरूद जरूर खाना चाहिए। डायबिटीज के मरीज के लिए भी अमरूद फायदेमंद फल है। सिर्फ अमरूद ही नहीं उसके पत्ते भी डायबिटीज में फायदा करते हैं।



डायबिटीज के मरीज दिनभर में 1 बड़ा अमरूद खा सकते हैं। सुबह नाश्ते में अमरूद खाना ज्यादा फायदेमंद माना जाता है। इससे दिनभर ब्लड शुगर को कंट्रोल करने में मदद मिलती है। सुबह खाली पेट अमरूद खाने से पेट और पाचन से जुड़ी समस्याओं को भी दूर किया जा सकता है। इससे कब्ज में राहत मिलती है। अमरूद खाने से मोटापा भी कम होता है।

सर्दियों में मूंगफली खाने के फायदे

कोलेस्ट्रॉल घटाए- ठंड के दिनों में आपको रोजाना मूंगफली जरूर खानी चाहिए। मूंगफली खाने से शरीर में बैड कोलेस्ट्रॉल को कम किया जा सकता है। मूंगफली कई बीमारियों के खतरे से बचाती है। मूंगफली में मोनो-अनसैचुरेटेड फैटी एसिड पाया जाता है जो एचडीएल के लेवल को बढ़ाता है। इससे हार्ट अटैक और स्ट्रोक का खतरा भी कम होता है।

शरीर को गर्म रखे- सर्दियों में बादाम खाने से जितनी गर्मी मिलती है उतनी ही मूंगफली खाने से भी मिलती है। आपको

हड़पोग्लाइसीमिया वाले लोग- डायबिटीज से पीड़ित लोगों को पपीता फायदा करता है। इससे ब्लड शुगर के लेवल को कम करने में मदद मिलती है। लेकिन जिन लोगों का ब्लड शुगर लेवल पहले से ही कम है उन्हें पपीता नहीं खाना चाहिए। यानि जो लोग हड़पोग्लाइसीमिया से परेशान हैं उन्हें पपीता खाने से परहेज करना चाहिए। इससे हार्ट बीट तेज या शरीर में कंपन की समस्या हो सकती है।

डायबिटीज में अमरूद खाने के फायदे

न्यूट्रीशियन, वेत लॉस कोच और कीटो डाइटिशियन स्वाति सिंह की मानें तो अमरूद का ग्लाइसेमिक इंडेक्स 12-24 के बीच होता है जो काफी कम है। अमरूद में

ऐसे कई विटामिन पाए जाते हैं जो ब्लड शुगर लेवल को कंट्रोल रखते हैं। अमरूद में विटामिन सी, फाइबर, आयरन, पोटेशियम, लाइकोपीन और एंटी-ऑक्सीडेंट पाए जाते हैं जो ब्लड शुगर कंट्रोल करने में मदद करते हैं। इसके अलावा अमरूद खाने से वजन कम होता है और शरीर में इन्सुलिन रेजिस्टेंस बेहतर होता है।

अमरूद कब खाना चाहिए?

डायबिटीज के मरीज दिनभर में 1 बड़ा अमरूद खा सकते हैं। सुबह नाश्ते में अमरूद खाना ज्यादा फायदेमंद माना जाता है। इससे दिनभर ब्लड शुगर को कंट्रोल करने में मदद मिलती है। सुबह खाली पेट अमरूद खाने से पेट और पाचन से जुड़ी समस्याओं को भी दूर किया जा सकता है। इससे कब्ज में राहत मिलती है। अमरूद खाने से मोटापा भी कम होता है।

ये लोग भूलकर भी न करें पपीता का सेवन

प्रेगनेंसी के दौरान- प्रेगनेंट महिलाओं को पपीता नहीं खाने की सलाह दी जाती है। ऐसा इसलिए कहा जाता है क्योंकि पपीता में लेटक्स होता है, जो गर्भाशय के संकुचन को ट्रिगर कर सकता है। इसकी वजह से बच्चा समय से पहले पैदा हो सकता है। पपीता में पंपिन होता है जिसे शरीर प्रोस्टाग्लैंडीन समझने की भूल कर सकता है। जिससे आर्टिफिशियली लेबर पेन इंड्यूस हो सकते हैं। पपीता खाने से भ्रूण को सपोर्ट करने वाली झिल्ली भी कमजोर हो सकती है।

एलर्जी वाले लोगों को- पपीता उन लोगों को नहीं खाना चाहिए जो किसी तरह की एलर्जी से पीड़ित हैं। पपीता के अंदर एक एंजाइम होता है जिसे चिटिनेज कहते हैं। ये एंजाइम लेटक्स पर क्रॉस रिएक्शन कर सकता है। इससे आपको छींक आना, सांस लेने में तकलीफ, खांसी या आंखों से जुड़ी समस्या होने का खतरा रहता है।

डिप्रेशन भगाए- अवसाद को दूर भगाने में मूंगफली मदद करती है। मूंगफली खाने से दिमाग की बीमारियों के खतरे को कम किया जा सकता है। मूंगफली में पाया जाने वाला ट्रिप्टोफैन सेरोटोनिन रिलीज को बढ़ाता है। जिससे डिप्रेशन का खतरा कम होता है। लो सेरोटोनिन का लेवल डिप्रेशन का कारण बनता है।

अन्य फायदे- मूंगफली में ऐसे पोषक तत्व पाए जाते हैं जो स्ट्रोक के खतरे को कम करते हैं। मूंगफली का सेवन करने से ब्लड शुगर कंट्रोल रहता है और हार्ट में कई बीमारियों का खतरा भी कम होता है। मूंगफली में पाए जाने वाले एंटीऑक्सीडेंट्स कैंसर के खतरे को भी कम करते हैं।



सर्दी में स्किन ड्राई होने पर वैक्सिंग से पहले अपनाएं ये आसान टिप्स

सर्दी के मौसम में जब त्वचा ड्राई और खुरदरी हो जाती है, तो वैक्सिंग करवाने का अनुभव थोड़ा चुनौतीपूर्ण हो सकता है। स्किन का सूखापन वैक्सिंग के दौरान और भी बढ़ सकता है, जिससे सफेद या डल दिखने लगती है। इस स्थिति से बचने के लिए कुछ खास टिप्स अपनाई जा सकती हैं, ताकि आपकी स्किन हेल्दी और नर्म दिखे, और वैक्सिंग का अनुभव आरामदायक हो।

त्वचा को पहले से मॉइस्चराइज करें

सर्दी के मौसम में त्वचा रूखी हो जाती है, क्योंकि ठंडी हवा में त्वचा की नमी उड़ जाती है। वैक्सिंग से पहले यदि त्वचा में नमी बनी रहे तो इससे त्वचा के जलने या डल होने का खतरा कम होता है। इसके लिए रोजाना अपने चेहरे और शरीर पर एलोवेरा जेल, कोको बटर या कोई अच्छा मॉइस्चराइजर लगाना शुरू करें। यह रिस्कन को हाइड्रेट करता है और वैक्सिंग के दौरान त्वचा में खिंचाव नहीं महसूस होगा।

प्री-वैक्स स्क्रब का इस्तेमाल करें

वैक्सिंग से पहले हल्का स्क्रब करना एक अच्छा तरीका है। इससे आपकी त्वचा की डेड सेल्स हट जाएंगी, जिससे बालों को निकालना आसान हो जाएगा। इससे त्वचा नर्म और स्मूद महसूस होगी। आप बाजार में उपलब्ध स्क्रब का उपयोग कर सकती हैं या घर पर चीनी और शहद के मिश्रण से हल्का स्क्रब बना सकती हैं। इससे त्वचा का एक्सफोलिएशन होगा और वैक्सिंग के बाद रिजल्ट बेहतर आएंगे।

वैक्सिंग के बाद लूज कपड़े पहनें

वैक्सिंग के बाद आपकी त्वचा थोड़ी सेसिटिव हो सकती है। ऐसे में तंग कपड़े पहनने से त्वचा पर और अधिक दबाव पड़ेगा और यह जलन या रैशज पैदा कर सकता है। इसलिए वैक्सिंग के बाद लूज और आरामदायक कपड़े पहनें। इससे त्वचा को आराम मिलेगा और ड्राईनेस की वजह से रेडनेस भी कम होगी।

ठंडी हवा से बचाव करें

वैक्सिंग के बाद त्वचा की नमी धीरे-धीरे वापस आती है। इस दौरान ठंडी हवा से बचना जरूरी है, क्योंकि इससे त्वचा और भी ज्यादा सूख सकती है। लूज कपड़े पहनें और ठंडी हवा से बचने की कोशिश करें, ताकि त्वचा जल्दी से ठीक हो जाए।

त्वचा पर कोई नया प्रोडक्ट लगाने से पहले पैच टेस्ट करें

कोई भी नया प्रोडक्ट लगाने से पहले पैच टेस्ट जरूर करें, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि वह आपकी स्किन के लिए सुरक्षित है। इससे स्किन रिएक्शन या एलर्जी का खतरा कम होगा। सर्दियों में जब त्वचा रूखी हो जाती है, तो वैक्सिंग के दौरान त्वचा की देखभाल और भी महत्वपूर्ण हो जाती है। इन सरल टिप्स को अपनाकर आप अपनी त्वचा को सर्दी में भी नर्म और हाइड्रेटेड रख सकती हैं और वैक्सिंग का अनुभव आरामदायक बना सकती हैं। यदि आपको कोई शंका हो, तो आप अपने स्किन एक्सपर्ट से भी सलाह ले सकती हैं।

नोट-स्किन पर किसी भी प्रोडक्ट को लगाने से पहले पैच टेस्ट करना न भूलें, ताकि आपकी त्वचा को किसी प्रकार का नुकसान न हो।

अखरोट को भिगोकर खाने के फायदे



कोई भी मेवा हो वो तसीर में गर्म होता है। अखरोट भी गर्म तसीर का ड्राई फ्रूट है इसलिए इसे भिगोकर खाना चाहिए। आप रात में 2 अखरोट की गिरी को पानी में भिगो दें। सुबह इसे दूसरे भिगे हुए नट्स के साथ या ऐसे ही सिर्फ 2 अखरोट खा लें। इससे अखरोट गर्मी नहीं करेगा और इसे पचाना भी आसान हो जाएगा। आप रात में दूध में भिगोकर भी अखरोट का सेवन कर सकते हैं।

अखरोट के साथ आप दूसरे ड्राई फ्रूट्स भी खा रहे हैं।

दिमाग और हार्ट के लिए अखरोट को सबसे अच्छा माना जाता है। अखरोट में कौन से विटामिन होते हैं? अखरोट में ओमेगा 3 फैटी एसिड की मात्रा काफी होती है। अखरोट में विटामिन ई, विटामिन सी और विटामिन ए होता है। अखरोट खाने से मैग्नीशियम की कमी पूरी की जा सकती है। आयरन, कैल्शियम की कमी दूर करने के लिए भी अखरोट खा सकते हैं। अखरोट खाने से विटामिन के की कमी को भी पूरा किया जा सकता है। अखरोट में प्रोटीन, कार्ब, फाइबर, सैचुरेटेड फैट और अनसैचुरेटेड फैट होता है।

फोलेट, जिंक, कॉपर और सेलेनियम जैसे मिनरल भी अखरोट में होते हैं। अखरोट में फास्फोरस और कोलीन जैसे पोषक तत्व भी पाए जाते हैं। हार्ट को हेल्दी और दिमाग को स्वस्थ बनाने में अखरोट मदद करता है।

नारियल पानी पीने के साइड इफेक्ट्स

हेल्थ एक्सपर्ट्स के मुताबिक नारियल का पानी आपकी सेहत के लिए वरदान साबित हो सकता है। लेकिन अगर आप सेहत से जुड़ी कुछ समस्याओं से जूझ रहे हैं और ऐसे में आपने ज्यादा नारियल का पानी पिया, तो आपको लेने के देने भी पड़ सकते हैं। आइए जानते हैं कि किन लोगों को नारियल के पानी को अपनी डाइट में शामिल करने से पहले एक्सपर्ट की सलाह ले लेनी चाहिए। अगर आपने बिना सोचे-समझे ज्यादा नारियल का पानी पिया, तो आपको कुछ साइड

इफेक्ट्स का सामना भी करना पड़ सकता है।

आपकी जानकारी के लिए बता दें कि कोकोनट वॉटर में पोटेशियम की अच्छी खासी मात्रा पाई जाती है। अगर आपने जरूरत से ज्यादा नारियल का पानी पिया, तो आपकी बांडी में मौजूद इलेक्ट्रोलाइट्स का बैलेंस बिगड़ सकता है। इसके अलावा अगर डायबिटीज पेशेंट्स ज्यादा नारियल का पानी पीते हैं, तो उनका ब्लड शुगर लेवल बढ़ सकता है। नारियल पानी की अति किडनी की फंक्शनिंग पर भी बुरा असर डाल सकती है।

हो सकता है पेट में दर्द

इसमें कोई शक नहीं है कि सही मात्रा में नारियल का पानी पीकर आप अपनी ओवरऑल हेल्थ को काफी हद तक इम्प्रूव कर सकते हैं। लेकिन ज्यादा नारियल का पानी पीने से आपकी गट हेल्थ पर बुरा असर पड़ सकता है। अगर आप दस्त या फिर पेट के दर्द जैसी समस्याओं की चपेट में आने से बचना चाहते हैं, तो ज्यादा मात्रा में नारियल का पानी न पिएं।

लो ब्लड प्रेशर

इस नेचुरल ड्रिंक को हाई ब्लड प्रेशर पर काबू पाने के लिए भी मददगार माना जाता है यानी औषधीय गुणों



दिल्ली मेट्रो की केबल चोर काटकर ले गए, ब्लू लाइन पर सेवाएं हुई बाधित

नई दिल्ली। दिल्ली मेट्रो की ब्लू लाइन पर गुरुवार को केबल चोरी की वजह से सेवाएं प्रभावित हुई हैं। मोती नगर और कीर्ति नगर के बीच इस घटना के कारण मेट्रो ट्रेनों की गति धीमी कर दी गई, जिससे यात्रियों को देरी का सामना करना पड़ा। दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन ने इस घटना पर खेद व्यक्त करते हुए सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए कहा कि प्रभावित खंड पर मरम्मत कार्य आज रात परिचालन घंटों के बाद पूरा किया जाएगा। डीएमआरसी ने यात्रियों को सलाह दी है कि वे यात्रा के लिए अतिरिक्त समय का प्रावधान रखें। दिल्ली मेट्रो प्रशासन ने यात्रियों से अपील की है कि वे अपनी यात्रा की योजना विलंब को ध्यान में रखकर बनाएं। प्रभावित खंड पर मेट्रो सेवाएं सीमित गति से जारी रहेंगी। इस तरह की घटनाओं से न केवल मेट्रो सेवाएं प्रभावित होती हैं, बल्कि यात्रियों को भी काफी असुविधा होती है।

पहले भी हो चुकी है ऐसी घटनाएं

यह पहली बार नहीं है जबकि केबल चोरी से सेवाएं प्रभावित हुई हैं। अगस्त में भी रेड लाइन पर झिलमिल और मानसरोवर पार्क स्टेशनों के बीच सिग्नल केबल चोरी हुई थी, जिससे दिलशाद गार्डन से शाहदरा मार्ग पर ट्रेनों की रफ्तार घटाकर 25 किलोमीटर प्रति घंटा कर दी गई थी।

जब अभिनेता सलमान खान के शूटिंग सेट पर घुसा अनजान युवक

- गैंगस्टर का नाम लेते ही मुंबई पुलिस ने लिया हिरासत में

मुंबई। मुंबई के दादर इलाके में बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान के शूटिंग सेट पर एक शख्स अवैध रूप से घुस गया। शक होने पर जब उससे पूछताछ की गई तो उसने कहा कि मैं लॉरेंस बिश्नोई को कहां दया ? इसके बाद सदिग्ध को पूछताछ के लिए शिवाजी पार्क पुलिस स्टेशन ले जाया गया। मिली जानकारी के मुताबिक ये घटना मुंबई के परिमंडल-5 में हुई। सदिग्ध ने कथित तौर पर गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई के नाम का इस्तेमाल किया। पुलिस उसकी जांच कर रही है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार जब यह अज्ञात व्यक्ति अंदर आया तो सलमान खान शूटिंग स्थल पर मौजूद थे। जब उसने लॉरेंस बिश्नोई का नाम लिया तो क्रू में से कुछ लोगों ने उसे देख लिया। फिर इसकी सूचना पुलिस को दी गई। फिलहाल पुलिस उससे पूछताछ कर रही है। आपको बता दें कि पिछले कुछ समय से सलमान खान लॉरेंस बिश्नोई के निशाने पर हैं और सलमान खान को गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई के नाम पर कई बार धमकी भी मिल चुकी है। हाल ही में उनसे 5 करोड़ रुपये की फिरोती भी मांगी गई थी। कुछ महीने पहले सलमान के बादा स्थित घर के बाहर फायरिंग भी हुई थी। इसमें लॉरेंस गैंग का नाम सामने आया था। कुछ दिनों पहले सलमान खान के सबसे अच्छे दोस्त और राज्य के पूर्व मंत्री बाबा सिद्दीकी की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इसके बाद से सलमान की सुरक्षा का ख्याल और भी सजगता से रखा जाने लगा है।

मणिपुर हिंसा : थोबल में भारी मात्रा में मिले हथियार, दुष्कर्मी उप सरपंच भी गिरफ्तार

इंफाल। मणिपुर के थोबल जिले में तलाशी अभियान के दौरान 16 आग्नेयस्त्र, छह 36 एचडी ग्रेनेड, दो डेटोनैटर, गोला-बारूद और एक वॉकी-टॉकी सेट के साथ एक चार्जर बरामद हुआ है। पुलिस ने बताया कि यह बरामदगी बुधवार को फुंगी विंग न्यायखण्ड इलाके में तलाशी के दौरान की गई और इस संबंध में किसी को गिरफ्तार नहीं किया गया है। पुलिस के बयान में कहा गया कि पहाड़ी और इंफाल घाटी दोनों में राज्य के विभिन्न जिलों में कुल मिलाकर 107 जांच चौकियां स्थापित की गई हैं और कानूनों के किसी भी उल्लंघन के संबंध में किसी को हिरासत में नहीं लिया गया। इंफाल घाटी स्थित मैतेई और आसाम के पहाड़ी क्षेत्र कुकी-जो समूहों के बीच पिछले साल मई से जातीय हिंसा में 250 से अधिक लोग मारे गए हैं और हजारों बेघर हो गए हैं। मणिपुर हिंसा के दौरान लापता मैतेई व्यक्ति को ढूँढने के लिए और अरबाई टैंगोल के नेता कोरोंगबा खुमान के खिलाफ एनआईए के मामलों को वापस लेने की मांग की गई। जिसको लेकर बुधवार को इंफाल घाटी के विभिन्न हिस्सों में प्रदर्शन हुए। पुलिस ने बताया कि सेना ने सिंह की खोज के लिए ड्रोन, ट्रैकर कुत्तों और 2,000 से अधिक कर्मियों को तैनात किया है। इम्फाल पश्चिम के लाफूपत तेरा, वगैंग और काकचिंग जिले के वबाई तथा काकचिंग जिले में प्रदर्शनकारियों ने खुमान के खिलाफ एनआईए के मामलों का विरोध किया। खुमान और कुकी उपायद्वियों पर राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने मामले दर्ज किए हैं, जिनमें सुरक्षा बलों पर हमले और आईडीडी विस्फोट के मामले शामिल हैं। वहीं इस बीच, टैंगोल के तीथोओ और मोलथम खुनू में मारे गए 13 मैतेई लोगों की पहली पुण्यतिथि इम्फाल पूर्वी जिले के एंड्रू खुनू तोरोगथेल कामू कोइरंग इंटीग्रेटी पार्क में मनाई गई।

गांधीधाम में फर्जी ईडी टीम का पर्दाफाश, महिला समेत 12 आरोपी गिरफ्तार

कच्छ। गुजरात में अब तक फर्जी डॉक्टर, फर्जी हॉस्पिटल, फर्जी पुलिस, फर्जी जज फकड़े जाने की घटनाएं सामने आ चुकी हैं। अब गुजरात में फर्जी प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की टीम कानून के हथके चढ़ गई है। चौकाने वाली बात यह है कि फर्जी ईडी की टीम में एक महिला भी शामिल है। पुलिस ने महिला समेत 12 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। साथ ही नकद समेत 45.82 लाख रुपए का माल-सामान भी जब्त कर लिया। दरअसल फर्जी ईडी अधिकारी बनकर 2 दिसंबर को कच्छ के गांधीधाम इलाके में राधिका ज्वैलर्स और उनके आवासीय घर में एक गिरोह ने हथियार साफ कर दिया था। गिरोह ने खुद को ईडी का अधिकारी बताते हुए सोना, चांदी और नकदी सहित रु. 25.25, 225 मूल्य की कीमती चीजें चुरा लीं। घटना के बाद राधिका ज्वैलर्स के मालिक ने गांधीधाम ए डीजीवन पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई थी। जिसके आधार पर पुलिस की अलग-अलग टीमों को भुज, गांधीधाम और अहमदाबाद समेत अन्य जगहों पर जांच शुरू कर दी। जांच के दौरान फर्जी ईडी टीम के कुल 12 आरोपियों के खिलाफ सबूत मिले।

चंद राज्यों में बची कांग्रेस के भीतर सिर फुटव्वल, कर्नाटक में सीएम के पद को लेकर फिर शुरु हो सकती है रार

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस का ग्राफ बढ़ाने के हो रहे प्रयास उस वक्त धरे के धरे रह जाते हैं जब पार्टी के भीतर ही असंतोष झलकने लगता है। लोकसभा चुनाव में पार्टी के प्रदर्शन से थोड़ी उम्मीद जगी थी लेकिन उसके बाद के विधानसभा चुनावों में पार्टी लगातार विफल साबित हो रही है। हरियाणा, जम्मू-कश्मीर, झारखंड और महाराष्ट्र चारों राज्यों में हाल में हुए विधानसभा चुनाव में उसकी हालत पतली देखी गई। वह देश के गिने-चुने राज्यों में अपने दम पर सरकार में है। लेकिन वहां भी उसके भीतर का क्लेश थमने का नाम ले रहा है।



कांग्रेस पार्टी इस वक्त देश के तीन राज्यों कर्नाटक, तेलंगाना और हिमाचल प्रदेश में अपने दम पर सत्ता में है। इसमें सबसे बड़ा राज्य कर्नाटक है। लेकिन, यहां पार्टी के भीतर ही सिर फुटव्वल हो रहा है। सीएम पद की लड़ाई राज्य के दो बड़े नेताओं में जारी है। यह लड़ाई एक बार फिर सामने आ गई है। बुधवार को राज्य के सीएम सिद्धारमैया ने उन बयानों को खारिज कर दिया जिसमें डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार ने कहा था कि पार्टी आलाकमान ने राज्य में पावर शेयरिंग का एक फॉर्मूला तैयार करवाया था। और अब पार्टी

हाईकमान राज्य के सीएम पद को लेकर फैसला लेगा। एक टीवी चैनल को दिए इंटरव्यू में डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार ने ये बातें कही थीं। दरअसल, 2023 में कर्नाटक में कांग्रेस की जीत के बाद सीएम पद को लेकर लंबे समय तक विवाद चला था। सिद्धारमैया और डीके शिवकुमार दोनों बड़े दावेदार थे। फिर केंद्रीय नेतृत्व के हस्तक्षेप के बाद दोनों के बीच पावर शेयरिंग का फॉर्मूला तय किया गया। डीके शिवकुमार को उपमुख्यमंत्री के पद के साथ प्रदेश कांग्रेस का अध्यक्ष पद भी दिया गया था। इंटरव्यू में

शिवकुमार ने स्पष्ट तौर पर कहा कि 2023 में नई सरकार के गठन से पहले ही उनके और सिद्धारमैया के बीच सीएम पद को लेकर एक समझौता हुआ था।

लेकिन, अब सिद्धारमैया के बयान के बाद शिवकुमार अपने बयान से पलट गए। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री का बयान अंतिम है। हम सीएम और पार्टी के प्रति वफादार हैं। शिवकुमार ने आगे कहा कि अब कोई बहस नहीं है। उधर, कर्नाटक में मंत्रिमंडल के विस्तार या उसमें बदलाव के बारे में पूछे जाने पर सिद्धारमैया ने कहा कि ऐसी कोई योजना नहीं है। मीडिया से सवालिया लहजे में उन्होंने कहा कि यह मरा विशेषाधिकार है। क्या मैंने आपसे कुछ कहा है? तो फिर क्यों ऐसी बातें कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि जो भी फैसला होगा हाईकमान करेगा। गुरुवार को हसन में कांग्रेस की एक रैली है। इस रैली के नाम को बदल भी विवाद है। पहले इस रैली का नाम 'जन कल्याण समावेश' था। लेकिन इसका नाम बदल दिया गया है। इस बारे में पूछे जाने पर सिद्धारमैया ने कहा कि उनके समर्थन यह रैली कर रहे हैं। इसका नाम स्वामिनी ओकुट्टा रखा गया है। कांग्रेस पार्टी इस रैली का समर्थन कर रही है।

असम में 7 दिसंबर को होगा कैबिनेट विस्तार, चार नए मंत्री होंगे शामिल

असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने गुरुवार (5 दिसंबर) को कहा कि कैबिनेट 7 दिसंबर को चार मंत्रियों को शामिल करके होगा। विस्तार से मंत्रिपरिषद में सदस्यों की कुल संख्या 20 हो जायेगी। परिषद के सभी सदस्य भाजपा विधायक हैं। मुख्यमंत्री के नेतृत्व वाले वर्तमान मंत्रिमंडल में 16 सदस्यीय मंत्रिपरिषद शामिल है। मुख्यमंत्री सरमा ने कहा कि विधायकों को 7 दिसंबर को दोपहर 12 बजे कैबिनेट में मंत्री पद की शपथ दिलाई जाएगी। हिमंत बिस्वा सरमा ने एक्स पर लिखा कि यह बताते हुए खुशी हो रही है कि निम्नलिखित सहयोगी 7 दिसंबर को दोपहर 12 बजे हमारे मंत्रिमंडल में मंत्री के रूप में शपथ लेंगे। 1. श्री प्रशांत फुकन, विधायक 2. श्री कौशिक राय, विधायक 3. श्री कृष्णेंद्र पॉल, विधायक 4. श्री रूपेश गोला, विधायक। उनमें से प्रत्येक को मेरी शुभकामनाएँ। इससे पहले असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने बुधवार को घोषणा की कि राज्य सरकार ने रेस्तराओं, होटलों एवं सार्वजनिक स्थलों पर गोमांस परोसे जाने और खाने पर रोक लगाने का फैसला किया है। राज्य मंत्रिमंडल की बैठक में गोमांस सेवन पर मौजूद कानून में संशोधन कर नए प्रावधानों को शामिल करने का निर्णय लिया गया। शर्मा ने यहां संवाददाता सम्मेलन में कहा, 'हमने रेस्तराओं, होटलों एवं सार्वजनिक स्थलों पर गोमांस परोसे जाने तथा खाने पर रोक लगाने का फैसला किया है।'



वायनाड सांसद प्रियंका गांधी ने अमित शाह से मुलाकात की



* वायनाड में हुए भूस्खलन के बाद प्रियंका ने केंद्र सरकार से प्रभावित इलाके के लिए मदद मांगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस नेता और वायनाड सांसद प्रियंका गांधी वाड़ा ने हाल ही में भारतीय राजनीति में एक महत्वपूर्ण मुलाकात की घोषणा की है। उन्होंने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से वायनाड के लिए विशेष पैकेज की मांग को लेकर मुलाकात की। 30 जुलाई को केरल के वायनाड में हुए भूस्खलन के बाद प्रियंका गांधी वाड़ा ने केंद्र सरकार से प्रभावित इलाके के लिए मदद की अपील की है। भूस्खलन से हुए तबाही में हजारों लोग प्रभावित हुए और बड़े नुकसान में पहुंचे। प्रियंका गांधी ने कहा कि वायनाड के लिए सकारात्मक दिशा में कदम उठाने की जरूरत है। उन्होंने अमित शाह से वायनाड के लोगों की

मदद को लेकर सहयायता की अपील की है। इस मुलाकात के बाद प्रियंका गांधी ने बताया कि भूस्खलन और बाढ़ से वायनाड को काफी नुकसान हुआ है और वहां के लोगों को रहने फंड की आवश्यकता है। प्रियंका गांधी ने राजनीति को पारे रखते हुए प्रणाली की है कि वायनाड के लोगों को हर संभव मदद मिलनी चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने भी वायनाड के पीड़ित लोगों से मिलकर उनकी समस्याओं को सुना था। अब उन लोगों को उम्मीद है कि वे मदद पा सकेंगे। थिम्पेटजे उपचुनाव में जीत हासिल कर सांसद बनने के बाद प्रियंका गांधी वाड़ा ने वायनाड के लिए उचित मदद की मांग की थी। उनके प्रयासों का सामर्थन करने के लिए वायनाड के लोग उन्हें पूरी तरह से समर्थन दे रहे हैं।

महाराष्ट्र में महायुति को सत्ता तक पहुंचाने वाली लड़की बहन योजना की होगी जांच

* खंगाले जाएंगे दार्दिल आंदोलन

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र में महायुति को सत्ता के शिखर तक पहुंचाने में लड़की बहन योजना का बड़ा योगदान माना जा रहा है। इसी के दम पर महाराष्ट्र चुनाव जीतने का दावा किया गया। अब देवेन्द्र फडणवीस महाराष्ट्र के नए सीएम बनने जा रहे हैं। इसी बीच अब लड़की बहन योजनाओं में खामियों की बात सामने आ रही है। दार्दिल लाख लाभार्थियों की जांच के आदेश दे दिए गए हैं। इस संबंध में मीडिया रिपोर्ट्स के बाद महाराष्ट्र के महिला एवं बाल विकास मंत्रालय की तरफ से सफाई दी गई। रिपोर्ट के अनुसार नई सरकार लड़की बहन के सभी आवेदनों में से 1 प्रतिशत को फिर से जांच करेगी।



विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि लड़की बहन योजना के कुल 2.5 करोड़ लाभार्थी हैं। फिलहाल कमियों को दूर करने के लिए आवेदनों में से 1 प्रतिशत का ऑडिट करने की योजना है। बाद में चरणबद्ध तरीके से सैपल की जांच की जाएगी। लड़की बहन योजना के तहत महाराष्ट्र सरकार मौजूदा समय में महाराष्ट्र की महिलाओं को

1,500 रुपये हर महीने दे रही है। सरकार का प्लान इसे बढ़ाकर 2,100 रुपये करने का है। बताया जा रहा है कि दिसंबर में नई सरकार के तहत योजना को आगे बढ़ाने से पहले ऑडिट पूरा हो जाने की संभावना है।

यह सुनिश्चित किया जाएगा कि टैक्स-पेयर का पैसा केवल वास्तविक लाभार्थियों तक पहुंचे। मल्टी-लेवल वैरिफिकेशन सिस्टम को अपनाया जाएगा। एक बहुस्तरीय सत्यापन प्रणाली इस प्रक्रिया को अंजाम देगी। लड़की बहन

मैं अपना डीएनए टेस्ट कराने के लिए तैयार, मुख्यमंत्री भी डीएनए की जांच कराएं : अखिलेश यादव

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के डीएनए वाले बयान पर समाजवादी पार्टी (सपा) प्रमुख अखिलेश यादव ने बृहस्पतिवार को कहा कि वह अपने डीएनए की जांच करवाने के लिए तैयार हैं बशर्ते मुख्यमंत्री भी अपने डीएनए की जांच कराएं। योगी ने अयोध्या में रामायण मेले के उद्घाटन के बाद विपक्षी दलों पर समाज को बांटने का आरोप लगाया और कहा कि अयोध्या व संभल में मुगल शासक बाबर की सेना ने जो किया और आज जो बांग्लादेश में हो रहा है, उसका डीएनए एक ही है। अखिलेश ने कानपुर में संवाददाताओं से कहा, 'मुझे नहीं पता कि मुख्यमंत्री कितना विद्वान जानते हैं और उन्होंने कितनी बायोलॉजी पढ़ी है लेकिन मैं उनसे अनुरोध करना चाहता हूँ कि उन्हें डीएनए के बारे में बात नहीं करनी चाहिए।' उन्होंने कहा, 'आपके (मीडिया) जरिए मैं यह पूरी जिम्मेदारी के साथ कह रहा हूँ कि उन्हें डीएनए के बारे में बात नहीं करनी चाहिए। अगर वह डीएनए के बारे में बात करते हैं तो मैं डीएनए टेस्ट कराने के लिए तैयार हूँ और मुख्यमंत्री को भी अपना डीएनए टेस्ट कराना चाहिए।' अखिलेश ने कहा, 'डीएनए की बात करना उन्हें (मुख्यमंत्री योगी को) शोभा नहीं देती। एक सत, भगवा वस्त्र धारण किए एक योगी होने के नाते उन्हें डीएनए के बारे में बात नहीं करनी चाहिए।' अखिलेश यहां एक निजी कार्यक्रम में शामिल होने के लिए पहुंचे थे।

पाकिस्तान पहुंची अंजू दिल्ली में खरीदना चाह रही घर... नसरुल्ला भी आने को तैयार

* सभी नियमों का किया पालन, लेकिन बना दिया विलेन

भिवान्डी (एजेंसी)। राजस्थान से पाकिस्तान पहुंची अंजू अब वापस भारत आने और दिल्ली एनसीआर में एक घर खरीदने की तैयारी में हैं। एक साक्षात्कार के दौरान अंजू ने बताया कि, उसने पाकिस्तान टूर के लिए सभी नियमों का पालन किया था, लेकिन उसे विलेन बना दिया गया। अंजू ने अपनी बात रखते हुए कहा कि पाकिस्तान टूर को लेकर उसके परिवार को ताने दिए गए, जिससे मेरे और मेरे परिवार के बीच दूरियां बढ़ गईं। उसने कहा कि अब वो सिंगल महिला है और उसके बच्चे भी उसके पास रहे हुए खुश हैं। इसके साथ ही वह भारत लौटेंगी और अब सारे सवाल नहीं कर रहे हैं। वे अपने स्वार्थ के कारण एक साथ आए हैं...लेकिन राज्य भर में लोग चुनाव नतीजों के खिलाफ सड़कों पर उतर आ रहे हैं, जिससे उन्हें यह मंजू नहीं है। फिर भी आज प्रदेश को सीएम मिल रहा है, हम उनका स्वागत करते हैं। शिवसेना (यूबीटी) सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने कहा कि मैं महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री को शुभकामनाएं देता हूँ। मुझे उम्मीद है कि वह महाराष्ट्र के लोगों से की गई अपनी सभी प्रतिबद्धताओं पर



खत्म हो गए हैं। यहां बताते चलें कि अंजू तब सुखिंदों में आई थी जब वह अपने पति और बच्चों को छोड़कर पाकिस्तान में बैठे अपने फेसबुक फ्रेंड से बने प्रेमी नसरुल्ला से मिलने पाकिस्तान पहुंच गईं। पाकिस्तान जाकर अंजू ने नसरुल्ला से निकाह किया और अपना नाम फातिमा रख लिया। इसके बाद अंजू जब वापस भारत आई, तो अपने पाकिस्तान टूर को लेकर तमाम सवालों के जवाब भी दिए। इस बीच एक बातचीत में अंजू ने कहा, कि मेरे परिवार को बहुत कुछ सुनना और सहना पड़ा है, लेकिन अब सब ठीक हो गया है। मैं अब अपने बच्चों के लिए जाना चाहती हूँ और उन्हें काबिल बनाना चाहती हूँ। अंजू ने कहा कि खुद का घर खरीदने की योजना बना रही हूँ, ताकि



किसी के अधीन न रहूँ। इसके लिए काफी मेहनत करनी पड़ रही है, लेकिन अब परिवार साथ है, तो हर मुश्किल का सामना कर सकती हूँ। इसी के साथ अंजू ने कहा कि नसरुल्ला भी पाकिस्तान से भारत आने की तैयारी कर रहे हैं। बावजूद इसके दोनों को ही कई दिक्कों का सामना करना पड़ रहा है।

उमर अब्दुल्ला का आरोप, सोची समझी साजिश के तहत हमारी मस्जिदों को बनाया जा रहा निशाना

श्रीनगर (एजेंसी)। नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल और मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ल ने आज पार्टी के संस्थापक शेख मुहम्मद अब्दुल्ल को उनकी 119वीं जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ल ने कहा कि अब एक सोची समझी साजिश के तहत हमारी मस्जिदों को निशाना बनाने की कोशिश की जा रही है। ये बात मैंने बार-बार कही है। उन्होंने आगे कहा कि आप कहते हैं कि आप मुसलमानों का तुष्टिकरण नहीं करेंगे, तो ऐसा न करें, हम तुष्टिकरण नहीं चाहते। लेकिन हमें निशाना मत बनाओ।



उमर अब्दुल्ल ने कहा कि हमारी मस्जिदों, दरगाहों और जिय तरह हम अपने धर्म का पालन करते हैं उस पर हमला करके आप हमें प्रताड़ित कर रहे हैं और यह वह भारत नहीं है जिसका जम्मू-कश्मीर हिस्सा था। यह वह भारत नहीं है जिसकी हमारे संस्थापकों ने कल्पना की थी। पूर्व

सांसद और एनसी विधायक हसनैन मसूदी ने कहा कि यह सब पूजा स्थल (विशेष प्रावधान) अधिनियम के खिलाफ है। संभल में जो हुआ और अन्य स्थानों पर जो प्रयास किए जा रहे हैं - ये विभाजनकारी ताकतें हैं...ऐसी ताकतें हैं जो लोगों के बीच दरार पैदा करने का प्रयास कर रही हैं। यह राष्ट्रहित में नहीं है।

उमर अब्दुल्ल ने सुखबीर बादल पर हमले को लेकर भी बयान दिया। उन्होंने कहा कि कल

सुखबीर बादल पर हमले के बाद मैंने उनसे बात की। हमने स्थिति के बारे में बात की, जाहिर है, कुछ चीजें जो उन्होंने मेरे साथ साझा कीं, वे सार्वजनिक उपभोग के लिए नहीं हैं। लेकिन अगर फिर भी उनसे उम्मीद है कि वे मंजू नहीं हैं तो हमला हो सकता है तो ये चिंता की बात है। जाहिर है, इस पर गौर करने की जरूरत है, यह कैसे हुआ और यह सुनिश्चित करना है कि भविष्य में ऐसा न हो।

एकनाथ शिंदे युग खत्म हुआ, उन्हें किनारे कर दिया गया है... फडणवीस के शपथ ग्रहण से पहले संजय राउत का तंज

मुंबई (एजेंसी)। शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत ने गुरुवार को कहा कि एकनाथ शिंदे के शासन का युग खत्म हो गया है और दावा किया कि वह फिर कभी इस राज्य के सीएम नहीं बनेंगे। पत्रकारों से बात करते हुए संजय राउत ने भारतीय जनता पार्टी पर उनका इस्तेमाल करने और किनारे कर देने का आरोप लगाया। ऐसा एक दिन बाद हुआ जब भाजपा ने सर्वसम्मति से महाराष्ट्र में शीर्ष पद के लिए देवेन्द्र फडणवीस को

चुना। संजय राउत ने ने कहा शिंदे युग खत्म हो गया, वो सिर्फ वो साल के लिए था। उसका प्रयोग है। उन्होंने भाजपा पर अपना राजनीतिक रणनीति का इस्तेमाल करने का भी आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि ये शिंदे की पार्टी भी तोड़ सकते हैं, ये तो हमेशा से बीजेपी रही है। यह सवाल करते हुए कि बहुमत होने के बावजूद महायुति गठबंधन को सरकार बनाने में 15 दिन क्यों लगे, राउत ने सतारुद

नहीं कर रहे हैं। वे अपने स्वार्थ के कारण एक साथ आए हैं...लेकिन राज्य भर में लोग चुनाव नतीजों के खिलाफ सड़कों पर उतर आ रहे हैं, जिससे उन्हें यह मंजू नहीं है। फिर भी आज प्रदेश को सीएम मिल रहा है, हम उनका स्वागत करते हैं। शिवसेना (यूबीटी) सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने कहा कि मैं महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री को शुभकामनाएं देता हूँ। मुझे उम्मीद है कि वह महाराष्ट्र के लोगों से की गई अपनी सभी प्रतिबद्धताओं पर

खरे उतरेंगे। सीएम का चेहरा तय करने में सरकार को 10 दिन से अधिक का समय लग गया...तीनों के बीच इतने सारे मतभेदों को देखते हुए, मुझे उम्मीद है कि महाराष्ट्र के लोगों को परेशानी नहीं होगी। उन्होंने कहा कि बीजेपी की रणनीति अपने राजनीतिक सहयोगियों की पीठ में छुरा घोंपने की रही है। शिरोमणि अनादी दल, शिव सेना...वे (भाजपा) अपनी सुविधा के अनुसार इस्तेमाल करते हैं और फेंक देते हैं।



देश के सबसे बड़े बैंक में निष्क्रिय खातों पर नजर

- लोग सरकारी पैसे लेने के लिए खाता खोलते हैं, पैसे निकालकर खाता मूल जाते हैं

नई दिल्ली ।

देश के सबसे बड़े बैंक एसबीआई के चेयरमैन सीएस शेट्टी ने एक बड़ा बयान जारी किया है। उन्होंने कहा कि कई खाताधारक जिन्होंने सरकारी कार्यक्रमों के तहत वित्तीय मदद हासिल करने के लिए खाते खोले हैं, वे एक सीमित संख्या में लेनदेन ही करते हैं। इसके बाद उनके खाते निष्क्रिय हो जाते हैं। उन्होंने बताया कि ऐसे खातों के लिए बैंक नए नियमों के

लागू होने की स्थिति में है। इसके अलावा एसबीआई ने सप्ताहांत में निष्क्रिय खातों के खिलाफ एक विशेष अभियान भी घोषित किया है। लेकिन निष्क्रिय खातों की सटीक संख्या के बारे में जानकारी नहीं है।

चेयरमैन ने आरबीआई को इस मुद्दे पर कार्रवाई करने के लिए प्रेरित करने के लिए प्रस्तावित किए गए नियमों पर सहमति जताई है। इससे पहले एसबीआई ने भारतीय रिजर्व बैंक से गैर-वित्तीय लेनदेन



को सक्रिय करने के लिए नियमों में बदलाव करने की मांग की थी। इसके अलावा खाते की चालू राशि की जांच जैसे गैर-वित्तीय लेनदेन पर भी ध्यान देने की मांग की गई थी।

नए निर्यात अवसर: ट्रंप की निर्यात नीति और भारत

- भारत को इस अवसर का लाभ उठाने के लिए खुद को तैयार करना चाहिए

नई दिल्ली ।

नीति आयोग के मुख्य कार्यपालक अधिकारी बीवीआर सुब्रमण्यम ने बताया कि अमेरिका के नए राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा चीन और अन्य व्यापारिक साझेदारों पर लगाए गए उच्च सीमा शुल्क की घोषणा भारत के लिए नए निर्यात अवसरों को खोल सकती है। उनका मानना है कि ये कदम भारत के लिए सकारात्मक संकेत हो सकते हैं और भारत को इस अवसर का लाभ उठाने के लिए खुद को तैयार करना चाहिए। ट्रंप ने हाल ही में मेक्सिको और

कनाडा से आयात पर 25 प्रतिशत सीमा शुल्क और चीन से आयात पर 10 प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क लगाने की घोषणा की थी। सुब्रमण्यम के अनुसार ये कदम भारत के व्यापार में महत्वपूर्ण परिवर्तन ला सकते हैं और भारत के लिए बहुत बड़े अवसरों का द्वार खोल सकते हैं। इस समय, भारत अमेरिका के सबसे बड़े व्यापारिक साझेदारों में से एक है और पिछले वर्ष भारत ने अमेरिका को 77.51 अरब डॉलर के मूल्य में माल भेजा था। इस संदर्भ में नीति आयोग के अध्यक्ष सुमन बेरी ने भी व्यापार घाटे के मुद्दे पर सकारात्मक



दृष्टिकोण व्यक्त किया। उनका कहना है कि व्यापार केवल निर्यात के बारे में ही नहीं होता, बल्कि आयात भी उसी महत्वपूर्ण है। इस महत्वपूर्ण समय पर भारत को अपने व्यापार सम्बंधों में मजबूती बनाए रखने के लिए सक्रिय रूप से कदम उठाने की आवश्यकता है। व्यापारिक दृष्टि से भी, यह अवसर भारत के गतिशील और आत्मनिर्भर अर्थव्यवस्था के लिए एक सुनहरा अवसर हो सकता है।

दूरसंचार विभाग की पीएलआई के विस्तार की योजना

- विभाग की आगामी बजट के अंतर मंत्रालय परामर्श में पीएलआई का विस्तार प्रमुख मांग होगी

नई दिल्ली । दूरसंचार विभाग ने कहा है कि वह उत्पादों से जुड़ी उत्पादन से प्रोत्साहन योजना (पीएलआई) के विस्तार को बढ़ावा देने पर विचार कर रहा है। पीएलआई के विस्तार का मकसद दूरसंचार उपकरणों व नेटवर्क उत्पादों का घरेलू स्तर पर अधिक उत्पादन और 4जी व 5जी के गीयर के निर्यात की मांग को तेजी से पूरा करना है। अधिकारियों ने बताया कि विभाग की आगामी बजट के अंतर मंत्रालय परामर्श में पीएलआई का विस्तार प्रमुख मांग होगी। अधिकारियों ने कहा कि नए निवेश को आकर्षित करने के लिए इस योजना को बेहतर किया गया है। सितंबर के अंत तक 42 पीएलआई लाभार्थी प्रतिबद्ध किए गए 4,115 करोड़ रुपये में से 3,925 करोड़ रुपये का

निवेश कर चुके हैं। इस निवेश से 44,000 लोगों को नौकरी मिलने के का कहा गया था लेकिन 24,980 नौकरियों का ही सृजन हो सका है। अधिकारियों के अनुसार विभाग का लक्ष्य संशोधित योजना के ब्रू अधिक नौकरियों की संख्या को हासिल करना है। दूरसंचार विभाग के अनुसार भारत पीएलआई योजना के तहत 60 प्रतिशत आयात प्रतिस्थापन का लक्ष्य हासिल कर चुका है। इससे भारत सिंगल ऑप्टिकल फाइबर का इस्तेमाल कर पाइंट से मल्टीपाइंट नेटवर्क, ग्राहक परिसर उपकरण (सीपीई) और इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी) में इस्तेमाल होने वाले गीयर, गीगाबिट पैसिव ऑप्टिकल नेटवर्क गीयर, करीब-करीब आत्मनिर्भरता प्राप्त कर चुका है।

हालांकि 2024 तक 4जी और 5जी के सभी उपकरणों का निर्यात के लक्ष्य को हासिल करना बाकी है। अधिकारी का कहना है कि ऑप्टिकल उपकरणों, स्विच और राउटर्स के निर्यात की मांग वैश्विक स्तर पर बढ़ रही है। लिहाजा 5जी तकनीक का उपयोग करने वाले प्रमुख देशों की मांग पूरा करने के लिए अधिक मदद की जरूरत है। भारत की नीति में निवेश आकर्षित करने पर ध्यान केंद्रित किया गया है। भारत की दूरसंचार तकनीक में निवेश करने के लिए कोरिया, मॉरीशस, पापुआ न्यू गिनी सहित कई देशों ने रुचि दिखाई है। इस योजना की शुरुआत 2021 में की गई थी और इसमें पांच साल के लिए 12,195 करोड़ रुपये का आवंटन किया गया था।

सिग्नेचर ग्लोबल का बड़ा कदम: नोएडा और ग्रेटर नोएडा में नई उद्योग योजना

- कंपनी ने चालू वित्त वर्ष के लिए 10,000 करोड़ की बिक्री बुकिंग का अनुमान लगाया

नई दिल्ली ।

रियल एस्टेट उद्योग में एक बड़ी खबर सामने आई है। भारत की चुनौतीपूर्ण बाजार में अपनी अपूर्व क्षमताओं के साथ पहचान बनाने वाली कंपनी सिग्नेचर ग्लोबल, नोएडा और ग्रेटर नोएडा में प्रवेश करने की तैयारी में है। कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि सिग्नेचर ग्लोबल ने यह निर्णय लिया है कि वे नोएडा, ग्रेटर नोएडा, और यमुना एक्सप्रेसवे में जमीन के तलाश करेंगे। उन्होंने इस योजना को गुरुग्राम के बाजार से परे जमीन में अपने कारोबार का विस्तार करने की योजना बताई। अधिकारी ने हाल ही में एक उद्घाटन समारोह में कहा कि हमारा लक्ष्य इस वर्ष बिक्री बुकिंग में 25 प्रतिशत की वृद्धि करना है। हम आशा करते हैं कि हम नोएडा में अपनी पहली कदम रखेंगे और उससे उत्थानी को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कहा कि हमने चालू वित्त वर्ष के लिए 10,000 करोड़ रुपये की बिक्री बुकिंग का अनुमान लगाया है। हमने इस वित्त वर्ष की पहली छमाही (अप्रैल-सितंबर) में 5,900 करोड़ रुपये की बिक्री बुकिंग हासिल कर ली है। पहले छह महीनों में मजबूत प्रदर्शन को देखते हुए हमें अपने वार्षिक लक्ष्य से अधिक हासिल करने की पूरी उम्मीद है। सिग्नेचर ग्लोबल की बिक्री बुकिंग वित्त वर्ष 2024-25 की अप्रैल-सितंबर अवधि में तीन गुना होकर 5,900 करोड़ रुपये हो गई, जो पिछले वर्ष 2023-24 की इसी अवधि में 1,860 करोड़ रुपये थी। इस समाचार ने रियल एस्टेट बाजार में एक नया उल्हास भर दिया है और सिग्नेचर ग्लोबल की नैतिकता और उद्दीपन की दिशा में प्रशंसा किया है। यह कदम उम्मीदवार है कि उद्यमियों को और भी सफलता की ओर ले जाएगा।

स्कोडा ऑटो इंडिया ने काइलैक रेंज में आकर्षक कीमतों की घोषणा की, बुकिंग शुरू

जमशेदपुर/बिभा : कार के प्रति विशेष रुझान रखने वालों के लिए खुशखबरी है। स्कोडा ऑटो इंडिया ने अपनी नई सब-4 मीटर एसयूवी काइलैक को लॉन्च कर इस सेगमेंट में पहली बार कदम रखा है। काइलैक चार वैरिएंट्स में उपलब्ध होगी- क्लासिक, सिग्नेचर, सिग्नेचर+ और प्रेस्टीज। इसकी शुरुआती कीमत 7.89 लाख रुपए है, जबकि टॉप मॉडल काइलैक प्रेस्टीज एटी की कीमत 14.40 लाख रुपए होगी। ग्राहकों के लिए एक खास ऑफर में, पहले 33,333 ग्राहकों को 3 साल का स्टैंडर्ड मेंटेनेंस पैकेज (एसएमपी) मुफ्त मिलेगा। काइलैक के लिए बुकिंग शुरू हो चुकी है, और डिलीवरी 27 जनवरी, 2025 से

शुरू होगी। स्कोडा ऑटो इंडिया के ब्रांड डायरेक्टर, पेट्र जेनेबा ने बताया कि नई स्कोडा काइलैक भारत में हमारे लिए एक नई शुरुआत का संकेत है। यह न सिर्फ स्कोडा के लिए, बल्कि पूरे सेगमेंट के लिए एक गेम-चेंजर साबित होगी। यह भारतीय सड़कों पर यूरोप की उन्नत तकनीक को लोकप्रिय बनाएगी और हमारे ग्राहकों के अनुभव को और बेहतर बनाएगी। खास बात यह है कि हम पहले 33,333 ग्राहकों के लिए सेगमेंट में सबसे बेहतर स्वामित्व अनुभव दे रहे हैं। लॉन्च के समय काइलैक दो ट्रांसमिशन, चार वैरिएंट्स और सात रंगों के विकल्प के साथ उपलब्ध होगी। यह हार्ड परफॉर्मंस, कुशल



और विश्वसनीय 1.0 टीएसआई इंजन द्वारा संचालित है, जो 85 केडब्ल्यू की पावर और 178 एनएम का टॉर्क पैदा करता है, जिसमें छह-स्पीड मैनुअल या छह-स्पीड टॉर्क कन्वर्टर ऑटोमैटिक का विकल्प है। क्लासिक वैरिएंट में ग्राहकों को छह एयरबैग और 25 से अधिक एक्टिव और पैसिव फीचर्स मानक के रूप में मिलते हैं। एंटी-लॉक ब्रेकिंग सिस्टम, इलेक्ट्रॉनिक ब्रेकफोस इंलेक्ट्रॉनिक स्टेबिलिटी कंट्रोल, स्टीयरिंग व्हील के लिए टिल्ट और रीच एडजस्टमेंट, सभी पाँच सीटों के लिए हेड रेस्ट्रेट और थ्री-पॉइंट सीट बेल्ट, इलेक्ट्रिक मिरर, रियर पार्क डिस्टेंस कंट्रोल, ड्राइवर का डेड पेडल, ऑटोमैटिक स्पीड सेंसिटिव सेंट्रल लॉकिंग और फुल एलईडी लाइटिंग जैसी सेफ्टी फीचर्स अन्य

एचडीएफसी लाइफ इंश्योरेंस के 1.6 करोड़ ग्राहकों का डेटा लीक

लीक हुए डेटा में सेसिटिव ग्राहक जानकारी है, ग्राहक अलर्ट रहें

नई दिल्ली ।

साइबर सिक् योरिटी ऑर्गेनाइजेशन साइबरपीस की रिपोर्ट में कहा कि एचडीएफसी लाइफ इंश्योरेंस के 1.6 करोड़ ग्राहकों का डेटा डार्क वेब फोरम पर 2,00,000 यूएसडॉलर (डेथर क्रिप्टोकॉरेसी) में बिक रहा है। साइबरपीस का कहना है कि लीक हुए डेटा में सेसिटिव ग्राहक जानकारी है, जिसमें पॉलिसी नंबर, नाम, मोबाइल नंबर, डेट ऑफ बर्थ, ईमेल एड्रेस, एड्रेस, हेल्थ स्टेटस आदि शामिल हैं। पॉलिसी नंबर और पर्सनल डिटेल्स लीक होने के कारण साइबरपीस ने लोगों से कहा है कि वे अलर्ट रहें। पिछले महीने के आखिर में एचडीएफसी लाइफ इंश्योरेंस ने कहा कि डेटा लीक के कुछ मामले सामने आए हैं और वे इस उल्लंघन के संभावित असर का आकलन कर रहे हैं। एचडीएफसी लाइफ ने एक रेगुलेटरी फाइलिंग में कहा कि हमें एक अज्ञात सोर्स से सूचना हासिल हुई है, जिसने हमारे ग्राहकों के कुछ डेटा फील्ड को हमारे साथ शेयर किया है। संभावित असर का आकलन करने के लिए इसकी आगे की जांच जारी है। साइबरपीस के मुताबिक 1.6 करोड़ ग्राहकों के



डेटा को 100,000 रिकॉर्ड से शुरू करके छोटी मात्रा में बेचा जा रहा है। साइबर सिक् योरिटी ऑर्गेनाइजेशन ने कहा कि इस उल्लंघन के लिए जिम्मेदार साइबर क्रिमिनल की पहचान अज्ञात है। साइबरपीस की जांच से पता चलता है कि हैकर्स ने पहले ही इंटरस्टेट पार्टीज को डेटा का बड़ा हिस्सा बेच दिया है, जिससे इसके दुरुपयोग को लेकर गंभीर चिंताएं पैदा हो रही हैं। अक्टूबर में भी स्टार हेल्थ को लेकर कुछ ऐसी ही रिपोर्ट्स सामने आई थीं, जिसमें बताया गया था कि स्टार हेल्थ के ग्राहकों का डेटा बिक्री के लिए उपलब्ध था। हैकर्स ने कथित तौर पर स्टार हेल्थ के 3.1 करोड़ से ज्यादा ग्राहकों से संबंधित पूरे 7.24 टीबी डेटा को 150,000 डॉलर में एक वेबसाइट पर बिक्री के लिए डाल दिया था।

विशाल मेगा मार्ट का आईपीओ 11 दिसंबर को खुलेंगा

आईपीओ के दस्तावेजों के अनुसार इसमें कोई नया निर्गम शामिल नहीं

नई दिल्ली । भारत के सुपरमार्केट सेगमेंट की अग्रणी कंपनी विशाल मेगा मार्ट ने घोषित किया है कि वह 8,000 करोड़ रुपये के आर्थिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) का आयोजन 11 दिसंबर को करेगी। यह आईपीओ 13 दिसंबर तक खुला रहेगा और बड़े निवेशक 10 दिसंबर को बोली लगा सकेंगे। आईपीओ के दस्तावेजों के अनुसार इसमें कोई नया निर्गम शामिल नहीं है और इसे पूरी तरह से प्रवर्तक समयत सर्विसेज एलएलपी के द्वारा शेयरों की बिक्री पेशकश की जा रही है। विशाल मेगा मार्ट की वर्तमान मालिकी में समयत सर्विसेज एलएलपी की 96.55 प्रतिशत हिस्सेदारी है। विशाल मेगा मार्ट के संयोजकों ने बताया कि साल 2024 तक उनके पास भारत में 626 सक्रिय स्टोर होंगे, जिनमें उनकी एक मोबाइल ऐप और वेबसाइट भी शामिल होगी। विशाल मेगा मार्ट के इस आईपीओ का अवलोकन वित्तीय बाजार में बड़े ही उत्साह से किया जा रहा है और उम्मीद है कि यह अच्छे सम्पत्ति चयन का माध्यम बन सकता है।

फीचर्स के साथ मानक फीचर्स के तौर पर मिलते हैं। काइलैक का सिग्नेचर वैरिएंट टायर प्रेशर मॉनिटरिंग, क्रूज कंट्रोल, आर16 अलॉय, वायरड एंड्रॉइड ऑटो और एप्पल कारपले, कूलड ग्लोबलॉक्स, यूएसबी-सी सॉकेट, 17.7 सेमी (7 इंच) स्कोडा टच इंफोटेनमेंट सिस्टम, मल्टीफंक्शनल स्टीयरिंग व्हील, एडजस्टेबल रियर सीट वेट और बहुत सारे फीचर्स के साथ आता है। सिग्नेचर+ वैरिएंट में वायरलेस एंड्रॉइड ऑटो और एप्पल कारपले, 25.6 सेमी (10.1-इंच) स्कोडा टच इंफोटेनमेंट सिस्टम और ड्राइवर के लिए 20.32 सेमी (8-इंच) वर्चुअल कोकपिट शामिल हैं। टॉप-ऑफ-द-लाइन प्रेस्टीज

वैरिएंट में इलेक्ट्रिक सनरूफ, आर17 डुअल टोन एलॉय व्हील्स, ऑटो हेडलैम्प और वाइपर, कॉन्निंग फंक्शन के साथ एलईडी फॉगलैम्प, एम्बिएंट इंटीरियर लाइटिंग, सीट वेंटिलेशन के साथ छह-तरफा इलेक्ट्रिकली एडजस्टेबल फ्रंट सीट और स्टीयरिंग-माउंटेड पैडल-शिफ्टर्स जैसी सुविधाएँ शामिल हैं। काइलैक को बुक करने वाले पहले 33,333 ग्राहकों को 3 साल का मानक रखरखाव पैकेज भी मिलेगा। काइलैक 3 साल प्रति 100,000 किलोमीटर की मानक वॉरंटी भी प्रदान करता है। इसके साथ ही, काइलैक पूरी रेंज में छह साल की एंटी-जंग वॉरंटी भी प्रदान करता है।

बिटकॉइन के भाव ने पार किया 100,000 डॉलर का स्तर

- पिछले महीने चुनावों के बाद से बिटकॉइन की मांग और मूल्य दोनों में ही रहीं बढ़ोतरी

न्यूयॉर्क । दुनिया की सबसे प्रमुख क्रिप्टोकॉरेसी बिटकॉइन, ने 100,000 अमेरिकी डॉलर के स्तर को पार कर दिखाया है। इस भारी उछाल के पीछे अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नामितकरण के संदेश हो सकते हैं। ट्रंप ने हाल ही में पॉल एटकिंस को प्रतिभूति एवं विनियम आयोग (एसईसी) के नए अध्यक्ष नामित किया था। इस चयन से क्रिप्टोकॉरेसी के प्रति उनके सावधान रुख का संकेत मिला और बिटकॉइन के भाव में तेजी आई। ट्रंप ने अटकेंस को उनके एक पूर्वाधिकारी गेर्ज डब्ल्यू बुश के राष्ट्रपति काल के दौरान एसईसी के आयुक्त नामित किया था। पिछले महीने के चुनावों के बाद से बिटकॉइन की मांग और मूल्य दोनों में बढ़ोतरी देखी जा रही है। इस उच्चतम स्तर पर पहुंचने के बाद बिटकॉइन ने नई मील स्तंभ का निशान साबित किया है और सभी दिशाएं इसके अगले कदम की ओर इशारा कर रही हैं।

ऑडी इंडिया के नए साल में बदल जाएंगे सभी माडल्स के नाम



नई दिल्ली ।

ऑडी इंडिया ने अपने सभी मांडलों की कीमतें बढ़ाने का निर्णय लिया है, जो 1 जनवरी 2025 से लागू होंगे। ऑडी इंडिया ने सोमवार को घोषणा की कि उनके सभी वाहन जनवरी 2025 से तीन प्रतिशत तक महंगे हो जाएंगे। ऑडी इंडिया भारत में ए4, ए6, क्यू3, क्यू5 और क्यू7 जैसे प्रीमियम मांडल्स बेचती है। कंपनी ने कहा कि बड़ी हुई लागत, मुद्रास्फीति के दबाव और परिचालन खर्चों को ध्यान में रखते हुए यह कदम उठाना जरूरी है। ऑडी इंडिया के प्रमुख बलबीर सिंह दिवें ने कहा, 'कीमतों में यह संशोधन कंपनी और डीलर भागीदारों के लिए स्थायी वृद्धि सुनिश्चित करने के लिए जरूरी है। हम ग्राहकों पर इसका असर कम से कम डालने की कोशिश करेंगे।' बीएमडब्ल्यू इंडिया ने भी अपने सभी मांडलों की कीमतें तीन प्रतिशत तक बढ़ाने का ऐलान किया है। नई दरें 1 जनवरी 2025 से प्रभावी होंगी। कंपनी ने कहा कि यह वृद्धि बाजार पर बिक्री के लिए डाल दिया था।

बढ़ने के कारण आवश्यक है। मर्सिडीज-बेंज इंडिया ने भी अपने वाहनों की कीमतों में 3 प्रतिशत तक की वृद्धि का ऐलान किया है। कंपनी ने बताया कि भारत में उनके लोकप्रिय मांडल्स की कीमतों में लाखों रुपये तक का इजाफा होगा। अगर आप किसी लग्जरी कार को खरीदने की योजना बना रहे हैं, तो दिसंबर ही आपके लिए सबसे बेहतर मौका है। 1 जनवरी के बाद इन सभी ब्रांड्स की कारें महंगी हो जाएंगी। कीमतों में यह बढ़ोतरी ऑटो सेक्टर में लागत और परिचालन खर्चों को संभालने के लिए अनिवार्य मानी जा रही है। नया साल लग्जरी कार खरीदने वालों की जेब पर भारी पड़ सकता है। बता दें कि दिसंबर का महीना खत्म होते ही नए साल की शुरुआत के साथ कई ऑटो कंपनियां अपने वाहनों की कीमतों में इजाफा करने की तैयारी कर रही हैं। पहले ही मर्सिडीज और बीएमडब्ल्यू जैसी लग्जरी कार निर्माता कंपनियां कीमत बढ़ाने की घोषणा कर चुकी हैं। अब इस फेहरिस्त में ऑडी इंडिया का नाम भी जुड़ गया है।



बिटकॉइन के भाव ने पार किया 100,000 डॉलर का स्तर

- पिछले महीने चुनावों के बाद से बिटकॉइन की मांग और मूल्य दोनों में ही रहीं बढ़ोतरी

न्यूयॉर्क । दुनिया की सबसे प्रमुख क्रिप्टोकॉरेसी बिटकॉइन, ने 100,000 अमेरिकी डॉलर के स्तर को पार कर दिखाया है। इस भारी उछाल के पीछे अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नामितकरण के संदेश हो सकते हैं। ट्रंप ने हाल ही में पॉल एटकिंस को प्रतिभूति एवं विनियम आयोग (एसईसी) के नए अध्यक्ष नामित किया था। इस चयन से क्रिप्टोकॉरेसी के प्रति उनके सावधान रुख का संकेत मिला और बिटकॉइन के भाव में तेजी आई। ट्रंप ने अटकेंस को उनके एक पूर्वाधिकारी गेर्ज डब्ल्यू बुश के राष्ट्रपति काल के दौरान एसईसी के आयुक्त नामित किया था। पिछले महीने के चुनावों के बाद से बिटकॉइन की मांग और मूल्य दोनों में बढ़ोतरी देखी जा रही है। इस उच्चतम स्तर पर पहुंचने के बाद बिटकॉइन ने नई मील स्तंभ का निशान साबित किया है और सभी दिशाएं इसके अगले कदम की ओर इशारा कर रही हैं।

वनप्लस अगले तीन साल में भारत में करेगी 6,000 करोड़ का निवेश

- वनप्लस ने प्रोजेक्ट स्टारलाइट की शुरुआत करने का निर्णय लिया

नई दिल्ली । वनप्लस चीन की एक प्रमुख स्मार्टफोन निर्माता कंपनी ने भारत में व्यापार में बड़ी निवेश योजना की घोषणा की है। कंपनी की इस योजना के अनुसार अगले तीन सालों में वनप्लस भारतीय बाजार में 6,000 करोड़ रुपये तक निवेश करेगी। वनप्लस ने प्रोजेक्ट स्टारलाइट की शुरुआत करने का निर्णय लिया है, जिसमें कंपनी भारत में उत्पाद नवाचार को बढ़ावा देने और सेवाओं में सुधार करने के लिए 2,000 करोड़ रुपये का निवेश करेगी। प्रोजेक्ट स्टारलाइट निवेश की मुख्य धाराओं में अधिक टिकाऊ उपकरण बनाने, ग्राहक सेवकों में उत्कृष्टता बढ़ाने और भारत-विशिष्ट विशेषताओं को विकसित करने का उद्देश्य है। वनप्लस के भारत में एक प्रमुख अधिकारी ने इस निवेश की उच्च प्राधान्यता को दर्शाते हुए कहा कि भारत उनके लिए प्रमुख बाजार है और वे भारतीय समुदाय का साथ और समर्थन प्राप्त करने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि यह निवेश कंपनी के ब्रांड के भविष्य के लिए महत्वपूर्ण है और उत्पादों और सेवाओं में नवाचार लाने में मदद करेगा। वनप्लस की यह बड़ी निवेश भारतीय स्मार्टफोन बाजार में एक नया मुकाम स्थापित कर सकती है और वनप्लस को भारत में एक मान्य ब्रांड बनाने में मदद कर सकती है।

हुई एक जनवरी से अपने वाहनों की कीमत 25,000 तक बढ़ाएगी

नई दिल्ली । हुई मोटर इंडिया लिमिटेड ने गुरुवार को घोषणा की कि वह अपने विभिन्न मांडल वाहनों की कीमतों में एक जनवरी 2025 से 25,000 रुपये तक की वृद्धि करेगी। कंपनी ने बताया कि कच्चे माल की लागत में वृद्धि, प्रतिकूल विनियम दर और लॉजिस्टिक्स लागत में वृद्धि के कारण मूल्य वृद्धि आवश्यक हो गई है। इस निर्णय के साथ कंपनी ने यह सुनिश्चित किया कि मूल्य वृद्धि सभी मांडलों पर लागू होगी और इसकी सीमा 25000 रुपये तक होगी। कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह निर्णय कहा कि एक मूल्य समायोजन के जरिये वहन करना अनिवार्य हो गया है, क्योंकि कंपनी ने हमेशा ग्राहकों पर कम प्रभाव डालने का प्रयास किया है। वर्तमान में एचएमआईएल की विभिन्न वाहन श्रृंखलाओं की कीमत 5.92 से 46.05 लाख रुपये के बीच है। उन्होंने बताया कि यह मूल्य वृद्धि 2025 के सभी मांडलों पर प्रभावित होगी।



ऑस्ट्रेलिया ने पहले वनडे में भारतीय महिला टीम को हराया, मेगन ने झटके पांच विकेट

एजेंसी। नई दिल्ली

ऑस्ट्रेलियाई महिला क्रिकेट टीम ने गुरुवार को ब्रिस्बेन में भारत के खिलाफ पहले एकदिवसीय मैच में पांच विकेट से आसान जीत दर्ज की। इस जीत के साथ ऑस्ट्रेलिया ने तीन मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला में 1-0 की बढ़त हासिल कर

ली है।

जीत की नींव ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों ने रखी, जिन्होंने पहले भारत को सिर्फ 100 रन पर ढेर कर दिया और फिर इसके बाद 33 ओवर शेष रहते ही लक्ष्य हासिल कर लिया। तेज गेंदबाज मेगन स्कट ने ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजी आक्रमण की अगुआई करते हुए पहली बार एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैच में पांच विकेट चटकाए, जिससे भारतीय टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए 34.2 ओवर में केवल 100 रनों पर ढेर हो गई। भारत के लिए जेमिमा रॉड्रिग्स ने सर्वाधिक 23 रन बनाए। जेमिमा के अलावा हरलीन देओल ने 19 और कप्तान हरमनप्रीत कौर

ने 17 रन बनाए।

101 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी ऑस्ट्रेलियाई टीम की ओर से ओपनर फोबे लिचफील्ड ने 29 गेंदों में 35 रनों की पारी खेली। उनकी पारी में दो ओवरों में लगातार छह चौके शामिल थे, जिससे घरेलू टीम लक्ष्य की ओर तेजी से बढ़ रही थी। हालांकि रेणुका ठाकुर ने तीन विकेट लेकर भारत को वापसी दिलाने की कोशिश की, लेकिन डेब्यू कर रही ओपनर जॉजिया वोल ने दबाव का सामना करते हुए 42 गेंदों में नाबाद 46 रनों की शानदार पारी खेलकर अपनी टीम को आसान जीत दिलाई। ऑस्ट्रेलिया ने 16.2 ओवरों में 5 विकेट के नुकसान पर लक्ष्य हासिल कर लिया।

ऑस्ट्रेलिया ने तीन मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला में 1-0 की बढ़त हासिल कर ली

आईसीसी ने घोषित किए नवंबर के 'मैस प्लेयर ऑफ द मंथ अवार्ड' के नामित खिलाड़ियों के नाम

एजेंसी। नई दिल्ली

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने गुरुवार को नवंबर महीने के लिए मैस प्लेयर ऑफ द मंथ अवार्ड के लिए नामित खिलाड़ियों के नामों की घोषणा की है। आईसीसी द्वारा जारी लिस्ट में भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह, दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज मार्को जेनसन, पाकिस्तान के तेज गेंदबाज हारिस रऊफ शामिल हैं। जसप्रीत बुमराह को पर्थ में ऑस्ट्रेलिया पर भारत की टेस्ट जीत में शानदार गेंदबाजी के लिए नामांकित किया गया है। शॉर्टलिस्ट में उनके साथ दक्षिण अफ्रीका के मार्को जेनसन भी हैं, जिन्होंने श्रीलंका के खिलाफ प्रोटेस्टाज की टेस्ट जीत में गेंद से कमाल करने से पहले भारत के खिलाफ टी20 सीरीज में धमाकेदार प्रदर्शन किया था। इस लिस्ट में तीसरा नाम पाकिस्तान के हारिस रऊफ का है, जिन्होंने 2002 के बाद से पाकिस्तान टीम की ऑस्ट्रेलिया में पहली वनडे सीरीज जीतने में योगदान दिया।



जसप्रीत बुमराह

बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी सीरीज के पहले टेस्ट में जसप्रीत बुमराह ने शानदार प्रदर्शन किया। पर्थ टेस्ट में बुमराह ने पहली पारी में 30 रन देकर 5 विकेट हासिल किए थे। इसके बाद दूसरी पारी में 42 रन देकर 3 विकेट चटकाए थे। उनके प्रभावशाली प्रदर्शन के चलते भारत ने बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के पहले टेस्ट में 295 रन से जीत हासिल की। दोनों पारियों में उनके शानदार स्पेल ने उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार दिलाया।



हारिस रऊफ

हारिस रऊफ ने ऑस्ट्रेलिया में पाकिस्तान की ऐतिहासिक वनडे सीरीज जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई - जो पिछले 22 वर्षों में उनकी पहली जीत थी। दाएं हाथ के तेज गेंदबाज ने मेलबर्न में तीन विकेट लेकर सीरीज की शुरुआत की। हालांकि, दूसरे वनडे में 31 वर्षीय गेंदबाज ने अपनी असली चमक बिखेरी और सीरीज में बराबरी के लिए अंतिम पांच विकेट लिए। उन्होंने अंतिम मैच में दो और विकेट चटकाए, तथा मात्र पांच की इकॉनमी से 10 विकेट लेकर श्रृंखला में शीर्ष विकेट लेने वाले गेंदबाज के रूप में समाप्त किया, जिससे पाकिस्तान ने श्रृंखला 2-1 से जीत ली। रऊफ ने बाद में टी20 सीरीज में भी अपनी फॉर्म जारी रखी और पांच विकेट लिए, जिसमें दूसरे टी20 में चार विकेट शामिल थे। उन्होंने जिम्बाब्वे के खिलाफ तीन वनडे मैचों में तीन और विकेट लेकर महीने का समापन किया और नवंबर में सभी प्रारूपों में 18 शिकार किए।

मार्को जेनसन

24 वर्षीय खिलाड़ी मार्को जेनसन ने नवंबर में सभी प्रारूपों में अपनी हरफनमौला प्रतिया का प्रदर्शन किया। भारत के खिलाफ टी20 सीरीज में, जेनसन ने न केवल गेंद से योगदान दिया, बल्कि बल्ले से भी रन बनाए। पहले तीन मैचों में से प्रत्येक में एक विकेट लिया और बल्ले से भी रन बनाए। तीसरे टी20 में 17 गेंदों में 54 रन और चौथे में नाबाद 29 रन बनाकर सुर्खियां बटोरीं। हालांकि उनके प्रयासों के बावजूद, दक्षिण अफ्रीका 3-1 से सीरीज हार गया। जेनसन का सबसे उल्लेखनीय प्रदर्शन डरबन में श्रीलंका के खिलाफ पहले टेस्ट में रहा। उन्होंने 11/86 के अपने करियर के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के साथ मेहमान टीम को ध्वस्त कर दिया। पहली पारी में उनके सात विकेटों की बदौलत श्रीलंका सिर्फ 42 रन पर रिम्ट गई। इसके बाद उन्होंने दूसरी पारी में चार और विकेट चटकाए, जिससे दक्षिण अफ्रीका को 233 रनों की शानदार जीत मिली।



ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरा टेस्ट आज

जीत का सिलसिला बनाये रखने उतरेगी भारतीय टीम



मैच सुबह 9.30 बजे से

- भारतीय टीम ने पर्थ में हुए पहले टेस्ट में 295 रनों से बड़ी जीत दर्ज की है
- पहले टेस्ट में के एल राहुल ने यशस्वी जायसवाल के साथ पारी की शुरुआत करते हुए शानदार साझेदारी बनायी थी
- एडिलेड में खेले गए दिन रात्रि टेस्ट में अपनी पहली पारी में 36 रन पर आउट हो गया थी

एजेंसी। एडिलेड

दोनों टीम

ऑस्ट्रेलिया : पेट कमिंस (कप्तान), स्कॉट बोलेड, एलेक्स कैरी, ट्रैविंस हेड, उस्मान ख्वाजा, मार्नस लाबुशेन, नाथन लियोन, मिच मार्श, नाथन मैकस्वीनी, स्टीव स्मिथ, मिशेल स्टार्क।
भारतीय टीम : रोहित शर्मा (कप्तान), जसप्रीत बुमराह, यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल, अभिमन्यु ईश्वरन, देवदत्त पडिक्कल, शुभमन गिल, विराट कोहली, ऋषभ पंत, सरफराज खान, ध्रुव जुरेल, रविचंद्रन अश्विन, रवींद्र जडेजा, मोहम्मद सिराज, आकाश दीप। प्रसिद्ध कृष्णा, हार्थित राणा, नितीश कुमार रेड्डी, वाशिगटन सुंदर।

भारतीय क्रिकेट टीम शुक्रवार से यहां मेजबान ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाले दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में जीत के इरादे से उतरेगी। ये मैच दिन-रात का है और इसलिए गुलाबी गेंद से खेला जाएगा। इस मैच से कप्तान रोहित शर्मा और शुभमन गिल टीम में वापसी करेंगे। रोहित दूसरे बच्चे के जन्म के कारण पर्थ में खेले गये पहले टेस्ट में शामिल नहीं थे जबकि शुभमन चोटिल होने के कारण बाहर थे। भारतीय टीम ने पर्थ में हुए पहले टेस्ट में 295 रनों से बड़ी जीत दर्ज की है जिससे उसका मनोबल बढ़ा हुआ है। ऐसे में वह दूसरे टेस्ट में भी जीत के साथ ही सीरीज में अपनी बढ़त को और आगे ले जाना चाहेगी। पहले टेस्ट में के एल राहुल ने यशस्वी जायसवाल के साथ पारी की शुरुआत करते हुए शानदार साझेदारी बनायी थी। इसी के बाद से ही सवाल उठ रहे थे कि कप्तान रोहित की वापसी के बाद वह पारी की शुरुआत करेंगे या राहुल और यशस्वी को ही ये जिम्मेदारी देंगे। इस का जवाब रोहित ने दिया है और कहा है कि राहुल और यशस्वी ही पारी शुरू करेंगे और वह मध्यक्रम में जरूरत के अनुसार उतरेंगे। वहीं शुभमन किस जगह पर उतरेंगे ये भी देखना होगा।

भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया के अपने पिछले दौर में एडिलेड में खेले गए दिन रात्रि टेस्ट क्रिकेट मैच में अपनी पहली पारी में 36 रन पर आउट हो गया थी लेकिन इसके बाद उसने अच्छी वापसी करके श्रृंखला जीती थी। इस बार भारतीय टीम पहले मैच में जीत से उत्साह से उत्साहित है, इसलिए वह गुलाबी गेंद वाले इस मैच में बड़े हुए मनोबल से उतरेंगे। दिन-रात्रि टेस्ट मैच हालांकि भारतीय बल्लेबाजों के सामने अलग तरह की चुनौती पेश करेगा। गुलाबी गेंद से अतिरिक्त सीम मूवमेंट मिलता है और भारतीय बल्लेबाजों को इससे पार पाने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ खेल दिखाना होगा। ऑस्ट्रेलिया का दिन रात्रि टेस्ट मैच में रिकॉर्ड अच्छा रहा है। उसने अभी तक घरेलू धरती पर जी 12 दिन रात्रि टेस्ट मैच खेले हैं उनमें से उसे केवल एक मैच में हार का सामना करना पड़ा लेकिन पहले टेस्ट मैच में करारी शिकस्त झेलने के कारण इस बार उसकी

बाद उसने अच्छी वापसी करके श्रृंखला जीती थी। इस बार भारतीय टीम पहले मैच में जीत से उत्साह से उत्साहित है, इसलिए वह गुलाबी गेंद वाले इस मैच में बड़े हुए मनोबल से उतरेंगे। दिन-रात्रि टेस्ट मैच हालांकि भारतीय बल्लेबाजों के सामने अलग तरह की चुनौती पेश करेगा। गुलाबी गेंद से अतिरिक्त सीम मूवमेंट मिलता है और भारतीय बल्लेबाजों को इससे पार पाने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ खेल दिखाना होगा। ऑस्ट्रेलिया का दिन रात्रि टेस्ट मैच में रिकॉर्ड अच्छा रहा है। उसने अभी तक घरेलू धरती पर जी 12 दिन रात्रि टेस्ट मैच खेले हैं उनमें से उसे केवल एक मैच में हार का सामना करना पड़ा लेकिन पहले टेस्ट मैच में करारी शिकस्त झेलने के कारण इस बार उसकी

एडिलेड में ओपनिंग करेंगे केएल राहुल रोहित शर्मा ने की पुष्टि

एडिलेड। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने पुष्टि की है कि केएल राहुल शुक्रवार से एडिलेड में शुरू होने वाले दूसरे बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी टेस्ट में यशस्वी जायसवाल के साथ पारी की शुरुआत करना जारी रखेंगे। मैच की पूर्व संध्या पर एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में रोहित ने खुलासा किया कि वह मध्य क्रम में बल्लेबाजी करेंगे, हालांकि उन्होंने सटीक स्थान नहीं बताया। रोहित ने कहा, मैं पहले टेस्ट में घर से केएल राहुल की बल्लेबाजी देख रहा था। उन्होंने शानदार प्रदर्शन किया, इसलिए उनकी स्थिति बदलने की कोई जरूरत नहीं है। केएल इस समय उस स्थान के हकदार हैं। मैं मध्य क्रम में कहीं बल्लेबाजी करूंगा। राहुल ने पर्थ में महत्वपूर्ण रन (26 और 77) बनाए थे, जिसमें भारत की 295 रनों की शानदार जीत में अहम भूमिका निभाई थी।

एजेंसी। नई दिल्ली

एजेंसी। नई दिल्ली

बजरंग पुनिया ने किया किसानों का समर्थन

एजेंसी। सोनीपत

ओलंपिक कांस्य पदक विजेता पहलवान बजरंग पुनिया ने कहा है कि वह हमेशा किसानों के साथ रहेंगे। किसानों के दिल्ली कूच की घोषणा को लेकर बजरंग ने ये बात कही। उन्होंने कहा कि वह किसानों के साथ कल भी थे, और आगे भी रहेंगे। साथ ही कहा, "यह दुख की बात है कि जब हमारे किसान भाई आंदोलन कर रहे थे, तब उनकी शहादत भी हुई और अब भी आंदोलन जारी है पर उनकी समस्या हल नहीं हुई। किसानों को शांतिपूर्वक अपनी मांगें रखने का अधिकार है पर उन्हें रोका जा रहा है। उन्होंने कहा, "हमारे उपराष्ट्रपति ने भी यह सवाल उठाया कि अगर सरकार ने लिखित में किसानों से न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) देने का वादा किया था, तो अब तक किसानों को वह क्यों नहीं दिया गया? उनके इस बयान का हम स्वागत करते हैं क्योंकि वह किसानों की आवाज



उठाने के लिए आगे आए हैं। किसानों की मुख्य मांग है कि उन्हें अपनी फसलों का न्यूनतम समर्थन मूल्य मिले जिससे वे अपनी जिंदगी ठीक से चला सकें। यह कोई बड़ी मांग नहीं है, हर व्यक्ति को उसकी मेहनत के अनुसार मूल्य मिलना चाहिए।" इसलिए चाहे वह शंभू बॉर्डर पर आंदोलन हो या किसी और जगह, मेरा समर्थन किसानों के साथ है।" उन्होंने कहा, "खिलाड़ियों ने जो आंदोलन किया था, वह उनके अधिकारों के लिए था, और राजनीति से परे था। हमें यह समझना चाहिए कि राजनीति अपने दम पर की जाती है, न कि किसी और का नाम लेकर।"

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी

बड़ौदा ने बनाया टी20 क्रिकेट में सबसे बड़ा टीम स्कोर

एजेंसी। नई दिल्ली

बड़ौदा ने गुरुवार को इंदौर में सिविकम के खिलाफ 20 ओवर में पांच विकेट पर 349 रन बनाकर टी20 क्रिकेट में सर्वोच्च टीम स्कोर हासिल किया। इस उल्लेखनीय उपलब्धि के साथ ही वह सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में 300 रन का आंकड़ा पार करने वाली पहली टीम भी बन गई। इससे पहले, जिम्बाब्वे के नाम टी20 क्रिकेट में सबसे अधिक (344 रन) टीम स्कोर का रिकॉर्ड दर्ज था, जो उन्होंने इस साल अक्टूबर में गाम्बिया के खिलाफ बनाए थे। बड़ौदा टीम की अगुआई बल्लेबाज धानु पनिया ने की, जो सिर्फ 51 गेंदों पर 134 रन बनाकर नाबाद रहे। अभिमन्यु सिंह, विष्णु सोलंकी और शिवालय शर्मा ने भी अर्धशतकों के साथ महत्वपूर्ण योगदान दिया। विशेष रूप से,

टी20 क्रिकेट में सर्वोच्च टीम स्कोर

- बड़ौदा 349/5 बनाम सिविकम - 2024
- जिम्बाब्वे 344/4 बनाम गाम्बिया - 2024
- नेपाल 314/3 बनाम मंगोलिया - 2023
- भारत 297/6 बनाम बांग्लादेश - 2024

टूर्नामेंट के पहले दौर में भाग लेने वाले भारत के ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या को इस मैच के लिए शुरुआती लाइनअप में शामिल नहीं किया गया था। सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में पिछला सर्वोच्च टीम स्कोर पिछले संस्करण में अंध्र के खिलाफ 275 रन बनाए थे।

न्यूजीलैंड ने इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट के लिए प्लेइंग इलेवन में कोई बदलाव नहीं

एजेंसी। वेलिंगटन

न्यूजीलैंड ने गुरुवार को वेलिंगटन में इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज के आगामी दूसरे टेस्ट मैच के लिए प्लेइंग इलेवन घोषित कर दी है। टीम में कोई परिवर्तन नहीं किया गया है और उसी टीम को बरकरार रखा गया है, जिसने पहला टेस्ट मैच खेला था। इससे पहले क्राइस्टचर्च में पहले टेस्ट में, इंग्लैंड ने आठ विकेट से जीत हासिल की, जिससे उन्हें कीवी टीम के खिलाफ टेस्ट सीरीज में 1-0

की बढ़त लेने में मदद मिली। आईसीसी के अनुसार, अपने पिछले 47 टेस्ट मैचों में, कीवी टीम ने आगामी वेलिंगटन टेस्ट सहित केवल तीन बार अपरिवर्तित टेस्ट एकादश की घोषणा की है। इस बीच, इंग्लैंड ने भी एक अपरिवर्तित प्लेइंग इलेवन की घोषणा की है। मैच से पहले प्रेस कॉन्फ्रेंस में न्यूजीलैंड के कप्तान टॉम लैथम ने पहले टेस्ट में अपनी टीम के प्रदर्शन पर निराशा व्यक्त की और कहा कि उन्होंने फील्डिंग पर अतिरिक्त ध्यान नहीं दिया।

ऐतिहासिक अबू धाबी टी10 के सबसे बड़े सीजन का हुआ समापन



140 अंतरराष्ट्रीय सितारों ने बिखेरा जलवा

एजेंसी। अबू धाबी

डेक्कन ग्लेडियेटर्स के चैंपियन बनने के साथ ही 2 दिसंबर को अबू धाबी टी10 लीग 2024 का समापन हो गया, खिताबी मुकाबले में डेक्कन ग्लेडियेटर्स ने मॉरिसविले सैंप आर्मी को आठ विकेट से हराकर खिताब जीता। आठवें सीजन में टूर्नामेंट की लोकप्रियता काफी बढ़ गई, जिसमें जोस बटलर, निकोलस पूरन, ट्रेट बॉल्ट और कीरोन पौलार्ड जैसे कुछ बेहतरीन क्रिकेटर्स ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई और दुनिया भर के प्रशंसकों ने वैश्विक प्रसारण के माध्यम से सबसे छोटे प्रारूप का आनंद लिया। ग्लेडियेटर्स अब टूर्नामेंट के इतिहास की सबसे सफल टीम हैं क्योंकि उन्होंने इस सीजन में अपना रिकॉर्ड तीसरा खिताब जीता है। उनके तीन

खिलाड़ियों ने टूर्नामेंट के अंत में महत्वपूर्ण पुरस्कार भी जीते, जिसमें उनके स्टार बल्लेबाज और इंग्लिश कप्तान जोस बटलर ने 224.07 की स्ट्राइक रेट से 242 रन बनाकर प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट का पुरस्कार जीता। सलामी बल्लेबाज टॉम कोहलर-कैडमोर को 222 रन बनाने के लिए टूर्नामेंट का सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज घोषित किया गया, जबकि रिचर्ड ग्लौसन को 10.07 की इकॉनमी से 14 विकेट लेने के लिए टूर्नामेंट का गेंदबाज चुना गया। स्थानीय खिलाड़ी शाहिद भुट्टा, जिन्होंने 10.93 की इकॉनमी से 10 विकेट लिए, को यूएई प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट चुना गया। इस सीजन में टूर्नामेंट के इतिहास में टीमों का सबसे बड़ा पूल भी देखा गया जिसमें दो नई टीमों- यूपी नवाब और अजमान बोट्ट को रोस्टेंट में

जोड़ा गया। टूर्नामेंट के इतिहास में पहला शतक भी इसी सीजन में लगा जब शेरफेन रदरफोर्ड ने नॉर्दन वॉरियर्स के खिलाफ 40 गेंदों में नाबाद 103 रन बनाए। वैश्विक प्रसारकों के सहयोग से टूर्नामेंट का प्रसारण कई देशों में किया गया। इसमें डिज्नी स्टार के साथ दो साल का करार भी शामिल था, जिसने भारतीय आबादी के लिए अंग्रेजी, हिंदी और अन्य क्षेत्रीय भाषाओं में टूर्नामेंट का प्रसारण किया। इस टूर्नामेंट में अपने इतिहास में सबसे बड़ी संख्या में अंतरराष्ट्रीय भागीदारी देखी गई क्योंकि इस सीजन में विभिन्न देशों के करीब 140 खिलाड़ी एक्शन में थे। यूएई क्रिकेट खिलाड़ी रोहान मुरतफा, जो अबू धाबी में एक फ्रेंचाइजी का नेतृत्व करने वाले पहले स्थानीय खिलाड़ी बने, ने कहा, "बेशक, टी10 एक प्रमुख

टूर्नामेंट है और आयोजकों ने इसे काफी अच्छे से प्रबंधित किया है। मैंने भी इसे शुरू से खेला है और यह पहली लीग है जिसमें यूएई के स्थानीय खिलाड़ी शामिल हैं। ऐसी लीग, जो एक्शन से भरपूर भी होती है, हमें खुश और अधिक भावुक बनाती है। ऐसे टूर्नामेंट देखने के बाद युवा इस खेल के प्रति और अधिक शौकीन हो जाते हैं।" समापन समारोह में टी टेन ग्लोबल के अध्यक्ष शाजी उल मलिक ने कहा, "टूर्नामेंट अब पहली बार अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर्स के सबसे बड़े पूल के साथ समाप्त हो गया है। 12 दिनों के पावर-पैक एक्शन में 40 मैचों में 140 अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों ने अपना कौशल दिखाया और उन अंतरराष्ट्रीय सितारों के कौशल से बेहतर कुछ भी नहीं, जो उन्होंने इस लीग में प्रदर्शित किया।

संक्षिप्त समाचार

इजरायल ने हिजबुल्लाह के साथ युद्धविराम टूटने पर हमले बढ़ाने की धमकी दी



यरुशलम, एजेंसी। इजरायल ने हिजबुल्लाह के साथ युद्धविराम समझौता टूटने पर हमलों को बढ़ाने की चेतावनी दी है। इजरायल का कहना है कि इसमें लेबनानी राज्य से जुड़े लक्ष्यों को भी शामिल किया जाएगा। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, चेतावनी के बाद भी हिजबुल्लाह ने लेबनान, सीरिया और इजरायल के बीच विवादित सीमा पर दो मोर्टार दागे और इजरायल पर बार-बार संघर्षविराम का उल्लंघन करने का आरोप लगाया। इसके जवाब में, इजरायल ने लेबनान में 20 से ज्यादा जगहों पर हवाई हमले किए। इजरायल के रक्षा मंत्री ने इजरायल कोटज में उत्तरी सीमा पर सैन्य कमांडरों को संबोधित करते हुए घोषणा की कि युद्धविराम समझौते का कोई भी उल्लंघन अधिकतम प्रतिक्रिया और शून्य सहनशीलता को बढ़ावा देगा। रक्षा मंत्री ने सैनिकों से कहा, अगर हम युद्ध में लौटते हैं, तो हम और अधिक ताकत से काम करेंगे और अधिक गहराई तक प्रवेश करेंगे। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि लेबनान के लिए अब कोई छूट नहीं होगी। उत्तरी इजरायली शहर नहरिया में आयोजित कैबिनेट बैठक के दौरान प्रधानमंत्री बेजाभिन नेतन्याह ने चेतावनी दोहराते हुए कहा कि यदि युद्ध विराम विफल हो जाता है तो इजरायल पूर्ण पैमाने पर लड़ाई फिर से शुरू कर सकता है। प्रधानमंत्री ने कहा, हम फिलहाल युद्ध विराम में हैं, लेकिन यह युद्ध का अंत नहीं। हम इस युद्धविराम को कड़े तरीके से लागू कर रहे हैं, हर उल्लंघन का जवाब दे रहे हैं। हम युद्ध विराम के प्रति प्रतिबद्ध हैं, लेकिन दूसरे पक्ष से किसी भी उल्लंघन को बर्दाश्त नहीं करेंगे। 27 नवंबर को लागू हुए युद्धविराम का उद्देश्य हिजबुल्लाह और इजरायल के बीच घातक सीमा पार हिंसा को रोकना है।

नाथ फिलीपींस में भूकंप के झटकों से दहशत फैली, 5.6 रही तीव्रता

मनीला, एजेंसी। नाथ फिलीपींस में आज तेज भूकंप के झटके महसूस किए गए। रिक्टर पैमाने पर इसकी तीव्रता 5.6 मापी गई। इस आपदा में किसी के हाताहत होने की खबर नहीं है, हालांकि, कुछ सड़कों और इमारतों में दरारें देखे जाने की बात सामने आई है। जर्मन रिसर्च सेंटर फॉर जियोसाइंसेज (जीएफजेड) के अनुसार बुधवार को उत्तरी फिलीपींस में 5.6 तीव्रता का भूकंप आया। अधिकारियों ने भूकंप से होने वाली क्षति और बाद के झटकों को लेकर चेतावनी दी है। जर्मन रिसर्च सेंटर फॉर जियोसाइंसेज के अनुसार भूकंप का केंद्र 377 किमी (235 मील) की गहराई में था। फिलीपीन भूकंप विज्ञान एजेंसी ने कहा कि भूकंप इलोकोस प्रांत के उत्तरी शहर बांगुई में आया। इससे लोगों में हड़कंप मच गया। धरती के हिलने से घबराए लोगों को घरों से बाहर जाते देखा गया। सड़कों पर लोग डरे सहमे नजर आए। भूकंप से नुकसान की तत्काल कोई रिपोर्ट नहीं मिली है। बांगुई शहर के आपदा अधिकारियों ने कहा कि प्रभावित क्षेत्रों में हुए नुकसान की जांच की जा रही है। लोगों का कहना है कि फिलीपींस के लिहाज से यह इतना शक्तिशाली नहीं था लेकिन झटके थोड़े लंबे समय तक रहे। फिलीपींस में भूकंप का आना आम बात है। फिलीपींस तथाकथित रिग ऑफ फायर पर स्थित है। ये प्रशांत महासागर के चारों ओर ज्वालामुखियों की एक बेल्ट है जहां भूकंप आने की आशंका बनी रहती है।

थाईलैंड में बाढ़ से मरने वालों की संख्या बढ़कर हुई 25



बैंकॉक, एजेंसी। थाईलैंड में आई भीषण बाढ़ से मरने वालों की संख्या बढ़कर 25 हो गई है। देश में 6 राज्य भयानक बाढ़ झेल रहे हैं। हालांकि जल स्तर धीरे-धीरे कम हो रहा है। यह जानकारी देश के आपदा निवारण एवं न्यूनिकरण विभाग ने मंगलवार को दी। समाचार एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, 22 नवंबर से भारी वर्षा और अचानक आई बाढ़ के कारण 10 प्रांतों में 664,000 से अधिक परिवार प्रभावित हुए हैं और लगभग 29,000 लोगों को अस्थायी आश्रय स्थलों में पहुंचाया गया है। सरकार के उप प्रवक्ता शंशिकर्ण दथानावन मामले की जानकारी देते हुए बताया कि थाईलैंड के प्रधानमंत्री पेटोन्तार्न शिनवात्रा ने संबोधित एजेंसियों को आपदा की रोकथाम और राहत कार्य बढ़ाने, साथ ही मशीनरी और उपकरणों को तैयार करने का निर्देश दिया है, ताकि आपातकाल की स्थिति में लोगों की सहायता की जा सके। थाई मौसम विभाग के अनुसार, दक्षिण चीन सागर के निचले हिस्से, दक्षिणी थाईलैंड और मलेशिया में चिलते हिमनद्दाब प्रणाली के साथ मिलकर मध्य पूर्वोत्तर मानसून के कारण निचले दक्षिणी क्षेत्र में भारी से बहुत भारी बारिश की संभावना है। मौसम विभाग ने कहा कि प्रभावित क्षेत्रों के निवासियों को अगले कुछ दिनों में संभावित बाढ़ और अपवाह के बारे में आगाह किया गया है।

ब्रिटिश सांसद बोले-बांग्लादेश में हिंदुओं का सफाया करने की कोशिश : वहां घर जलाए, दुकानें तोड़ीं, पुजारियों को जेल भेजा

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश में हिंदू समुदाय पर हो रहे हमलों को लेकर ब्रिटिश सांसदों ने चिंता जताई है। न्यूज एजेंसी पीटीआइ के मुताबिक विपक्षी कंजरवेटिव पार्टी के सांसद बॉब ब्लैकमैन ने कहा कि बांग्लादेश में शोध हसीना के सत्ता से बाहर होने के बाद हिंदुओं का सफाया (एथनिक क्लीनिंग) करने की कोशिश हो रही है। हाउस ऑफ कॉमन्स में एक बहस के दौरान ब्लैकमैन ने कहा कि बांग्लादेश में हिंदुओं के घर जला दिए गए हैं। उनके दुकानों और धर्म के तोड़फोड़ की जा रही है। पुजारियों को गिरफ्तार किया जा रहा है। ब्लैकमैन ने कहा कि इस मामले पर कार्रवाई करने की जिम्मेदारी ब्रिटेन की है क्योंकि उन्होंने ही बांग्लादेश को आजाद कराया था।



विदेश कार्यालय मंत्री कैथरिन वेस्ट ने कहा कि हम भारत सरकार की चिंता से वाकिफ हैं। वेस्ट ने कहा कि पिछले महीने वह बांग्लादेश गई थीं। इस दौरान युनुस सरकार ने उन्हें यकीन दिलाया था कि वे अल्पसंख्यकों के हितों की रक्षा कर सकेंगी। कंजरवेटिव सांसद प्रीति पटेल ने कहा कि बांग्लादेश में हिंसा हो रही है जिसे सरकार रोक नहीं पा रही है। हम इससे बहुत परेशान हैं। हमारी संवेदना बांग्लादेश के अल्पसंख्यकों के हितों की रक्षा करने का है। वेस्ट ने कहा कि हिंसा जल्द ही ब्रिटिश सरकार बांग्लादेश की स्थिति पर नजर रख रही है।

नेताओं के साथ मिले हुए हैं और सामूहिक हत्याओं में शामिल हैं। हसीना ने कहा- बांग्लादेश में टीचर, पुलिस पर हमले हो रहे हैं, वे मारे जा रहे हैं। हिंदू, बौद्ध और ईसाइयों को टारगेट किया जा रहा है। हसीना ने कहा, युनुस सरकार के लोग ही सामूहिक हत्याओं के मास्टरमाइंड हैं। यहाँ तक ? ?कि लंदन से तारिक रहमान (खालिदा जिया के बेटे) ने भी कहा है कि अगर मौतें जारी रहें, तो सरकार नहीं चलेगी। हसीना ने कहा- मैं जगसहार नहीं चाहती थी, इसीलिए देश छोड़ने का फैसला किया। दूसरी तरफ बांग्लादेश के विदेश मंत्रालय ने ढाका में भारतीय उच्चायुक्त प्रणय वर्मा को समन जारी किया है। दरअसल, सोमवार को अगस्तला में बांग्लादेश मिशन पर हमला हुआ था, इस पर बांग्लादेश ने नाराजगी जताई थी। इस मामले पर आज शाम 4 बजे बांग्लादेश के विदेश सचिव रियाज हमीदुल्लाह ने प्रणय वर्मा से मुलाकात की। वर्मा ने मीटिंग के बाद पत्रकारों से बातचीत में कहा- भारत-बांग्लादेश के संबंध बहुआयामी हैं, इन्हें एक मुद्दे या एजेंडे तक सीमित नहीं कर देना चाहिए।

आतंकवादियों के सोशल मीडिया यूज पर रोक लगाएगा पाकिस्तान

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान सरकार ने मंगलवार को कहा कि वह सोशल मीडिया पर प्रतिबंधित आतंकवादी संगठनों की गतिविधियों पर नियंत्रण के लिए कड़े कदम उठाएगी। राष्ट्रीय कार्य योजना (एनएपी) समन्वय समिति की बैठक में गृह मंत्री मोहसिन नकवी ने कहा कि पाकिस्तान दूरसंचार प्राधिकरण (पीटीए) के साथ मिलकर सरकार आतंकवादी संगठनों के सोशल मीडिया खातों को ब्लॉक करेगी। इसके अलावा, अवैध सिंग कार्ड के इस्तेमाल को रोकने के लिए एक एकीकृत रणनीति लागू करने की योजना है।

खैबर पख्तूनख्वा में आतंकी हमले की लिटा की : नकवी ने बलुचिस्तान और खैबर पख्तूनख्वा प्रांतों में हाल की आतंकवादी घटनाओं की लिटा करते हुए उन्हें गंभीरता से खेदजनक और निंदनीय बताया। उन्होंने कहा कि इन घटनाओं से निपटने के लिए आतंकवाद विरोधी बलों (सीटीएफ) की क्षमताओं को बढ़ाया जाएगा और इन क्षेत्रों में उन्हें पूरा समर्थन दिया जाएगा। इसके साथ ही मंत्री ने कहा कि सुरक्षा सुधार के लिए पुलिस और फ्रंटियर कॉन्ट्रोलरी जैसी कानून प्रवर्तन एजेंसियों को गजबूत करने की प्राथमिकता दी जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि कानून और व्यवस्था सुधारने के लिए सभी को मिलकर काम करना चाहिए। सभी प्रांतों में पुलिस बलों को अप्रुणिक तकनीक से लैस किया जाएगा। नकवी ने घोषणा की कि संघीय सरकार कानून प्रवर्तन एजेंसियों की तत्काल जरूरतों को प्राथमिकता के आधार पर पूरा करेगी।

फ्रांस में खतरे में तीन महीने पहले गठित हुई सरकार, पीएम बोले- अविश्वास प्रस्ताव को हरा सकते हैं

पेरिस, एजेंसी। फ्रांस में तीन महीने पहले ही गठित हुई सरकार अब खतरे में आ गई है। दरअसल, विपक्षी दलों ने प्रधानमंत्री मिशेल बार्नियर की सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाने का एलान किया है। ऐसे में अलग-अलग दलों के समर्थन से बनी बार्नियर की सरकार संसद में वोटिंग से पहले ही गठबंधन को लेकर खतरे में आ गई है। हालांकि, पीएम ने कहा है कि वह अविश्वास प्रस्ताव को खतरों से उबर सकते हैं।



फ्रांस में क्या हुआ है : फ्रांस में जुलाई में हुए आम चुनावों में किसी भी राजनीतिक दल को बहुमत नहीं मिला। ऐसे में राष्ट्रपति एमैनुएल मैक्रों ने मिशेल बार्नियर के नेतृत्व में अल्पमत की सरकार का एलान किया। 73 वर्षीय बार्नियर इसके बाद से ही फ्रांस में सरकार चला रहे हैं। हाल ही में उनकी तरफ से लागू हुए सामाजिक सुरक्षा बजट को लेकर फ्रांस में रार छिड़ गई। उन्होंने इस बजट में टैक्स को बढ़ाने का निर्णय लिया है, जिससे 62.8 अरब डॉलर तक जुटाने का लक्ष्य रखा गया है। इतना ही नहीं बार्नियर की सरकार ने सरकारी खर्च को 42 अरब डॉलर तक कम करने का भी लक्ष्य रखा है, ताकि फ्रांस के घाटे को कम किया जा सके। उनके इस फैसले का देश की वामपंथी और दक्षिणपंथी पार्टियों ने विरोध किया और इन कदमों को कम करने की मांग की। बार्नियर की सरकार ने बजट पर इन कदमों को बिना वोटिंग के ही पास कराने का फैसला किया। इसका भी विपक्षी दलों ने विरोध किया। इसके बाद विपक्षी दलों ने बार्नियर की सरकार के खिलाफ बुधवार को अविश्वास प्रस्ताव लाने का एलान किया। अगर यह प्रस्ताव पास होता है और बार्नियर की सरकार गिरती है तो फ्रांस एक साल में दूसरी बार राजनीतिक अस्थिरता में फिर सकता है। इस अविश्वास प्रस्ताव को लेकर मिशेल बार्नियर ने भी मंगलवार को अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार संसद में अविश्वास प्रस्ताव को हरा सकती है। उन्होंने कहा, मैं यह चाहता हूँ और यह मुमकिन है।

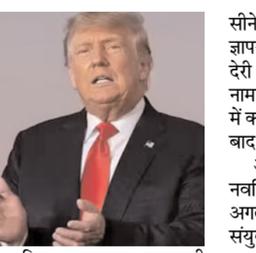
न्यूजीलैंड की सबसे ऊंची चोटी पर अमेरिका और कनाडा के 3 पर्वतारोही लापता

वेलिंगटन, एजेंसी। न्यूजीलैंड की सबसे ऊंची पर्वत चोटी 'आओराकी' पर चढ़ाई करने की योजना के तहत रवाना हुए अमेरिका और कनाडा के तीन पर्वतारोही लौटने में नाकाम रहे जिसके कारण उन्हें लापता बताया जा रहा है। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। 'अमेरिका माउंटन गाइड्स एसोसिएशन' के 'वेबसाइट के अनुसार, कोलोराडो के कर्ट ब्लेयर (56) और कैलिफोर्निया के कार्लोस रोमेरो (50) उच्च पर्वतीय क्षेत्रों के प्रमाणित 'गाइड' हैं। न्यूजीलैंड की पुलिस ने अपने बयान में कनाडा के पर्वतारोही का नाम नहीं बताया, लेकिन उसके परिचय को सूचित करने की जरूरत पर जोर दिया। पुलिस ने बताया कि शनिवार को ये लोग पर्वत पर चढ़ाई शुरू करने के लिए एक शिविर में गए, लेकिन सोमवार को उन्हें लापता बताया गया क्योंकि चढ़ाई के बाद वे पूर्व निर्धारित परिवहन व्यवस्था के पास नहीं पहुंचे। पुलिस ने कहा कि खोज करने वालों को कुछ घंटों बाद पर्वत पर चढ़ाई से जुड़े कुछ सामान मिले जिसे उन तीनों से संबंधित माना जा रहा है, लेकिन उन तीनों का कोई पता नहीं चला। माउंट कुक के नाम से मशहूर आओराकी में मौसम की स्थिति खराब होने के कारण मंगलवार को खोज अभियान फिर से शुरू नहीं हो सका। यहाँ भारी बारिश और बर्फबारी का पूर्वानुमान है। दक्षिणी अल्पसंख्यक हिस्सा आओराकी चोटी 3,724 मीटर ऊंची है और इसकी सुंदर तथा बर्फीली पर्वत श्रृंखला न्यूजीलैंड के दक्षिणी द्वीप तक फैली हुई है।

सत्ता हस्तांतरण की कवायद तेज, अब न्याय विभाग करेगा डोनाल्ड ट्रंप द्वारा चुने गए लोगों की पृष्ठभूमि की जांच

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के नव-निर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ट्रांजिशन टीम ने न्याय विभाग के साथ एक समझौता किया है। इसके तहत ट्रंप प्रशासन द्वारा नियुक्त और मनोनित किए गए लोगों की पृष्ठभूमि की जांच करने तथा उनकी सुरक्षा के लिए मंजूरी देने की प्रक्रिया शुरू करने का रास्ता साफ हो गया है। आसान शब्दों में कहे तो अब सत्ता हस्तांतरण की कवायद तेज हो गई है।

कल किए गए थे हस्ताक्षर : सरकार में शीर्ष पदों के लिए ट्रंप द्वारा कुछ लोगों को चुने जाने पर मचे सियासी विवाद के बीच मंगलवार को सहमति पत्र पर हस्ताक्षर किए गए। मंगलवार को जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया कि राष्ट्रपति ट्रंप के प्रशासन में सेवा देने के उद्देश्य से वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों की चर्च रही तैयारी में यह अगला कदम है।



पहले ही दिन अमेरिका फर्स्ट एजेंडा लागू करें ट्रंप : विल्स : नवनिर्वाचित राष्ट्रपति ट्रंप की चीफ ऑफ स्टॉफ सूसी विल्स ने कहा, न्याय विभाग के साथ यह समझौता सुनिश्चित करेगा राष्ट्रपति ट्रंप और उनकी टीम पहले दिन से ही अमेरिका फर्स्ट एजेंडा लागू करने के लिए तैयार रहे, जिसका देश के अधिकतर लोगों ने चुनाव के दिन समर्थन किया था। उन्होंने आगे कहा कि यह ट्रांजिशन प्रक्रिया को अधिक जानकारी देगा और इससे हमारी एजेंसी लैंडिंग टीमों को संघीय एजेंसियों और विभागों के नेतृत्व के लिए तैयार होने के लिए आवश्यक जानकारी हासिल करने में सुविधा होगी।

सिनेटरों ने दी थी धेरी होने की शिकायत : यह समझौता ट्रांजिशन टीम और न्यायिक विभाग के बीच सहयोग की शर्तों पर प्रकाश डालता है, जो आने वाले प्रशासन की तैयारी में एक महत्वपूर्ण कदम है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, कुछ रिपब्लिकन सिनेटरों ने शिकायत दी थी कि ज्ञापन पर अगर हस्ताक्षर करने में देरी की जाएगी तो ट्रंप द्वारा नामांकित व्यक्तियों की पुष्टि करने में काफी समय लग जाएगा। इसके बाद ही यह समझौता किया गया।

चिन्मय दास को 1 महीने जेल में ही रहना पड़ेगा, कट्टरपंथियों के ख़ौफ से कोई वकील नहीं हुआ पेश

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश में देशद्रोह के आरोप में गिरफ्तार किए गए हिंदू साधु चिन्मय कृष्ण प्रभु को मंगलवार को उस समय भारी झटका लगा, जब वकीलों ने अदालत में जमानत की सुनवाई के दौरान उनकी ओर से पेश होने से इनकार कर दिया। सूत्रों के अनुसार, बार एसोसिएशन के वकीलों द्वारा किसी भी कानूनी पेशेवर को हिंदू धार्मिक नेता का प्रतिनिधित्व करने से रोकने के बाद, चैट्टोग्राम अदालत ने सुनवाई 2 जनवरी तक के लिए स्थगित कर दी। इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर कृष्णा कॉन्सायनेंस (इस्कॉन) के पूर्व सदस्य दास को 25 नवंबर को ढाका के हजरत शाहजलाल अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे से गिरफ्तार किया गया था। बाद में, चट्टोग्राम की मजिस्ट्रेट अदालत ने उन्हें जमानत देने से इनकार कर दिया और उन्हें पुलिस हिरासत में भेज दिया।



सूत्रों से पता चला कि एक वकील, जिसकी पहचान रवीन्द्र घोष के रूप में हुई है, अदालत की सुनवाई में भाग लेने के लिए लगभग 250 किमी की यात्रा करके ढाका से आया था। हालांकि, स्थानीय लोगों ने उन्हें अदालत परिसर में प्रवेश करने से मना कर दिया। एक वकील, जिसने बांग्लादेश के हिंदू भिक्षु चिन्मय दास का बचाव किया था, पर पड़ोसी देश में क्रूरतापूर्वक हमला किया गया था, इस्कॉन कोलकाता के प्रवक्ता राधारमण दास ने सोमवार को दावा किया। राधारमण दास ने दावा किया कि अधिवक्ता रामेन रॉय, कथित तौर पर एक अस्पताल में गंभीर हालत में थे, उन पर तब हमला किया गया जब कई लोगों ने उनके घर में तोड़फोड़ की, जिससे बांग्लादेश में हिंदुओं पर हमलों की खबरों के बीच तनाव और बढ़ गया।

बांग्लादेश में भारतीय उच्चायुक्त तलब, अगस्तला मामले में पूछताछ के लिए बुलाया

ढाका, एजेंसी। नवीनतम विवाद तब आया जब हिंदू भिक्षु चिन्मय दास को पिछले महीने के अंत में राजद्रोह के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। विदेश मामलों के सलाहकार तौहिद हुसैन ने अपनी संक्षिप्त टिप्पणी में मीडिया को बताया कि उन्हें (वर्मा को) आने के लिए कहा गया है। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने मंगलवार को देश में भारतीय उच्चायुक्त प्रणय वर्मा को ढाका स्थित विदेश मंत्रालय कार्यालय में तलब किया। यह अगस्त में पूर्व प्रधान मंत्री शेख हसीना के सत्ता से हटने के बाद से दोनों देशों के बीच तनाव के बीच आया है। नवीनतम विवाद तब आया जब हिंदू भिक्षु चिन्मय दास को पिछले महीने के अंत में राजद्रोह के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। विदेश मामलों के सलाहकार तौहिद हुसैन ने अपनी संक्षिप्त टिप्पणी में मीडिया को बताया कि उन्हें (वर्मा को) आने के लिए कहा गया है।



सरकारी समाचार एजेंसी बांग्लादेश संगबाद संगठन (बीएसएस) ने कहा कि भारतीय दूत मंगलवार शाम चार बजे विदेश मंत्रालय के कार्यालय में दाखिल हुए। बीएसएस की रिपोर्ट में कहा गया है कि कार्यवाहक विदेश सचिव रियाज हमीदुल्लाह ने भारतीय उच्चायुक्त को तलब किया था। देश के विदेश



कार्यालय के अनुसार, बांग्लादेश के वाणिज्य दूतावास में हालिया उल्लंघन एजेंडा में था। त्रिपुरा पुलिस ने पड़ोसी देश में पूर्व इस्कॉन साधु की गिरफ्तारी के बाद हुए उल्लंघन के सिलसिले में सात लोगों को गिरफ्तार किया है। लापरवाही के चलते 3 पुलिसकर्मियों को सस्पेंड कर दिया गया है और चौथे को पुलिस मुख्यालय में रिपोर्ट करने को कहा गया है। चिन्मय दास को बांग्लादेश ध्वज नियमों का उल्लंघन करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था, क्योंकि आरोप था कि उन्होंने चटगांव में एक रैली में देश के राष्ट्रीय ध्वज के ऊपर एक धार्मिक ध्वज फहराया था। गिरफ्तारी के बाद सड़कों पर झड़पें हुईं और हिंसा में एक वकील की मौत हो गई।

साउथ कोरिया में 6 घंटे बाद ही मार्शल लॉ खत्म : राष्ट्रपति को हटाने के लिए प्रदर्शन हो रहे

सियोल, एजेंसी। साउथ कोरिया के राष्ट्रपति यून सुक योल ने देश में मार्शल लॉ लगाने का आदेश वापस ले लिया है। राष्ट्रपति ने 3 दिसंबर की शाम 7 बजे (भारतीय समय के मुताबिक) मार्शल लॉ लगाने की घोषणा की थी, जिसके बाद देशभर में विरोध प्रदर्शन होने लगे थे और अराजकता की स्थिति पैदा हो गई थी। इसी बीच देश की नेशनल असेंबली में मौजूद 190 सांसदों ने सर्वसम्मति से इस फैसले पलट दिया, जिसके बाद राष्ट्रपति मार्शल लॉ को हटाने का वादा किया था। 6 घंटे बाद (रात 1 बजे) ही दक्षिण कोरिया में मार्शल लॉ हटा दिया गया। मार्शल लॉ के आदेश को हटाने के कुछ घंटों बाद ही दक्षिण कोरिया में विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए हैं। प्रशासनिक राष्ट्रपति यून सुक योल के इस्तीफे की मांग कर रहे हैं। कोरिया की मुख्य विपक्षी

डेमोक्रेटिक पार्टी (छक्का) ने घोषणा की है कि वह राष्ट्रपति को हटाने के लिए महाभियोग की प्रक्रिया शुरू करेगी। राष्ट्रपति योल को मार्शल लॉ लगाने की जरूरत क्यों पड़ी? दक्षिण कोरिया की संसद में कुल 300 सीटें हैं। इस साल की शुरुआत में हुए चुनाव में जनता ने विपक्षी पार्टी छक्का को भारी जनदरशा दिया था। सत्ताधारी पीपल पावर को सिर्फ 108 सीटें मिलीं, जबकि विपक्षी पार्टी छक्का को 170 सीटें मिलीं। बहुमत में होने की वजह से विपक्षी छक्का, राष्ट्रपति सरकार के कामकाज में ज्यादा दखल दे रही थी, और वे अपने एजेंडे के मुताबिक काम नहीं कर पा रहे थे। राष्ट्रपति योल ने 2022 में मामूली अंतर से चुनाव जीता था। इसके बाद से उनकी लोकप्रियता घटती चली गई। उनकी पत्नी के कई विवादों में फंसने की वजह से भी उनकी इमेज पर



असर पड़ा। फिलहाल राष्ट्रपति की लोकप्रियता 17% के करीब है, जो कि देश के तमाम राष्ट्रपतियों में सबसे कम है। इन सबसे निपटने के लिए राष्ट्रपति ने मार्शल लॉ लगा दिया। उन्होंने

छक्का पर उत्तर कोरिया के साथ सहानुभूति रखने और राष्ट्रविरोधी गतिविधियों में शामिल होने का आरोप लगाया। दक्षिण कोरिया में सिर्फ 6 घंटे में ही क्यों खत्म हुआ मार्शल लॉ राष्ट्रपति योल के

मार्शल लॉ के एलान के बाद पूरा विपक्ष थोड़ी ही देर में संसद पहुंच गया। मार्शल लॉ खत्म करने के हटाने के लिए संसद में 150 से ज्यादा सांसद होने चाहिए। जब तक सेना संसद पर कब्जे के लिए पहुंची पर्याप्त सांसद संसद पहुंच चुके थे और कार्यवाही शुरू हो गई थी। हालांकि, सेना ने कार्यवाही रोकने की कोशिश की। संसद में वोटिंग के लिए जा रहे कई विपक्षी सांसदों को हिरासत में लिया गया। अंदर घुसने के लिए संसद की खड़कियां तोड़नी शुरू कीं। लेकिन, जब तक जवान भीतर पहुंचते, नेशनल असेंबली के 300 में से 190 सांसदों ने राष्ट्रपति के मार्शल लॉ वाले प्रस्ताव को मतदान कर गिरा दिया। दक्षिण कोरिया के संविधान के मुताबिक अगर संसद में सांसदों का बहुमत देश में मार्शल लॉ हटाने की मांग करता है तो सरकार को इसे मानना होगा।

संक्षिप्त खबरें

यात्री सुविधा के मद्देनजर धनबाद- भुवनेश्वर- धनबाद स्पेशल ट्रेन का विस्तार

धनबाद(बिभा): यात्रियों की सुविधा के मद्देनजर उनके सुगम आवागमन हेतु धनबाद- भुवनेश्वर- धनबाद स्पेशल ट्रेन के परिचालन का विस्तार किया जाएगा। 02831 धनबाद- भुवनेश्वर स्पेशल प्रतिदिन 31 दिसंबर 01 जनवरी 25 से 28 फरवरी 25 तक। 02832 भुवनेश्वर- धनबाद स्पेशल प्रतिदिन 30.12.24 31.12.24 से 27.02.25 तक। उपरोक्त विशेष ट्रेनों का समय और ठहराव वर्तमान में चल रही गाड़ी संख्या 02831/ 02832 धनबाद- भुवनेश्वर- धनबाद स्पेशल के मौजूदा समय और ठहराव के समान होगा।

झारग्राम- धनबाद- झारग्राम मेमू एक्सप्रेस निरस्त धनबाद(बिभा): दक्षिण पूर्वी रेलवे के आर्द्र मंडल में कोटशिला स्टेशन पर नॉन इंटरलॉकिंग कार्य के कारण दिनांक 06.12.24 को खुलने वाली गाड़ी संख्या 18019/ 18020 झारग्राम- धनबाद- झारग्राम मेमू एक्सप्रेस के परिचालन को निरस्त किया गया है।

कामाख्या-आनंद विहार एवं भुवनेश्वर धनबाद स्पेशल ट्रेन के परिचालन में वृद्धि

हाजीपुर(बिभा) : यात्रियों की सुविधा के मद्देनजर 02525/26 कामाख्या-आनंद विहार-कामाख्या तथा 02832/31 धनबाद-भुवनेश्वर-धनबाद स्पेशल ट्रेन के परिचालन में निम्नानुसार वृद्धि की गयी है। गाड़ी संख्या 02525 कामाख्या-आनंद विहार टर्मिनल एक्सप्रेस स्पेशल ट्रेन के परिचालन में 04 फेरे की वृद्धि की गयी है। विस्तारित अवधि के साथ अब इस स्पेशल ट्रेन का परिचालन 27.12.2024 तक प्रत्येक शुक्रवार को किया जाएगा। गाड़ी संख्या 02526 आनंद विहार टर्मिनल-कामाख्या एक्सप्रेस स्पेशल ट्रेन के परिचालन में 04 फेरे की वृद्धि की गयी है। विस्तारित अवधि के साथ अब इस स्पेशल ट्रेन का परिचालन 29.12.2024 तक प्रत्येक रविवार को किया जाएगा। गाड़ी संख्या 02832 भुवनेश्वर-धनबाद एक्सप्रेस स्पेशल ट्रेन के परिचालन में 59 फेरे की वृद्धि की गयी है। विस्तारित अवधि के साथ अब इस स्पेशल ट्रेन का परिचालन 27.02.2025 तक प्रतिदिन किया जाएगा। गाड़ी संख्या 02831 धनबाद-भुवनेश्वर एक्सप्रेस स्पेशल ट्रेन के परिचालन में 59 फेरे की वृद्धि की गयी है। विस्तारित अवधि के साथ अब इस स्पेशल ट्रेन का परिचालन 28.02.2025 तक प्रतिदिन किया जाएगा।

राजधानी एक्सप्रेस में बढ़ायी जाएगी एक कोच

रांची(बिभा) : यात्रियों की सुविधा हेतु ट्रेन संख्या 12454/12453 नई दिल्ली-रांची -नई दिल्ली राजधानी एक्सप्रेस एवं ट्रेन संख्या 20408/20407 नई दिल्ली-रांची -नई दिल्ली राजधानी एक्सप्रेस में स्थायी रूप से कोच संयोजन में वृद्धि की गयी है। ट्रेन संख्या 12454/12453 नई दिल्ली-रांची -नई दिल्ली राजधानी एक्सप्रेस में तत्काल प्रभाव से वातानुकूलित 3-टियर का 01 अतिरिक्त कोच स्थायी तौर पर लगाया जाएगा। ट्रेन संख्या 20408/20407 नई दिल्ली झारखंड नई दिल्ली राजधानी एक्सप्रेस में तत्काल प्रभाव से वातानुकूलित 3-टियर का 01 अतिरिक्त कोच स्थायी तौर पर लगाया जाएगा।

गोरखपुर-सम्बलपुर -गोरखपुर एक्सप्रेस में अस्थायी तौर पर अतिरिक्त कोच की सुविधा

रांची(बिभा) : यात्रियों की सुविधा के लिए ट्रेन संख्या 15028/15027 गोरखपुर झारखंड सम्बलपुर झारखंड एक्सप्रेस में अस्थायी रूप से अतिरिक्त कोच की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। ट्रेन संख्या 15028 गोरखपुर झारखंड सम्बलपुर एक्सप्रेस में यात्रा प्रारम्भ दिनांक 09/12/2024 से 31/12/2024 तक वातानुकूलित 3-टियर का 01 अतिरिक्त कोच लगाया जाएगा। ट्रेन संख्या 15027 सम्बलपुर झारखंड गोरखपुर एक्सप्रेस में यात्रा प्रारम्भ दिनांक 11/12/2024 से 02/01/2025 तक वातानुकूलित 3-टियर का 01 अतिरिक्त कोच लगाया जाएगा।

आईटीडीए एवं कल्याण विभाग की समीक्षा कर डीसी ने दिए कई निर्देश

बिभा संवाददाता

सिमडेगा : उपायुक्त सिमडेगा अजय कुमार सिंह की अध्यक्षता में समेकित जनजातीय विकास अभिकरण(आईटीडीए) तथा कल्याण विभाग की योजनाओं की समीक्षा बैठक हुई। बैठक में आदिवासी महिला कला भवन, धुकुड़िया भवन, सरना, मसना, कब्रिस्तान घेराबंदी तथा मुख्यमंत्री रोजगार सृजन योजना, छात्रावासों की मरम्मत की समीक्षा की गई। उपायुक्त ने सभी योजनाओं की गुणवत्ता पूर्ण रूप से करनी निर्देश कार्यपालक अभियंताओं को दिया। गुणवत्ता में समझौता नहीं किया जाय। योजनाओं के क्रियान्वयन की समीक्षा बैठक में अपने स्तर से लाभुक समिति के अध्यक्ष सचिव के साथ अभियंताओं की बैठक कर लाभुक समिति को निर्माण कार्य में प्रोत्साहित करें। पूरे हुए योजनाओं की देयता का बजट प्राप्त कर भुगतान करें। हर वर्ष की योजनाओं का स्टेट्स रिपोर्ट बनाएं।



निर्माणधीन योजनाओं के फोटोग्राफ भी को प्राथमिकता देकर पूर्ण कराएं। मुख्यमंत्री रोजगार सृजन योजना के

उपायुक्त ने शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक की

सिमडेगा : उपायुक्त सिमडेगा अजय कुमार सिंह की अध्यक्षता में शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक की गई। बैठक में मध्यम भोजन, पोशाक वितरण, स्कूल बैग वितरण, साईकिल वितरण, छात्रवृत्ति, विद्यालय अनुदान वितरण, दिव्यांग किट, सहित अन्य विषयों पर आवश्यक निर्देश दिए गए। मध्यम भोजन योजना में चावल उठाव एवं विद्यालयों तक परिवहन एवं हथालन का कार्य कर रही एजेंसी की लापरवाही को देखते हुए उसे स्पष्टीकरण का नोटिस देकर अग्रतर कार्रवाई करने का निर्देश जिला शिक्षा अधीक्षक को दिया। एजेंसी की लापरवाही को देखते हुए उसे हटाकर पुरानी व्यवस्था के तहत चावल का उठाव की जाएगी। रसोईया के मानदेय का भुगतान, उन्हें आयुमान भारत से जोड़ने, उन्हें किसी न किसी पेशन योजना से जोड़ने का निर्देश दिया गया। उपायुक्त ने प्रधान मंत्री पोषण अभियान को बेहतर करने, विद्यालयों में चल रहे मध्याह्न भोजन की निगरानी एवं प्रत्येक माह सभी संबंधित अधिकारियों को पच्चीस से तीस विद्यालयों का निरीक्षण करने तथा उपायुक्त फॉर्मट में रिपोर्ट देने का निर्देश दिया गया ताकि मध्याह्न भोजन की गुणवत्ता बनी रहे। सभी कक्षाओं का पोशाक वितरण व राशि संबंधित के खाते में 15 दिसंबर तक शत प्रतिशत करने का निर्देश दिया गया। उपायुक्त ने सीएम स्कूल ऑफ एक्सिलेंस की समीक्षा करने का निर्देश दिया ताकि अन्य जिलों व राज्यों की तुलना में अपनी स्थिति स्पष्ट हो। पुस्तक मेला, टी एल एम मेला आदि बेहतर ढंग से कराने का निर्देश दिया गया, साहित्यकारों, कवियों को भी आमंत्रित करने का निर्देश दिया। उपायुक्त ने जिले का परीक्षा परिणाम को और बेहतर बनाने की दिशा में अधिक ध्यान देने की बात कही।

मंत्री पद का शपथ लेने के बाद योगेंद्र प्रसाद पहुंचे रामगढ़, जोरदार स्वागत



योगेंद्र का रामगढ़ से है गहरा नाता।

घर में मां ने टीका लगाकर और मिठाई खिलाकर स्वागत किया

बिभा संवाददाता

रामगढ़: कैबिनेट मंत्री के रूप में पद एवं गोपनीयता की शपथ लेने के बाद मंत्री झारखंड योगेंद्र प्रसाद अपने पैतृक आवास मुरुबंदा आने के दौरान रामगढ़ पटेल चौक में रुके और लौह पुरुष सरदार बल्लभ भाई पटेल की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया। आले ठहराव में उन्होंने कोठार में आंबेडकर चौक में संविधान निर्माता बाबा साहेब भीम राव अम्बेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया। जिसके बाद वे

अपने आवास पहुंचे। लेकिन समर्थकों और प्रसन्नचित गांव वालों ने उनके कालिंद के आगे लगभग आधे घंटे तक आतिशबाजी की। जिसके बाद मंत्री का उनके आवास में उनकी मां सुशीला देवी ने अपने मंत्री पुत्र पर पुष्प वर्षा कर, मिठाई खिलाकर, टीका लगाकर और नजर उतारने के बाद गले लगाकर स्वागत किया। मंत्री जी की पूर्व विधायक पत्नी बबीता देवी भी उनके साथ थीं। मंत्री जी ने अपनी मां के चरण स्पर्श किए और आशीर्वाद लिया। इस दौरान वे भावुक भी हो गए। उन्होंने अपने दिवंगत पिता की तस्वीर पर भी माल्यार्पण किया। नमन करने के दौरान बेहद भावुक हो गए। आवास में मंत्री का समर्थकों और परिजनों ने जोरदार स्वागत किया। मंत्री जी ने सभी को लड्डू खिलाया।

यहां पूर्व विधायक बबीता देवी ने अपने पति और मंत्री योगेंद्र प्रसाद को मिठाई खिलाई। झारखंड मंत्री परिषद में शामिल होने के बाद रामगढ़ की जनता ने योगेंद्र प्रसाद का दिल खोलकर स्वागत किया है। रामगढ़ की जनता योगेंद्र प्रसाद से उम्मीद करती है कि क्षेत्र के विकास में हुए अहम योगदान देंगे। रामगढ़ के चितरपुर प्रखंड के मुरुबंदा गांव के योगेंद्र प्रसाद का बचपन रामगढ़ में ही बीता है। रामगढ़ शहर में योगेंद्र प्रसाद को लगभग लोग जानते पहचानते हैं। उनके मंत्री बनने से रामगढ़ के व्यवसायियों में भी खुशी का माहौल दिख रहा है। शहर के गोला रोड के व्यवसायियों का कहना है कि योगेंद्र प्रसाद रामगढ़ के विकास के लिए अपना पूरा योगदान देंगे। हम लोगों को उनसे काफी उम्मीद है।

सरस फूड फेस्टिवल में सिमडेगा की दीदियों के द्वारा लगाया गया स्वादिष्ट व्यंजन का स्टाल



सिमडेगा: नई दिल्ली में चल रहे सरस फूड फेस्टिवल 2024 में झारखंड राज्य से सिमडेगा की दीदियों द्वारा फूड कोर्ट में स्वादिष्ट व्यंजनों का स्टाल चलाया जा रहा है। ठेठईटांगर प्रखंड की अलबेला समूह की दीदियों द्वारा इस स्टाल में झारखंडी पकवान जैसे दुफ्फा, पीठा, गुलगुल्ला, बर्रा, मडुआ रोटी, देहाती चिकन, सरला सूप और इडली, रागी मोमो, बिरयानी आदि स्वादिष्ट पकवान बनाए जा रहे हैं जो कि लोगों को बहुत पसंद आ रहा है। पूरे फूड कोर्ट में इनका स्टाल आकर्षण का केंद्र बना है। दीदियां बहुत लगन और मेहनत से पकवान बना रही हैं और उनकी सर्विस, मैनेजमेंट और साफ सफाई से परिदर्शक बहुत खुश हो रहे हैं। अब तक 250 से भी ज्यादा स्टाल में स्वादिष्ट व्यंजनों का लुप्त उठा चुके हैं। दीदियों ने 714,000 से भी ज्यादा की बिक्री कर ली है। इससे दीदियां बहुत उत्साहित हैं और उन्होंने आने वाले दिनों में बढ़ने वाली बिक्री के लिए पूरी तैयारी कर ली है।

उपायुक्त ने जिला कल्याण अस्पताल प्रबंधन समिति संग की बैठक



बिभा संवाददाता

सिमडेगा : समाहरणालय में उपायुक्त सिमडेगा अजय कुमार सिंह की अध्यक्षता में जिला कल्याण अस्पताल प्रबंधन समिति की बैठक की गई। बैठक में कल्याण विभाग द्वारा बानो प्रखंड में चल रहे कल्याण अस्पताल के ओपीडी संचालन हेतु एजेंसी आईसीआरटी को जरूरत सामग्री क्रय किये जाने के संबंध में जानकारी ली गई। संचालक के प्रतिनिधि ने जानकारी दी कि 599 अदद सामग्री की सूची तैयार की गई है जिसके अनुमोदन पश्चात क्रय किया जाना है। उपायुक्त ने सूची सिविल सर्जन सिमडेगा को आवश्यक सामग्री का सत्यापन कर

15 दिनों के अंदर उपलब्ध कराने को कहा गया, सिविल सर्जन के साथ आयुष चिकित्सा पदाधिकारी तथा प्रखंड विकास पदाधिकारी बानो की उपस्थिति में निर्णय लेने तथा सूची का अनुमोदन अगली बैठक में कर ई- टेंडर या जेम से क्रय की प्रक्रिया बजट के अधीन की जाएगी। ध्यान रखने का निर्देश दिया गया है कि बजट अनुरूप आवश्यक सामग्री का क्रय हेतु जानकारी ली गई। संचालक के प्रतिनिधि ने जानकारी दी कि 599 अदद सामग्री की सूची तैयार की गई है जिसके अनुमोदन पश्चात क्रय किया जाना है। उपायुक्त ने सूची सिविल सर्जन सिमडेगा को आवश्यक सामग्री का सत्यापन कर

15 दिसंबर में से बंद रहेगा बैंकनोड प्लाईओवर, 45 दिनों के लिए देखना होगा वैकल्पिक रास्ता

बिभा संवाददाता

धनबाद : यदि आप बैंक मोड़ प्लाईओवर से आना-जाना करते हैं तो आपके लिए महत्वपूर्ण खबर है। 15 दिसंबर से बैंक मोड़ प्लाईओवर पर गाड़ियों का आना जाना पूरी तरह बंद रहेगा। जिसके कारण बरमसिया प्लाईओवर पर ट्रैफिक का लोड बढ़ेगा, सड़क निर्माण विभाग ने प्लाईओवर की मरम्मत और लिफ्टिंग का काम शुरू करने की योजना बनाई है। प्लाईओवर को 6 से 7 इंच तक लिफ्ट किया जाएगा और इसके 184 बेयरिंग बदले जाएंगे।



को तैयारी है। यह तकनीक प्लाईओवर को ज्यादा से ज्यादा टिकाऊ और मजबूत बनाएगी। प्लाईओवर के निचले हिस्से का काम लगभग पूरा हो चुका है, एक तरफ की रेलिंग लग चुकी है, जबकि दूसरी तरफ का काम जारी है।

1.5 माह तक बंद रहेगा प्लाईओवर

पथ निर्माण विभाग का कार्य देखने वाले मिथिलेश प्रसाद ने जानकारी दी कि दिसंबर में स्कूलों की छुट्टी को ध्यान में रखते हुए काम शुरू किया जा रहा है। प्लाईओवर लगभग डेढ़ महीने तक पूरी तरह से बंद रहेगा। हालांकि इस दौरान दोपहिया गाड़ियों को आने-जाने की अनुमति रहेगी। इसके लिए ट्रैफिक विभाग से रूट प्लान पर बातचीत चल रही है और उपायुक्त से स्वीकृति मिलने का इंतजार है।

इस तकनीक से जगबूत होगा प्लाईओवर

प्लाईओवर की पुरानी रोक-बेयरिंग को हटाकर न्यू टेक्नीक वाली इलास्टो मैरिक बेयरिंग लगाने

ये मशीनें नवाचार और प्रौद्योगिकी का उपयोग करके ट्रैकमैन के जीवन को बेहतर बनाएंगी: अश्विनी वैष्णव

एजेंसी

नई दिल्ली : रेल, सूचना एवं प्रसारण, इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने आज नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर एकीकृत ट्रैक निगरानी प्रणाली और रोड-सह-रेल निरीक्षण वाहन (आरसीआरआईवी) का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष एवं सीईओ सतीश कुमार, रेलवे बोर्ड के सदस्य (इंफ्रास्ट्रक्चर) नवीन गुलाटी, उत्तर रेलवे के महाप्रबंधक अशोक कुमार वर्मा तथा रेलवे बोर्ड, उत्तर रेलवे व आरडीएसओ के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे।



अब ट्रैकमैन के पास रियल टाइम डेटा तक पहुंच होगी, इससे उनका काम आसान, सुरक्षित और अधिक कुशल हो जाएगा।

इंटीग्रेटेड ट्रैक मॉनिटरिंग सिस्टम

इंटीग्रेटेड ट्रैक मॉनिटरिंग सिस्टम (आईटीएमएस) एक ऐसा सिस्टम है, जो ट्रैक रिकॉर्डिंग कार पर लगाया जाता है। यह 20-200 किमी/घंटे की गति सीमा में ट्रैक के पैरामीटर्स को रिकॉर्ड और मॉनिटर करके ट्रैकमैन एवं अन्य रेलकर्मियों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए आधुनिक तकनीक के उपयोग के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि आईटीएमएस और आरसीआरआईवी के उपयोग से

यह सिस्टम P-way अधिकारियों के लिए बेहद सहायक है क्योंकि यह खराब जगहों की तत्काल ट्रैक देखभाल के लिए रियल टाइम अलर्ट स्टर और ईमेल प्रदान करता है।

आईटीएमएस मुख्य रूप से निम्नलिखित सब-सिस्टम्स से बना है:

ट्रैक जियोमेट्री मापन प्रणाली- यह बिना संपर्क वाले लेजर सेंसर और हाई-स्पीड कैमरों की मदद से जड़तीय सिद्धांत का उपयोग करके गेज, क्रेट, क्षैतिज और ऊर्ध्वाधर सरंक्षण जैसे ट्रैक जियोमेट्री पैरामीटर्स का मापन करता है। समग्र रेल प्रोफाइल और विवर मापन प्रणाली- यह बिना संपर्क वाले लेजर सेंसर और हाई-स्पीड कैमरों की मदद से पूरे रेल प्रोफाइल और विवर का मापन करके रेल की स्थिति की निगरानी करता है। ट्रैक कम्पोजिट कंडीशन मॉनिटरिंग- यह वीडियो निरीक्षण के माध्यम से ट्रैक घटक (जैसे रेल, स्लीपर, फास्टनिंग, बैलास्ट) में दोषों की पहचान करता है। यह लूज/मिसिंग ट्रैक फिटिंग्स की पहचान के लिए लाइन स्कैन कैमरों और मशीन लर्निंग का उपयोग करता है।

एक्सलेरेरेशन मापन- एक्सलेरोमीटर के माध्यम से एक्सल बॉक्स और कोच फ्लोर स्तरों पर एक्सलेरेशन का मापन करता है, जिससे राइड क्वालिटी और खराब स्थानों की पहचान की जाती है। रियर विंडो वीडियो रिकॉर्डिंग- हाई-रिजोल्यूशन कैमरों की मदद से ट्रैक की स्थिति और आसपास के वातावरण की निगरानी करता है, जिससे ट्रैक डिफेक्ट्स और एसेट्स का संबंध स्थापित किया जा सके। इनफ्रिजमेंट मापन प्रणाली- यह LIDAR तकनीक का उपयोग करके MMD/SDD एनवेलप का निगरानी करता है।

रेल-सह-रोड निरीक्षण वाहन (RCRIV)

रेल-सह-रोड निरीक्षण वाहन (RCRIV) को टाटा योद्धा मॉडल से संशोधित किया गया है, जिसमें पीछे की तरफ दो लोहे के पहिये (750 मिमी व्यास) और आगे की तरफ 2 लोहे के पहिये (250 मिमी व्यास) हैं। इसके अतिरिक्त, इसमें 3 कैमरे हैं जो ट्रैक को रिकॉर्ड करेंगे, जिसका रिकॉर्डिंग बैकअप लगभग 15 दिनों का होगा।

St. ARVINDO ACADEMY

Affiliated to C.B.S.C (Delhi)

Anuj Kumar Sahu
(President)

Other Facility

Bus Available
computer Lab
Laboratory
Library

BEHIND ARGORA HOUSING COLONY, MAHAVIR NAGAR, ARGORA, RANCHI (JHARKHAND)

www.starvindoacademy.org

Contact No. : 8252799128, 9431358509, 0651-3555455